सुविचार
सच्ची शिक्षा व्यक्ति को जीविकोपार्जन करने में सक्षम बना देती है।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

पर्सनल लाइफ में मिस्ट्री गर्ल है...

Ranchi ● Wednesday, 22 November 2023 ● Year : 01 ● Issue : 301 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	65,930.77
निफ्टी	:	19,783.40

SARAFA

सोना	:	5,815
चांदी	:	79.04

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आज होगी हेमंत सोरेन कैबिनेट की बैठक

RANCHI : झारखंड कैबिनेट की बैठक 22 नवंबर को होगी। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने सूचित किया है कि मंत्रिपरिषद् की बैठक 22 नवंबर को शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी।

पीएम-योगी को जान से मारने की धमकी, आरोपी धराया

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी दी गई है। अज्ञात शख्स ने फोन पर यह धमकी दी। इसके साथ ही शख्स ने मुंबई के जेजे अस्पताल को भी बम से उड़ाने की धमकी दी है। पीएम मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने वाले शख्स को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मुंबई के सायन इलाके से शख्स को गिरफ्तार किया।

पतंजलि को भ्रामक विज्ञापन पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (21 नवंबर) को बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को फटकार लगाई है। मॉडर्न मेडिसिन सिस्टम यानी आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के खिलाफ भ्रामक दावे और विज्ञापन पब्लिश करने को लेकर ये फटकार लगाई गई है। भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने याचिका दायर की थी। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा- पतंजलि आयुर्वेद को सभी झूठे और भ्रामक दावों वाले विज्ञापनों को तुरंत बंद करना होगा। कोर्ट ऐसे किसी भी उल्लंघन को बहुत गंभीरता से लेगा और हर एक प्रोडक्ट के झूठे दावे पर 1 करोड़ रुपए तक का जुमार्ना भी लगा सकती है।

यूपी में जनरथ बस-कार की टक्कर में पांच की मौत

UP : उत्तर प्रदेश के जनपद चित्रकूट में राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार दोपहर को रोडवेज जनरथ बस और कार की आमने-सामने टक्कर हुई। हादसे एक मासूम बच्चे समेत पांच लोगों की मौत हो गई। छह लोग घायल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस मृतकों की शिनाख्त का प्रयास कर रही है। अधिकांश घायल और मृतक मध्य प्रदेश के निवासी बताए जा रहे है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद में हुए सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दु:ख प्रकट किया है।

हाईकोर्ट ● आचार संहिता उल्लंघन मामला

सीएम सोरेन की पीड़क कार्रवाई पर रोक बरकरार

● 12 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

SPECIAL REPORTER RANCHI : सीएम हेमंत सोरेन की ओर से सरायकेला खरसांवा के आदित्यपुर थाना में दर्ज प्राथमिकी (418/2014) को चुनौती देने वाले क्रिमिनल रिट की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में अब 12 दिसंबर को होगी। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट ने हेमन्त सोरेन के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक बरकार रखी है। पिछली सुनवाई में राज्य सरकार को नोटिस जारी कर 3 सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। प्रार्थी हेमंत सोरेन ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग याचिका

में की है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2014 में चुनाव के दौरान वह अपनी पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने गए थे। उन्होंने आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया था।

यंग इंडिया की 751.9 करोड़ की संपत्ति अटैच

NEW DELHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड केस में यंग इंडिया की 751.9 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की है। कांग्रेस से जुड़े यंग इंडिया के खिलाफ ये कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की गई है। इस कंपनी में सोनिया-राहुल की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसी केस में ईडी ने 3 अगस्त 2022 को दिल्ली की हेराल्ड बिल्डिंग में स्थित यंग इंडिया कंपनी का ऑफिस सील कर दिया था। पिछले साल 2 और 3 अगस्त को ईडी की टीम ने सुबह से देर शाम तक नेशनल हेराल्ड के दिल्ली, मुंबई और कोलकाता समेत 16 ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई सोनिया और राहुल से पूछताछ के बाद की गई थी। जांच एजेंसी ने बयान जारी कर कहा कि सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से पूछताछ की थी और उनके बयान दर्ज किए थे। इसी के आधार पर कार्रवाई की गई।

साहिबगंज एसपी नौशाद आलम से ईडी आज करेगी पूछताछ, अवैध खनन के गवाह को भड़काने का आरोप

विजय हांसदा दिल्ली भेजने के लिए टिकट की व्यवस्था कराने का भी आरोप

CRIME REPORTER RANCHI : साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम से बुधवार (22 नवंबर) को ईडी की टीम पूछताछ करेगी। उनपर अवैध खनन मामले में ईडी के गवाह रहे विजय हांसदा को दिल्ली जाने के लिए टिकट की व्यवस्था कराने का आरोप है। ईडी ने 10 नवंबर को समन भेज कर एसपी नौशाद आलम को पूछताछ के लिए 22 नवंबर को रांची के हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होने का निर्देश दिया था। उन पर साहिबगंज में अवैध खनन के गवाह विजय हांसदा को भड़काने का आरोप है। साथ ही पंकज मिश्रा बनाम विजय हांसदा मामले में उसे दिल्ली भेजने के लिए टिकट की व्यवस्था कराने का भी आरोप है। ईडी ने जांच में पाया था कि विजय हांसदा को सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामले में अपना पक्ष रखने के लिए दिल्ली जाना था।

नौशाद आलम

हाईकोर्ट के आदेश पर नींबू पहाड़ पर अवैध खनन मामले में सीबीआई ने भी दर्ज किया है केस

सीबीआई ने साहिबगंज के नींबू पहाड़ पर अवैध खनन मामले में पंकज मिश्रा, दाहू यादव सहित अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। विजय हांसदा को भी नामजद अभियुक्त बनाया गया है। हाइकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की है। प्राथमिकी में साहिबगंज में अवैध खनन, ईडी के अधिकारियों को झूठे मुकदमे में फंसाने और गवाहों को भड़काने के लिए साजिश रचने का आरोप लगाया गया है।

एसपी के कहने पर की गई थी टिकट की व्यवस्था : एसपी के कहने पर एक पुलिस अधिकारी ने ट्रैवल एजेंट के माध्यम से विजय हांसदा के लिए टिकट की व्यवस्था की थी। जानकारी के अनुसार, विजय हांसदा ने नींबू पहाड़ पर अवैध खनन के आरोप में पंकज मिश्रा व अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी थी। जेल में रहते हुए उसने इस मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग को लेकर याचिका दायर की।

चुटूपालू घाटी में भीषण सड़क हादसा : अनियंत्रित वाहन ने मचाया कहर

ट्रेलर ने तीन गाड़ियों को मारी टक्कर, तीन की दर्दनाक मौत

CRIME REPORTER RANCHI : रामगढ़ के चुटूपालू घाटी में भीषण सड़क हादसा हो गया है, जहां चार वाहन एक साथ टकरा गये। मंगलवार सुबह करीब 9.30 बजे हुई इस घटना में एक ट्रेलर, एक ट्रैक्टर और दो कार दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में ट्रैक्टर का ड्राइवर, ट्रेलर का चालक और खलासी शामिल हैं। ट्रैक्टर के खलासी की स्थिति गंभीर बतायी जा रही है। कार में सवार लोग भी घायल हैं। सभी घायलों को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी गाड़ियां रांची से रामगढ़ की ओर जा रहीं थीं। घटना के बाद से ही रामगढ़-रांची फोर लेन जाम कर दिया गया। एनएच-33 के दोनों ओर जाम में सैंकड़ों गाड़ियां फंस गईं। हालांकि, घटना के करीब 5 घंटे बाद जाम को हटाया गया।

- ट्रैक्टर का ड्राइवर, ट्रेलर का चालक और खलासी की मौत
- मंगलवार सुबह 9.30 बजे का हादसा
- हादसे में रामगढ़ स्टेट बैंक के करीब 7 लोग भी घायल
- हादसे के बाद पांच घंटे तक जाम रहा एनएच-33

सड़क के किनारे गड्ढे में गिरा ट्रेलर व इनसेट में टक्कर से क्षतिग्रस्त गाड़ियां।

उत्तराखंड में फंसे मजदूरों के भाई थे दो मृतक

मृतकों में शामिल दो युवक उत्तराखंड टनल हादसा में फंसे मजदूर राजेंद्र बेदिया व सुकराम बेदिया के चचेरे भाई हैं। 24 वर्षीय दिनेश बेदिया, राजेंद्र बेदिया का और 27 वर्षीय शंकर बेदिया, सुकराम बेदिया के चचेरे भाई हैं। दोनों मृतक ओरमांझी के ही रहने वाले थे। दिनेश बेदिया का दो बेटा और एक बेटी है। शंकर बेदिया का एक पुत्र है, जो अभी काफी छोटा है। दोनों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सात गंभीर, मुवाअजे की मांग

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रेलर से ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया। जिसके बाद उसने दो चार पहिया वाहन को टक्कर मार दी और फिर गिट्टी लदे ट्रैक्टर से जा टकराया। इसके बाद ट्रेलर सड़क किनारे एक गड्ढे में जा गिरा। हादसे में ट्रैक्टर का चालक और ट्रैक्टर पर सवार एक युवक के अलावा ट्रेलर के खलासी की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद जैसे ही इसकी सूचना पुलिस को मिली पुलिस मौके पर पहुंची। करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रामगढ़ पुलिस ने ट्रेलर में दबे दो लोगों को निकाला। जिसमें खलासी की मौत हो चुकी थी और ड्राइवर बुरी तरह घायल था, जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। वहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रिम्स रेफर कर दिया गया। हादसे में रामगढ़ स्टेट बैंक के करीब 7 लोग भी घायल हुए हैं, जिसमें तीन लोगों को रिम्स रेफर किया गया है और चार लोगों का नर्सिंग होम में इलाज चल रहा है। ट्रैक्टर चालक खीरबेड़ा के रहने वाले शंकर बेदिया और एक अन्य दिनेश बेदिया की मौत की सूचना के बाद स्थानीय लोगों ने एनएच 33 को पूरी तरह जाम कर दिया था। स्थानीय लोग काफी आक्रोशित थे और मृतक के परिजनों के लिए मुआवजे की मांग कर रहे थे। रामगढ़ प्रशासन और पुलिस के आश्वासन के बाद करीब पांच घंटे बाद जाम खत्म करवाया गया। इतनी देर में दुर्घटना क्षेत्र के दोनों तरफ करीब 10 किलोमीटर तक गाड़ियों की लंबी कतार लग गई।

लीजेंड्स क्रिकेट : 13 रनों से जीती सुरेश रैना की टीम

रांची में सदर्न सुपरस्टार को दी शिकस्त

PHOTON NEWS RANCHI : लीजेंड्स लीग क्रिकेट में सुरेश रैना की अर्बनराइजर्स हैदराबाद ने रॉस टेलर की अगुवाई वाली सदर्न सुपर स्टार्स को 13 रन से हराया। हैदराबाद की टीम ने निर्धारित 19.2 ओवर में 10 विकेट खोकर 156 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इसके जवाब में सदर्न सुपर स्टार्स की टीम 19.2 ओवर में 143 रन बनाकर ढेर हो गई। इससे पहले जेएससीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रॉस टेलर ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग लिया। पहले विकेट के लिए ड्वेन स्मिथ व मार्टिन गुप्टिल ने तेजी से 50 रन टीम के लिए बनाए। लेकिन वेस्टइंडीज के स्मिथ 15 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों का सामना कर 2 छक्के व 6 चौके के मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान सुरेश रैना 10 रन बनाकर आउट हो गए। स्टुवर्ट बिन्नी ने 23, ट्रेगो ने 17 रन बनाए।

रांची में 2 और मैच खेले जाएंगे

रांची में 5 मैच जेएससीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना था। 3 मैच रांची में खेला जा चुका है। अब 2 मैच 22 व 24 को खेले जाएंगे। इस साल लीजेंड्स लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में 6 टीमें खेलेंगी।

पीएम मतलब पनौती मोदी : राहुल

अच्छा खासा लड़के वर्ल्ड कप जीत रहे थे, ये अलग बात है हरवा दिया

AGENCY UDAYPUR : राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पनौती कहा है। उन्होंने कहा- 'पीएम मतलब-पनौती मोदी।' अच्छा खासा लड़के वर्ल्ड कप जीत रहे थे, यह अलग बात है हरवा दिया। राहुल ने मंगलवार 21 नवंबर को बाड़मेर के बायतु और उदयपुर के वल्लभनगर में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा मोदी का काम आपके ध्यान को इधर-उधर करने का है। अडाणी का काम आपकी जेब काटना है। दोनों आते हैं, एक टीवी पर आता हैं। आपसे कहेगा हिंदू-मुस्लिम, कभी क्रिकेट मैच में चला जाएगा। राहुल ने कहा- एक साल पहले कन्याकुमारी से कश्मीर तक हमने यात्रा की। 4500 किलोमीटर लाखों लोगों के साथ कश्मीर तक चले। बारिश, तूफान, बर्फ में पैदल चले। इसका मकसद था, भारत को जोड़ना। हमें लगा भाजपा देश में नफरत फैला रही है। हिंसा फैला रही है। एक जाति को दूसरी से और एक धर्म के लोगों को दूसरे धर्म के लोगों से लड़ा रही है। इसलिए हमने भारत जोड़ो यात्रा शुरू की।

बेरोजगारी, गरीबी-महंगाई

जब दो जेबकतरे किसी की जेब काटना चाहते हैं तो क्या करते हैं? ध्यान हटाने का काम करते हैं। एक आता है आपसे बात करता है और पीछे से दूसरा आता है, आपकी जेब काटकर ले जाता है। हिंदुस्तान में सबसे बड़ा मुद्दा कौनसा है। बेरोजगारी, गरीबी और महंगाई। कभी टीवी पर आपने बेरोजगार युवा को देखा है, नहीं देखा होगा।

75 प्रतिशत रिजर्वेशन का बिहार में रास्ता साफ

PATNA : बिहार विधानमंडल में पास आरक्षण संशोधन बिल को राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने भी मंगलवार को अपनी मंजूरी दे दी। इसके साथ ही बिहार में 65 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता अब साफ हो गया। इससे एससी-एसटी, ओबीसी-ईबीसी वर्ग के लोगों के बीच आरक्षण का दायरा बढ़ जायेगा। शीघ्र ही इस संदर्भ में सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से गजट का भी प्रकाशन होगा। इसके बाद यह लागू हो जाएगा। बताते चलें कि बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में विधानसभा और विधान परिषद ने इस बिल को सर्वसम्मति से पारित कर दिया था। इसमें आरक्षण का दायरा 50 से 65 प्रतिशत करने का प्रस्ताव था।

कांग्रेस बुराइयों का प्रतीक : मोदी

कांग्रेस की लाल डायरी में लिखा है- जल, जंगल और जमीन को कैस बेचा

AGENCY KOTA : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बारां के अंता और कोटा के दशहरा मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी को 75 वर्ष पूरे हो गए। अब हमारे सामने विकसित भारत का लक्ष्य है। राजस्थान को विकसित बनाए बिना भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य अधूरा है। जब तक भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण नामक देश के तीन दुश्मन हमारे बीच हैं, तब तक इस संकल्प का पूरा होना मुश्किल है। कांग्रेस इन तीन बुराइयों की सबसे बड़ी प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आजकल राजस्थान की लाल डायरी की सबसे अधिक चर्चा है। इस साल लाल डायरी के पन्ने जैसे-जैसे खुल रहे हैं, वैसे-वैसे जादूगर के चेहरे पर हवाइयां उड़ रही हैं। लाल डायरी में साफ-साफ लिखा है कि कांग्रेस सरकार ने पांच वर्षों में आपके जल, जंगल और जमीन को कैसे बेचा है। सूरसेन गोडावण अभयारण्य में क्या हुआ, ये आप मुझसे ज्यादा जानते हैं।

'भाया रे भाया खूब खाया'

अवैध खनन के तार किससे जुड़े हैं, ये किसी से छिपा नहीं है। मैंने कहीं पढ़ा कि कांग्रेस के विधायक ने यहां के मंत्री के लिए कहा है- 'भाया रे भाया खूब खाया। एक गांव तो पूरा ही खाया।' कांग्रेस में मंत्री हो, विधायक हो, सब बेलगाम हैं और जनता त्रस्त है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने चंबल रिवर फ्रंट में कैसे-कैसे घोटाले किए हैं, वो भी आपसे छिपा नहीं है।

कैमरे पर पहली बार दिखे 10 दिन से फंसे मजदूर, प्लान 2 से बाहर निकालने में लग सकते हैं 40 दिन

उत्तरकाशी टनल से 41 मजदूरों को निकालने के नए प्लान

AGENCY UTTERKASHI : उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सिलक्यारा टनल में 12 नवंबर से फंसे 41 मजदूरों को हादसे के 10वें दिन एंडोस्कोपिक कैमरे से देखा गया। मंगलवार सुबह करीब 3 बजकर 52 मिनट पर मजदूरों से बातचीत की गई। मजदूरों की गिनती हुई। सभी सुरक्षित हैं। पाइप के जरिए इन्हें पहली बार गर्म खिचड़ी-दाल और जूस भेजे गए। मंगलवार शाम को दाल-चावल, रोटी-सब्जी भेजी गई है। एनएचआईडीसीएल डायरेक्टर महमूद अहमद ने बताया कि मजदूरों को वॉकी-टॉकी दिया गया है। इससे मजदूरों की ओर से नमक भेजने की डिमांड आई थी। इधर, मजदूरों के रेस्क्यू को लेकर केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन और नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अर्थॉरिटी के सदस्य ले. जनरल सैयद अता हसनैन (रिटायर्ड) ने तीन अलग-अलग प्लान के बारे में मीडिया को बताया। इसमें प्लान 2 से 40 दिन भी लग सकते हैं।

टनल व इनसेट में इसके अंदर फंसे मजदूर की कैमरे से ली गई तस्वीर।

पहला प्लान सबसे तेज ऑप्शन ऑगर मशीन का है। रुकावट नहीं आई तो दो-ढाई दिन में सुरंग बन जाएगी। इसमें मलबा आने का खतरा है, इसलिए दूसरी ओर से ड्रिलिंग की मशीनें बुलाई गई हैं। अगर ऑगर के रास्ते में हार्ड रॉक और स्टील आए तो उनको काटने का भी इंतजाम है।

दूसरा प्लान दूसरा सबसे तेज ऑप्शन सिलक्यारा टनल की दोनों साइड से खोदकर रास्ता बनाने का है। इसमें 12-15 दिन लग सकते हैं। इसके अलावा तीसरा और सबसे लंबा तरीका डंडालगांव से टनल खोदना है। इसमें 35-40 दिन लग सकते हैं। सिलक्यारा और डंडालगांव में वर्टिकल ड्रिलिंग शुरू हो गई है।

रेस्क्यू को सनसनीखेज न बनाएं

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मंगलवार को टेलीविजन चैनलों के लिए सलाह जारी करते हुए कहा कि वे उत्तराखंड के सिल्कियारा में चल रहे बचाव अभियान को सनसनीखेज बनाने से बचें। इसके साथ सुरंग स्थल के करीब जहां बचाव कार्य चल रहा है वहां से कोई लाइव पोस्ट एवं वीडियो न बनाएं, इससे बचाव कार्य में बाधा पड़ सकती है। मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श में कहा गया है कि दो किलोमीटर की सुरंग के हिस्से में फंसे श्रमिकों के साथ सरकार लगातार संपर्क बनाए हुए है और उनका मनोबल बनाए रखने के लिए सभी प्रयास कर रही है।सुरंग के आसपास चल रहा ऑपरेशन बेहद संवेदनशील स्थान है, जिसमें कई लोगों की जान बचाई जा रही है। टीवी चैनलों द्वारा संचालन से संबंधित वीडियो फुटेज और अन्य चित्रों का प्रसारण, विशेष रूप से कैमरों और अन्य उपकरणों को नजदीक रखने पर वे बचाव कार्य बाधित कर सकते हैं।

टनल के अंदर ज्यादा ठंड नहीं होने से राहत

टनल के अंदर ज्यादा ठंड नहीं है। अभी मौसम हमारा साथ दे रहा है। इसके अलावा एनडीआरएफ की दो टीमें किसी अनहोनी के मद्देनजर उससे निपटने के लिए रिहर्सल कर रही हैं। अगर जरूरत पड़ी तो वे रेंगकर अंदर जाने और रेस्क्यू स्टाफ को बचाने में सक्षम हैं।

दिल्ली का प्रदूषण, 3 सरकारों को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को दिल्ली प्रदूषण मामले में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और पंजाब सरकार से पूछा कि प्रदूषण की समस्या को रोकने के लिए क्या कदम उठा रहे हैं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के किसानों के साथ हमदर्दी दिखाई। कोर्ट ने कहा कि पराली जलाने वाले किसानों को विलेन बना दिया जाता है। कोई उनका पक्ष नहीं सुनता है। किसानों के पास पराली जलाने के लिए कारण जरूर होंगे। पंजाब सरकार को उन्हें पराली जलाने से रोकने के लिए सहायता राशि देनी चाहिए। कोर्ट ने दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश सरकार को फटकारते हुए कहा- बीते छह साल में यह सबसे प्रदूषित नवंबर रहा है। हमें समस्या पता है और उस समस्या को दूर करना आपका काम है।

कोरोना वैक्सीन से अचानक मौतें नहीं बढ़ी : आईसीएमआर

स्टडी में दावा

● हॉस्पिटलाइजेशन, शराब-ड्रग्स, फैमिली हिस्ट्री, और इंटेंस वर्कआउट इसके लिए जिम्मेदार

AGENCY NEW DELHI : इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने एक स्टडी में दावा किया है कि कोविड-19 वैक्सीन लेने से देश के युवाओं में अचानक मौतों का रिस्क नहीं बढ़ा है। स्टडी के मुताबिक, कोरोना के दौरान अस्पताल में भर्ती होने, अचानक मौतों की फैमिली हिस्ट्री और कुछ लाइफस्टाइल आदतों के चलते अचानक होने वाली मौतों में बढ़ोतरी हुई है। इन लाइफस्टाइल आदतों में मौत से 48 घंटे पहले तक लगातार शराब पीना, ड्रग्स या किसी और नशीले पदार्थ का सेवन करना और मौत से 48 घंटे पहले अलग-अलग तरीके की इंटेंस फिजिकल एक्टिविटी करना शामिल है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि वैक्सीन की कम से कम एक डोज लेने से लोगों में ऐसी अचानक मौतों का रिस्क कम हो सकता है। ये रिसर्च 1 अक्टूबर 2021 से 31 मार्च 2023 के बीच देशभर के 47 बड़े अस्पतालों में की गई। स्टडी में 729 केस और 2,916 कंट्रोल्स को शामिल किया गया था। इस स्टडी में 18 से 45 साल के उन लोगों पर फोकस किया गया जो स्वस्थ थे और जिन्हें कोई बड़ी बीमारी नहीं थी।

BRIEF NEWS

चतरा में चोरी की बाइक और लूट के मोबाइल के साथ एक गिरफ्तार

CHATRA : जिले की सदर थाना पुलिस ने चोरी की एक बाइक और लूट के मोबाइल फोन के साथ एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान दीपक कुमार दास उर्फ राहुल कुमार दास के रूप में हुई है। इसके पास से चोरी का एक बाइक और लूट गया एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। सदर एसडीपीओ अविनाश कुमार ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर चोरी की बाइक के साथ एक अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अपराधी ने पूछताछ में दो अन्य साथियों के नाम बताए हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी के खिलाफ पूर्व से पांच मामले दर्ज हैं।

पीएम ने झारखंड के लोगों को निराश किया : अरूण संगा

KHUNTI : युवा कांग्रेस के जिला कार्यकारी अध्यक्ष अरूण संगा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि सरना कोड को अविलंब लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इसका प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया है। अरूण संगा मंगलवार को युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर प्रधानमंत्री खूंटी आये थे,उस समय उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री सरना कोड लागू करने की घोषणा करेंगे, पर प्रधानमंत्री ने लोगों को निराश किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केंं अलावा कोई भी राजनीतिक पार्टी कभी आदिवासियों की हितैषी कभी नहीं हो सकती। यही कारण है कि मिजोरम में इतनी भीषण हिंसा होने के बाद भी प्रधानमंत्री ने अब तक पीड़ितों की संधि नहीं ली, क्योंकि वेआदिवासी हैं।

बूथ कमेटी को मजबूत बनाने में जुट जाएं कार्यकर्ता : कैसर खान

KHUNTI : कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग की खूंटी जिला समिति की मंगलवार को बैठक तोरपा में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष एडवर्ड हंस ने की। बैठक में जिला कमेटी के नव नियुक्त पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्षा ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बैठक में झारखंड प्रदेश के महासचिव कैसर खान ने कहा कि आसन्न लोकसभा चुनाव को देखते हुए बूथ कमेटी को मजबूत बनाने में सभी कार्यकताओं को लग जाना है। उन्होंने कहा कि पार्टी में प्रखंड स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक के कार्यकताओं को पूरा मान सम्मान दिया जाएगा, ताकि कांग्रेस पार्टी और संगठन के प्रति उनका उत्साह बढ़े। जिलाध्यक्ष एडवर्ड हंस ने कहा कि अल्पसंख्यक विभाग सभी जाति और धर्म को लेकर चलने वाली पार्टी है और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का काम पार्टी करेगी।

बस-बाइक की आमने-सामने टक्कर, दो लोगों की मौत

PHOTON NEWS PALAMU : रांची-डालटनगंज मुख्य मार्ग पर सतबरवा थाना क्षेत्र के कंचना ढाबा के सामने मंगलवार को पलामू किला मेला देखने आ रहे बाइक सवार दो युवकों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। बस से बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत हो जाने के कारण यह घटना हुई। हालांकि, हादसे के बाद दोनों युवकों को नवजीवन अस्पताल तुम्बागड़ा ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

डालटनगंज से हजारीबाग जा रही दीप ज्योति बस और रांची की ओर से डालटनगंज की ओर आ रही एक बाइक में टक्कर हुई। सीधी टक्कर लगने के बाद बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से जख्मी होकर कंचन ढाबा के पास सड़क पर गिर गए। उनकी बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना के बाद एएसआई बसंत कुमार दुबे ग्रामीणों के सहयोग से बाइक सवार घायल

क्षतिग्रस्त बाइक एवं मृत पड़ा युवक। ● फोटोन न्यूज

युवकों को इलाज के लिए नवजीवन अस्पताल तुम्बागड़ा ले गए, जहां पर जांच के बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद बस और बाइक को सतबरवा पुलिस ने जब्त कर लिया तथा दोनों शव को डालटनगंज के एमएमसीएच में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार दोनों युवकों की पहचान सतबरवा थाना क्षेत्र के तुम्बागड़ा के 22 वर्षीय मनीष कुमार और 20 वर्षीय परदेसी कुमार के रूप में हुई है। थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी ने बाइक और बस में भिड़ंत होने की पृष्टि की। कई घंटे के बाद शव की पहचान होने की बात कही।

राष्ट्रपति ने तीन नई ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

मयूरभंज अंचल को लेकर जो सपना देखा था वह आज पूरा हो रहा है : द्रौपदी मुर्मू

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को चक्रधरपुर रेल मंडल के बादामपहाड़ स्टेशन से तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। इन ट्रेनों में शालीमार-बादामपहाड़ साप्ताहिक एक्सप्रेस, बादामपहाड़-राउरकेला साप्ताहिक एक्सप्रेस और तीसरी ट्रेन टाटानगर-बादामपहाड़ मेमू शामिल है। इस खास मौके पर ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास, केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, रेल, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव, जनजातीय कार्य एवं जनशक्ति राज्य मंत्री विश्वेश्वर टूडू, ओडिशा सरकार में मंत्री सुदामा मरांडी सहित रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा, चक्रधरपुर मंडल के डीआरएम अरुण जे राठौड़ सहित कई वरीय अधिकारी उपस्थित थे। आपको बता दें कि राष्ट्रपति के

ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करती राष्ट्रपति व अन्य। ● फोटोन न्यूज

गृह क्षेत्र ओडिशा के बादामपहाड़-रायरंगपुर स्टेशन को अमृत भारत योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में तीन नई ट्रेन का परिचालन की शुरूआत की गई है।

झारखंड और पश्चिम बंगाल से सीधे जुड़ेगा मयूरभंज : राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि मैं ओडिशा की माटी में ही पली-बढ़ी हूं। आज भले ही ऊंचे पद पर हूं, लेकिन मैं इस माटी को कभी नहीं भूल सकती। उन्होंने केंद्र सरकार के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेल सहित हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो रहा है। यह तभी संभव है, जब सबका साथ व सबका विश्वास हो। मयूरभंज अंचल को लेकर मैंने जो सपना देखा था, वह आज पूरा हो रहा है। नई ट्रेनों के परिचालन होने से न सिर्फ मयूरभंज अंचल झारखंड और पश्चिम बंगाल से सीधे जुड़ेगा, बल्कि व्यापार के नए रास्ते भी खुलेंगे। इसके साथ ही यात्री सुविधाओं में भी बढ़ोतरी होगी। केंद्र सरकार आदिवासी भाई-बहनों के विकास के लिए काफी काम कर रही है।

सिमडेगा विधायक ने अतिथिशाला का किया उद्घाटन

रामरेखा धाम को पहचान दिलाने का हो रहा है प्रयास : भूषण बाड़ा

PHOTON NEWS SIMDEGA : सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने रामरेखाधाम में मेला लगने से पूर्व भक्तों को अतिथिशाला भवन का तोहफा दिया है। मंगलवार को विधायक मद से बने अतिथिशाला का विधायक भूषण बाड़ा ने विधिवत पूजा अर्चना कर उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम रामरेखाधाम के दोनों महंत की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। मौके पर विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि उनका प्रयास है कि रामरेखाधाम को धार्मिक एवं पर्यटक स्थल के रूप में पहचान दिलाई जाय। इसी के तहत काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके प्रयास से बीरू से रामरेखाधाम तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू हो चुका है। कृषि का कार्य रहने के कारण थोड़ा विलम्ब हुआ, लेकिन बहुत जल्द इस सड़क का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा।

श्रद्धालुओं को आवागमन में होगी आसानी : विधायक ने कहा कि श्रद्धालुओं को आवागमन में काफी

अतिथिशाला के उद्घाटन के मौके पर जुटे ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

आसानी होगी। हमें गर्व है कि रामरेखाधाम को भगवान श्रीराम ने खुद अपने हाथों से सजाया है। रामरेखाधाम की पहचान विश्व स्तर पर हो इसके लिए प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकास की रफ्तार तेज कर दी गई है। अतिथिशाला के बाद रामरेखाधाम में डाक बंगला भवन का निर्माण भी जारी है। आने वाले दिनों में और भी बहुत कुछ योजनाएं लाने का प्रयास होगा। रामरेखा के पहाड़ी में रोपवे निर्माण कराने की मांग की जा रही है। मौके पर विधायक ने कार्तिक पूर्णिमा मे लगने वाले मेला की जानकारी ली।

विधायक ने मेले की तैयारी की जानकारी ली : विधायक ने महंत एवं समिति के सदस्यों से इस संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को पूजा से पूर्व रामरेखा धाम में पर्याप्त सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मौके पर जिला अध्यक्ष डेविड तिर्की, 20 सूत्री उपाध्यक्ष मनोज जयसवाल, प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख रजत लकड़ा, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष आकाश सिंह, जिला विधायक प्रतिनिधि संतोष सिंह, विधायक प्रतिनिधि सह पीसीसी डेलीगेट प्रदीप केशरी, विधायक प्रतिनिधि शीतल तिर्की, विधायक प्रतिनिधि तिलका रमन आदि उपस्थित थे।

जनता दरबार में विधायक अंबा प्रसाद ने लोगों की सुनी फरियाद

HAZARIBAGH : विधायक अम्बा प्रसाद ने बड़कागांव प्रखंड सह अंचल कार्यालय में मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार लगाया गया। जनता दरबार में एक दर्जन से अधिक लोगों ने बारी-बारी से अपनी समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा, जिसमें आधे से अधिक समस्या को विधायक ने ऑन द स्पॉट निष्पादन किया। इस दौरान विधायक अम्बा प्रसाद ने 66 वर्षीय वृद्ध पुरुष तिलक साव, पिता वकील साव जुगरा निवासी को वृद्धा पेंशन का प्रमाण पत्र तथा नगद राशि दिया गया। जनता दरबार में जमीन संबंधित, आवास योजना संबंधित, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन,डीप बोरिंग, कल्याण विभाग संबंधित योजना, विधायक फंड संबंधित समस्या का निदान हुआ। कुछ समस्या के निदान के लिए मौजूद प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल, अंचलाधिकारी बालेश्वर राम तथा कल्याण पदाधिकारी भास्कर राज को निर्देश दिए गए।

दो दिवसीय पलामू किला मेला शुरू मनिका विधायक ने किया उद्घाटन

फीता काटकर मेले का उद्घाटन करते विधायक व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : राजा मेदिनी राय की याद में सतबरवा के फुलवरिया में लगने वाले दो दिवसीय ऐतिहासिक पलामू किला जतरा मेला मंगलवार से प्रारंभ हो गया। मेले का उद्घाटन मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने किया। वही उन्होंने मेला स्थल में स्थापित राजा मेदिनीराय की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

मौके पर मुख्य अतिथि विधायक रामचंद्र ने कहा कि राजा मेदिनी राय महान प्रतापी व कुशल शासक थे। इनके शासनकाल में प्रजा सुखी और शांति महसूस करती थी। राजा मेदिनी राय के विषय में एक लोकोक्ति चरितार्थ है -ह्यधनी धनी राजा मेदनीया, घर घर बाजे मथनिया।ह्ल उन्होंने कहा कि हमारा समाज अशिक्षा और कुरूतियो में जकड़ा हुआ है जिसे दूर करने के लिए समाज के वुद्धिजीवी वर्गों को आगे आने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि पलामू किला की मरम्मत के लिए प्रयास किया जाएगा। अगले साल से उत्कृष्ट मेला के रूप में दर्जा दिया जाएगा, ताकि यह मेला राजा मेदिनी राय के गौरव गाथा को दूर-दूर तक पहुंचा सके।

मेला आयोजन समिति के लोगों ने कहा कि राजा मेदिनीराय की याद में करीब 62 वर्षों से पलामू किला मेला आयोजित होते आ रहा है। पलामू किला व मेला चेरो वंशीय राजा का धरोहर है जिसे बचाने की जरूरत है। पलामू किला जैसे ऐतिहासिक मेला को राजकीय मेला घोषित नहीं होना दुर्भाग्य पूर्ण है।

मेला में पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। वहीं मेला समिति के द्वारा ड्रोन कैमरे से मेला की निगरानी की जा रही थी।

गिरिडीह में साइबर ठगी के नौ आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS GIRIDIH : पुलिस ने साइबर ठगी के नौ शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 17 मोबाइल भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने जिले के बेंगाबाद, गांडेय और मुफ्फसिल थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी कर यह सफलता हासिल की है।

एसपी दीपक कुमार शर्मा ने मंगलवार को पपरवाटांड जिला पुलिस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में बताया कि साइबर ठग फर्जी एयरटेल पेमेंट बैंक का लिंक भेजकर, डॉक्टर के पास नंबर लगाने के नाम पर, मित्रा समेत अन्य अलग-अलग एप के जरिए लोगों को झांसे में लेकर उनके बैंक खाते से राशि उड़ा लेते थे। गिरफ्तार आरोपितों में गांडेय के जोकटियाबाद निवासी मुकेश कुमार तिवारी, बेंगाबाद के देवातांड़ निवासी टार्जन अंसारी, महबूब अंसारी, मो. साबिर, गांडेय के मंडरडीह निवासी ताज हुसैन, खुर्शीद अंसारी, अनीस अंसारी और मुफ्फसिल थाना क्षेत्र ने केलाटांड बिरनी निवासी विशाल मंडल और गोविंद कुमार मंडल शामिल हैं।

पत्रकार वार्ता में साइबर डीएसपी संदीप सुमन समदर्शी, एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह, साइबर थाना प्रभारी अजय कुमार, पुअनि गौरव कुमार, गांडेय थाना प्रभारी साकेत प्रताप देव, ताराटांड़ थाना प्रभारी प्रदीप कुमार महतो, अहिल्यापुर थाना प्रभारी संतोष कुमार मंडल आदि मौजूद थे।

पलामू : एक साथ पांच घरों में चोरी

नकदी समेत लाखों की संपत्ति पर किया हाथ साफ

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के हरिहरगंज शहरी क्षेत्र के बंजारी मोहल्ला के एक साथ पांच घरों में चोरी हो गई। इस घटना से लोग सकते में पड़ गए। चोरों ने नकदी समेत एक लाख की संपत्ति पर हाथ साफ किया है। घटना मंगलवार तड़के तीन बजे के करीब हुई। चोरों ने घर का ताला तोड़कर इस घटना को अंजाम दिया।

बंजारी मोहल्ला निवासी शकीला खातून पति जमील अंसारी के घर से 15 हजार रुपये नकदी, कान की बाली, गले का चन, नथिया सहित कपड़े, बर्तन की चोरी हुई। अंजू देवी के घर में ताला तोड़कर चोरों ने फूल के कई बर्तन, कपड़े सहित कई सामानों

चोरी की घटना के बाद घर में बिखरे पड़े सामान। ● फोटोन न्यूज

की चोरी कर ली। मो. जाऊल हक के घर में 6 रूम के ताले तोड़े गए। उनके घर में वर्तमान में कोई नहीं रहता है। रागिनी कुमारी, ज्योति देवी के घर में चोरों ने ताले तोड़े ही थे कि अन्य रूम में सोए लोग जग गए और शोर मचाने लगे। तब चोर भाग खड़े हुए। मोहल्लेवासियों ने इसकी सूचना हरिहरगंज थाना को दी।

सूचना पर एएसआई जितेंद्र कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और छानबीन शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास ने बताया कि चोरों की धरपकड़ के लिए छानबीन शुरू कर दी गयी है। जल्द ही चोर पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की निकली भव्य कलश यात्रा

PHOTON NEWS PALAMU : जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के हाउसिंग कॉलोनी बारालोटा में परशुराम सेना युवा वाहिनी के तत्वावधान में आयोजित श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ सह श्रीमद्भागवत कथा को लेकर मंगलवार को शहर में भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। इस धार्मिक आयोजन में चर्चित भागवत कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज शामिल हुए।

कलश यात्रा यज्ञ स्थल से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्ग से होते हुए कोयल नदी तट तक निकाली गयी। यहां नदी का जल कलशों में भरकर पुनः स्थल पर पहुंच कर उसकी स्थापना की गयी। कलश यात्रा में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गयी। 9 दिनों तक

चलने वाले इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज हेलीकॉप्टर से चियांकी हवाई अड्डा पर उतरे। वहां उनका भव्य स्वागत युवा वाहिनी के अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम में आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक अर्जुन पांडे उर्फ गुरु पांडे, अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी सहित बड़ी संख्या में परशुराम सेना युवा वाहिनी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे।

दुर्गा पूजा, दीपावली, छठ जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों के खत्म होते ही खूंटी क्षेत्र में वनभोज उत्सव की शुरूआत

सैलानियों से गुलजार होने लगे हैं खूंटी के पर्यटन स्थल

PHOTON NEWS KHUNTI : दुर्गा पूजा, दीपावली, छठ जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों के बीत जाने के बाद खूंटी क्षेत्र में वनभोज उत्सव की शुरूआत हो गई है। जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पेरवांघाघ, पंचघाघ, लतरातू जलाशय, लटरजंग डैम, रानी फॉल, उलूंग जल प्रपात, सप्तधारा सहित अन्य पर्यटन स्थल नवंबर महीने के अंतिम सप्ताह से सैलानियों से गुलजार होने लगे हैं। भगवान बिरसा मुंडा जैसे अमर शहीद, मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा जैसे खिलाड़ियों की धरती खूंटी हमेशा से ही सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करती रही है।

प्रकृति ने खूंटी जिले को पेरवाघाघ जल प्रपात पंचघाघ, रानी

पर्यटन स्थल में आनंद उठाते सैलानी। ● फोटोन न्यूज

फॉल, दशम फॉल, रिमिक्स फाल, उलूंग जलप्रपात, सप्तधारा, पाड़ी पुड़िंग, जैसे अनुपम पर्यटन स्थल दिये हैं, तो बाबा आम्रेश्वर धाम, नकटी देवी, सोनमेर मात मंदिर, पाट पहाड़ कर्रा जैसे कई विख्यात धार्मिक स्थल प्रदान किये हैं, जो सैलानियों और धार्मिक अस्था वाले लोगों को बरबस ही अपनी ओर खींच लाते हैं।

इन स्थलों में आकर सैलानी अपने को प्रकृति के निकट महसूस करते हैं। इनके अलावा कर्रा प्रखंड को लतरातू जलाशय, खूंटी का लटरजंग डैम, पेलौल डैम जैसे मानव निर्मित पर्यटन स्थल भी इन दिनों पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। हर साल अंतिम वर्ष की विदाई और नववर्ष के स्वागत में दूर-दूर से सैलानी इन स्थलों में पहुंचते है और प्रकृति के अनुपम उपहार और सौंदर्य को निहारते है। वैसे तो सालों भर इन पर्यटन और धार्मिक स्थलों में लोगों का आवगमन होता रहता है, पर नवंबर से फरवरी महीने तक हर दिन इन क्षेत्रों में सैलानियों की भारी भीड़ जुटती है। प्रकृति की अनमोल सुंदरता वाले दर्शनीय स्थल, पहाड़ी वादियों के बीच से बहती नदियों को निहारना काफी मनमोहक लगता है। जरूरत है इन मनमोहक स्थलों पर सुरक्षा के व्यापक उपाय करने के साथ इनको विकसित करने की।

नहीं हो सका पर्यटन स्थलों का अपेक्षित विकास

इन पर्यटक स्थलों के समग्र विकास को लेकर सरकार और स्थानीय प्रशासन द्वारा कुछ खास नहीं किया जा सका है। इस ओर से प्रशासनिक रवैया लगभग उदासीन ही रहा है। खूंटी जिले के पर्यटन स्थलों की चर्चा तो खूब होती है, पर धरातल पर कोई पहल होती नहीं दिखाई देती है। जिले के पर्यटन स्थलों में कहीं भी सैलानियों के ठहरने के लिए किसी प्रकार का कोई इंतजाम नहीं है। इतना ही नहीं, सैलानियों के खाने-पीने और अन्य सुविधाओं की भी पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं है। सड़कों की स्थिति को भी अब तक सुधारा नहीं जा सका है।

अबुआ आवास योजना के प्रचार-प्रसार के लिए डीडीसी ने जागरुकता रथों को किया रवाना

PHOTON NEWS LOHARDAGA : झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अबुआ आवास योजना का आमजनों के बीच जानकारी व प्रचार-प्रसार के लिए मंगलवार को उप विकास आयुक्त जय ज्योति सामंता ने तीन जन जागरुकता रथों को सभी प्रखंडों के लिए समाहरणालय परिसर लोहरदगा से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ मंगलवार को पहले दिन भंडरा, कुडू और सेन्हा प्रखंड के लिए भेजा गया। यह रथ विभिन्न प्रखंडों में चार दिसंबर तक घूमेगा।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीण विकास विभाग ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब गृह विहीन लोगों को पक्का घर उपलब्ध कराने के लिए राज्य संपोषित योजना के रूप में अबुआ आवास योजना लाई है। आपकी

हरी झंडी दिखाकर जागरुकता रथ को रवाना करते डीडीसी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित की जाने वाली पंचायत स्तरीय शिविरों में अबुआ आवास योजना के लिए 24 नवंबर से 26 दिसंबर तक आवेदन पत्र प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किए जायेंगे, जिसकी ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल में की जानी है।

इस मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पलटू महतो, डीआरडीए परियोजना पदाधिकारी सुधीर मुर्मू, प्रधानमंत्री आवास योजना के जिला समन्वयक केके गुप्ता व अन्य उपस्थित थे।

झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस आज, विस सज धजकर तैयार

सजेगी महफिल, उत्कृष्ट विधायक और कर्मी होंगे सम्मानित

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा का स्थापना दिवस बुधवार को है। दो दिनों तक चलने वाले कार्यक्रम को लेकर विधानसभा की ओर से तैयारी पूरी कर ली गयी है। 23 नवंबर को शाम छह बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की शुरूआत स्थानीय कलाकारों के लोक गायन और संगीत से होगी। कार्यक्रम में सिंगर जावेद अली और गजल गायक कुमार सत्यम के गजलों का लोग लुत्फ उठायेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के क्रम हास्य कलाकार रविंद्र जॉनी के व्यंग्य के तीर भी चलेंगे। 22 नवंबर को स्थापना दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन करेंगे जबकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे।

विधायक रामचंद्र सिंह चुने गए हैं उत्कृष्ट विधायक

इस साल मनिका के विधायक रामचंद्र सिंह को उत्कृष्ट विधायक के रूप में चुना गया है। इन्हें बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इन्हें मुख्यमंत्री के हाथों 51 हजार रुपये प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया जायेगा। रामचंद्र सिंह कांग्रेस विधायक हैं। वे मनिका विधानसभा से तीसरी बार विधायक चुने गये हैं। समारोह में उत्कृष्ट विधायक के साथ छह कर्मियों को भी सम्मानित किया जायेगा। इन कर्मियों को 21 हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो दिया जायेगा। सम्मानित होने वाले कर्मियों में संयुक्त सचिव मिथिलेश कुमार मिश्रा, अवर सचिव विष्णु पासवान, प्रशाखा पदाधिकारी निलेश कुमार सिंह और नियाज अहमद, वरीय सचिवालय सहायक तापस कुमार यादव और अनुसेवक माइकल लकड़ा हैं। समारोह में नक्सली घटनाओं में मारे गये राज्य के शहीद जवानों के परिजनों, 10 वीं व 12 वीं के टॉपर, उत्कृष्ट खिलाड़ियों और चंद्रयान मिशन से जुड़े झारखंड के वैज्ञानिकों को विशेष तौर पर सम्मानित किया जायेगा।

BRIEF NEWS

सदर में अब कार्डियोलाजिस्ट पद पर नहीं होगी नियुक्ति

RANCHI : सदर अस्पताल में नए डाक्टरों की बहाली जल्द की जाएगी, जिसके लिए सिविल सर्जन ने 14 पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। जिसके बाद अब 13 पदो पर ही नियुक्ति होगी। इसमें सिर्फ एक कार्डियोलाजिस्ट के पद पर अभी नियुक्ति नहीं होगी। फिलहाल सिर्फ एक ही कार्डियोलाजिस्ट से सदर अस्पताल में मरीजों को सेवा दी जाएगी। सिविल सर्जन ने बताया कि जब सुविधाएं बढ़ेगी तो तीन चिकित्सकों के साथ कार्डियोलाजी विभाग संचालित की जाएगी। इन 14 पदों में एक कार्डियोलाजी, एक इएनटी, एक फिजिशियन और बचे हुए पदों पर मेडिकल डाक्टरों की नियुक्ति की जानी थी।

चोरी के प्रयास में दो आरोपियों को जेल

RANCHI : राजधानी की मुरी थाना पुलिस ने हिंडाल्को क्वार्टर कॉलोनी में घुसकर चोरी का प्रयास करने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में इम्तियाज उर्फ इम्तियाज आलम और साहिल खान शामिल हैं। ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो ने मंगलवार को बताया कि दोनों को चोरी करने के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

24 को सड़क सुरक्षा को लेकर समीक्षा करेंगे एडीजी अभियान

RANCHI : झारखंड एडीजी अभियान सड़क सुरक्षा को लेकर 24 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करेंगे। समीक्षा बैठक में सभी जिलों के एसएसपी और एसपी भी मौजद रहेंगे। इस दौरान जिलावार चिन्हित कर उपलब्ध कराये ब्लैक स्पॉट, एमवी एक्ट के तहत की गयी कार्रवाई, थाना में कितने फर्स्ट ऐड किट उपलब्ध कराये गये, प्रशिक्षित किये गये कर्मियों की संख्या, जीपीएस मैप कैमरा लाइट इंस्टॉल, क्यूआर कोड की जिलावार स्थिति और सड़क दुर्घटना की स्थिति व आंकड़ों पर चर्चा की जायेगी।

झारखंड में नौ पुलिसकर्मियों का तबादला

RANCHI : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने नौ पुलिसकर्मियों का तबादला किया है। इनमें आठ एसआई और एक एएसआई शामिल है। इस संबंध में मंगलवार को डीआईजी कार्मिक की ओर से अधिसूचना जारी की गयी है। एसआई सोनू पाठक का जेएपीटीसी पदमा, प्रियंका तिर्की, रूमिला एक्का और बेबी झा का आईटीएस होटवार, अरुण कुमार रवि और श्यामल कुंभकार का आईजी मुख्यालय रांची ऑफिस, अवधेश बाड़ा, गुलाब सोय मुरूम और एएसआई हेमंत भगत का प्रशिक्षण निदेशालय पुलिस मुख्यालय झारखंड रांची में तबादला किया गया है।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

मांडर : संत जोंस हाई स्कूल के छात्र की मौत का मामला

पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार भाई के बयान पर दर्ज हुई एफआईआर

CRIME REPORTER RANCHI : रांची के मांडर थाना क्षेत्र के नवाटांड़ स्थित संत जोंस हाई स्कूल के हॉस्टल में संदिग्ध स्थिति में छात्र का शव बरामद होने के बाद मांडर थाना में केस हुआ है। मृतक छात्र के भाई ने लिखित आवेदन दिया है। पुलिस का कहना है कि युवराज पासवान नामक एक 14 वर्षीय छात्र की रविवार की शाम को संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गयी। हॉस्टल में रहकर संत जोंस स्कूल की आठवीं कक्षा में पढ़ रहे युवराज पासवान का कुंआ से शव बरामद किया गया था। वहीं छात्र की मौत पर स्कूल प्रबंधन का कहना है कि छात्र ने रविवार की शाम को हॉस्टल परिसर में स्थित कुंआ में कूदकर आत्महत्या की है। लेकिन छात्र के स्वजन इस बात से सहमत नहीं है। घरवालों का कहना है कि छात्र की पहले हत्या हुई है इसके बाद शव को कुंआ में फेंका गया है। मांडर पुलिस ने सोमवार को छात्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया था। मामले को लेकर मृतक के भाई विवेनन्द पासवान ने अपने भाई की हत्या के आरोप को लेकर स्कूल के हॉस्टल के इंचार्ज ब्रदर राजेश बारला, प्रधानाध्यापक ब्रदर सुबोध कच्छप सहित उसके दो अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया था। आवेदन के अनुसार युवराज पासवान पिता सुभाष पासवान तीसरी कक्षा से ही संत जोन्स हाई स्कूल में हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा था।

हॉस्टल के कुएं से बरामद हुआ था शव

मृतक छात्र के भाई विवेकानंद के अनुसार संत जोन्स हाई स्कूल के ब्रदर राजेश ने उन्हें रविवार की रात को करीब दस बजे फोन कर उन्हें जल्द से जल्द स्कूल आने की बात कही। सोमवार फिर से फोन किया गया और बताया कि उसके भाई युवराज पासवान ने रविवार की रात को हॉस्टल परिसर में स्थित कुंआ में कूदकर आत्महत्या कर लिया है। इसके बाद वह चतरा से अन्य लोगों के साथ मांडर पहुंचे। तब तक शव को मांडर थाना लाया जा चुका था। इधर पुलिस से मामले पर पूछने पर पुलिस ने उन्हें बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि छात्र की हत्या हुई है या फिर उसने आत्महत्या की है। संत जोन्स हाई स्कूल के हास्टल के इंचार्ज ब्रदर राजेश बारला व प्रधानाध्यापक ब्रदर सुबोध कच्छप ने कहा कि रविवार की शाम को सभी छात्र अपने छात्र में पढ़ाई कर रहे थे। युवराज पासवान बाथरूम जाने के बात बोलकर निकला। युवराज के साथ अन्य छात्र भी गए लेकिन कुछ ही देर बाद उसके साथ गए छात्र वापस लौटे और अन्य छात्रों को बताया की युवराज पासवान कुंआ में कूद गया है।

रांची हिंसा : प्रार्थी ने मांगा समय, 19 दिसंबर को डेट

CRIME REPORTER RANCHI : रांची में 10 जून 2022 को हुई हिंसा मामले कि एनआईए जांच को लेकर दायर जनहित याचिका की आंशिक सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को हुई। प्रार्थी की अधिवक्ता के आग्रह पर कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 19 दिसंबर निर्धारित की है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने प्रार्थी से पूछा था कि वह कैसे इस केस को एनआईए को ट्रांसफर करने की मांग कर रहे हैं। क्या इसका कोई साक्ष्य है कि यह घटना शेड्यूल ऑफेंस के तहत आ रही है। वहीं एनआईए और राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि पूरे प्रकरण में यह मामला शेड्यूल ऑफेंस के दायरे में नहीं आता है।

बता दें कि रांची हिंसा मामले में दायर पंकज कुमार यादव की जनहित याचिका में हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के महासचिव यास्मीन फारूकी समेत रांची उपायुक्त , एसएसपी, मुख्य सचिव, एनआईए, ईडी को प्रतिवादी बनाया है। अदालत से मामले की एनआईए जांच कराकर झारखंड संपत्ति विनाश और क्षति निवारण विधेयक 2016 के अनुसार आरोपियों के घर को तोड़ने का आदेश देने का आग्रह किया है। याचिका में रांची की घटना को प्रायोजित बताते हुए एनआईए से जांच करके यह पता लगाने का आग्रह किया है कि किस संगठन ने फंडिंग कर घटना को अंजाम दिया। नुपुर शर्मा के बयान पर जिस तरह से रांची पुलिस पर पत्थर बाजी हुई, प्रतिबंधित अस्त्र शस्त्र का प्रयोग हुए, धार्मिक स्थल पर पत्थरबाजी की गए यह प्रायोजित प्रतीत होता है।

प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में चोरी, 20000 नगद समेत कई सामान ले उड़े चोर

RANCHI : धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित झारखंड के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। मंदिर परिसर में स्थित पुजारी के कमरे को अज्ञात चोरों को निशाना बनाया है। जगन्नाथपुर मंदिर परिसर के भीतर ही पुजारी का कमरा बना हुआ है। सोमवार की देर रात मंदिर परिसर स्थित पुजारी के कमरे से 20 हजार रुपये नगद, कई पेन ड्राइव, मंदिर के सजावट के समान और साउंड सिस्टम को गायब कर दिया। मंदिर में चोरी की वारदात के बाद मामले की जानकारी धुर्वा पुलिस को दी गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर रही है। अज्ञात चोरों ने पुजारी के कमरे में प्रवेश करने के लिए खिड़की को रास्ता बनाया था। चोरों ने खिड़की के ग्रिल को काटकर उसके अंदर से कमरे में प्रवेश किया और फिर कमरे के अंदर रखे सामान को उड़ा ले गए। सबसे हैरानी की बात तो यह है कि जिस स्थान पर खिड़की लगी है, वह काफी ऊंचाई पर है। इसके बावजूद चोरों ने बड़े आराम के साथ चोरी को अंजाम दिया और फरार भी हो गए।

लालपुर में घरेलू विवाद में युवक की गला रेतकर हत्या

भाई गिरफ्तार, मां और जीजा फरार, बहन ने दी थी पुलिस को सूचना

CRIME REPORTER RANCHI : लालपुर थाना क्षेत्र स्थित फ्रेंड्स कालोनी में रहने वाले नितेश लाहा की गला रेत कर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने विवेक उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया है। विवेक मृतक का भाई है। लालपुर थाना पंभारी ने बताया कि नितेश और विवेक में संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। बंटवारे की बात को लेकर रविवार को मृतक और विवेक में झगड़ा हुआ था। झगड़ा के बाद विवेक, विवेक की मां और विवेक का जीजा ने नितेश को मार डालने की योजना बनाई। इसके बाद नितेश के साथ मारपीट की गई और फिर उसका गेल रेत दिया गया। नितेश की मौत के बाद सभी आरोपी घर में ताला बंद कर फरार हो गए। नितेश की बहन ने पुलिस को सूचना दिया कि नितेश लापता है। उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। इसके बाद पुलिस ने नितेश को खोजना शुरू किया। नितेश की मां के घर पुलिस पहुंची तो घर में ताला लगा हुआ था। पुलिस ने ताला तोड़ा तो देखा कि नितेश का शव पड़ा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी भाई विवेक को पकड़ लिया है लेकिन अन्य दोनों आरोपी फरार हैं।

पत्नी की हत्या करने के बाद जेल गया था नितेश

पुलिस का कहना है कि वर्ष 2021 में मृतक नितेश अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद जेल गया था। नितेश ने दहेज के लिए पत्नी को मार डाला था। आरोपी कुछ दिन पहले ही जेल से बाहर निकला है। इसके अलावा नितेश के खिलाफ रंगदारी और अन्य मामले दर्ज हैं। लालपुर इलाके में कोई भी घर का निर्माण कराता था तो नितेश रंगदारी मांगने पहुंच जाता था। पुलिस का कहना है कि दो अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। विवेक ने पूछताछ में ज्यादा कुछ नहीं बताया है। अन्य दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में और जानकारी मिलेगी। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद कई लोगों से पूछताछ की गई। पुलिस को जानकारी मिली है कि मृतक का अपने घर में किसी के साथ अच्छा संबंध नहीं था। नितेश कई बार अपने घर वालों के साथ मारपीट कर चुका है।

हत्या के आरोप में दो युवक गिरफ्तार, भेजे गए जेल

RANCHI : नगड़ी थाना की पुलिस शमशुल होदा की हत्या करने के आरोप में शशि गोप और बाबी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। नगड़ी थानेदार ने बताया कि इस कांड का मुख्य आरोपी आर्यन फरार है। उसकी तलाश में छापेमारी की जा रही है। इस मामले में पुलिस पहले तीन आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि शमशुल ने आर्यन से पांच हजार रुपये उधार के रूप में लिया था। आर्यन बार बार पैसा मांग रहा था लेकिन शमशुल पैसा नहीं दे रहा था। इसी बात से आर्यन गुस्से में आ गया और अपने साथियों के साथ मिलकर शमशुल की गोली मारकर हत्या कर दिया था।

बस स्टैंड में देर रात मारपीट, केस दर्ज

RANCHI : लोअर बाजार थाना में मदरसा गली में रहने वाले गुलशेद ने नौशाद खान और इमरान खान पर मारपीट करने और पांच हजार प्रतिदिन पांच हजार रुपये मांगने का आरोप लगाते हुए केस किया है। लोअर बाजार थानेदार ने बताया कि मारपीट की घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। गुलशेद ने पुलिस को बताया कि वह बस स्टैंड में रात के वक्त टोल ले रहा था। तभी दोनों आरोपी पहुंचे और गाली गलौज करने के बाद मारपीट करने लगे। गुलशेद का कहना है कि बस स्टैंड में भय का माहौल है। काम करने में परेशानी हो रही है। आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। वहीं ठेकेदार इरफान का कहना है कि नौशाद उसका पार्टनर नहीं है। नौशाद का भाई उसका पार्टनर है। नौशाद ने जो भी आरोप लगाया है वह गलत है।

सीआईडी ने छोटू कुजूर समेत दो अपराधियों को रांची से दूसरे जेल शिफ्ट करने को कहा

जेल आईजी को लिखा पत्र, कमल भूषण हत्याकांड के हैं आरोपी

CRIME REPORTER RANCHI : कमल भूषण हत्याकांड के आरोपी छोटू कुजुर समेत दो अपराधियों को सीआईडी ने रांची जेल से दूसरे जेल में शिफ्ट करने को कहा है। इसको लेकर सीआईडी ने जेल आईजी को पत्र लिखा है। गौरतलब है कि कमल भूषण के बेटे पवन कुमार आर्या ने सीआईडी को आवेदन देकर छोटू कुजूर और सुशीला कुजूर को रांची जेल से दूसरे जेल में शिफ्ट करने का अनुरोध किया था। उसने सीआईडी को कहा था कि दोनों जेल में रहकर उनकी हत्या की साजिश रच रहे हैं। कमल भूषण के बेटे का आवेदन मिलने के बाद सीआईडी की टीम ने आवेदक के मधुकम स्थित आवास में जाकर एवं आस-पास के लोगों से पूछताछ व छानबीन की। आवेदक के घर पर वर्तमान में निजी सुरक्षा गार्ड और सरकारी सुरक्षा गार्ड हैं। आवेदक को बाहर कही जाना होता है तो स्थानीय थाना सुखदेवनगर को सूचित कर जाते हैं। आवेदक ने जांचकर्ता को बताया कि स्थानीय थाना और वरीय पुलिस पदाधिकारीयों से इन्हें सुरक्षा के दृष्टिकोण से सहयोग प्राप्त हो रहा है। छोटू कुजूर और सुशीला कुजूर के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार (रांची जेल) में बंद रहने से कमल भूषण के बेटे काफी डरे सहमे हुए हैं। जिसके बाद सीआईडी ने जेल आईजी को पत्र लिखकर दोनों अपराधियों को दूसरे जेल में शिफ्ट करने को कहा है।

30 मई को कारोबारी की हुई थी हत्या

बता दें कि स्कूटी सवार अपराधियों ने 30 मई 2022 को कमल भूषण की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अपराधियों ने घटना को उस वक्त अंजाम दिया, जब कमल भूषण अपनी कार से किसी से मिलने जा रहे थे। तभी पिस्का मोड़ के गलेक्सिया मॉल के समीप अपराधियों ने उनपर अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गये थे। लेकिन अस्पताल ले जाने के क्रम में रास्ते में ही कारोबारी ने दम तोड़ दिया था।

मुख्यमंत्री से विश्व बाल दिवस पर यूनिसेफ के बाल पत्रकारों ने किया संवाद

परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, पढ़ाई से नाता नहीं तोड़ें : हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को विश्व बाल दिवस पर यूनिसेफ, झारखंड के बाल पत्रकारों ने मुलाकात कर संवाद किया। मुख्यमंत्री से उन्होंने अपने शैक्षणिक अनुभवों और गतिविधियों को साझा किया तथा कई सवाल भी किए। मुख्यमंत्री ने बच्चों को विश्व बाल दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि आपसे मिलकर काफी अच्छा लगता है और मुझे भी काफी कुछ जानने-समझने-सीखने का मौका मिलता है। उन्होंने बच्चे-बच्चियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, पढ़ाई से नाता नहीं तोड़ें। पढ़ाई से ही बेहतर भविष्य का रास्ता तय होता है।

बाल पत्रकारों से संवाद करते सीएम हेमंत सोरेन।

किशोरी समृद्धि योजना में एक परिवार से दो बच्चियों को लाभ देने की बाध्यता खत्म होगी : मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चियों के सशक्तिकरण और उनको पढ़ाई से जोड़े रखने के लिए सरकार ने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना शुरू की है। इस योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा बच्चियों को मिले, इसलिए इसमें एक ही परिवार से अधिकतम दो बच्चियों को लाभ देने की बाध्यता खत्म की जाएगी। इस योजना से एक ही परिवार में सभी बच्चियों को जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने बच्चे -बच्चियों से कहा कि हर किसी के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है। आप यदि पढ़े-लिखे होंगे तो उचित-अनुचित का अंतर समझ सकेंगे। आप पर कोई बेवजह का दबाव नहीं बनाएगा। आपकी सोच का दायरा बढ़ेगा और उचित निर्णय ले सकेंगे।

विभिन्न सरकारी विद्यालयों के 20 बाल पत्रकारों की रही भागीदारी : विश्व बाल दिवस पर मुख्यमंत्री से संवाद करने के लिए रांची जिले के विभिन्न प्रखंडों के छह सरकारी विद्यालयों के 20 बाल पत्रकार आए थे। इन बाल पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से संवाद करने के साथ सवाल भी किए। उन्होंने मुख्यमंत्री को बाल पत्रकारों द्वारा संचालित गतिविधियों से भी अवगत कराया। मौके पर बच्चों ने अपने द्वारा बनाई गई ग्रीटिंग कार्ड भी मुख्यमंत्री को भेंट की।

इस मौके पर मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव, सचिवे, वरीय आप्त सचिव, समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

अभिभावक के साथ अपनी समस्याओं को साझा करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज शिक्षा और प्रतियोगिता परीक्षाओं को लेकर जिस तरह का माहौल बन रहा है , उसमें बच्चे तनाव में आ जा रहे हैं। इस तनाव के कारण कई बच्चे डिप्रेशन में भी चले जाते हैं। यह हमारे समाज के लिए अच्छा संकेत नहीं है। बच्चों को चाहिए कि वे अपने माता–पिता, अभिभावक और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ हर मुद्दे पर खुलकर बात करें। संवाद में विषयों को लेकर झिझक नहीं होनी चाहिए। अच्छे सहयोगी बनाएं और स्वस्थ वातावरण में रहें। इससे निश्चित तौर पर बच्चे मानसिक रूप से मजबूत होंगे तथा किसी भी परिस्थिति और किसी भी चुनौती से निपटने में सक्षम बनेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए पढ़ाई के साथ खेलकूद और अन्य क्रिएटिविटी भी काफी जरूरी है। इससे बच्चों में छिपी हुई प्रतिभा सामने आती है और उसको निखारने के मौके मिलते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि खेल के माध्यम से भी बच्चे अपना भविष्य बना रहे हैं। आप भी खेल से जुड़े और इसमें सरकार की ओर से आपको सभी सहयोग दिया जाएगा। मुख्यमंत्री को यूनिसेफ की ओर से बताया गया कि रांची और पश्चिम सिंहभूम जिले में लगभग 10 हजार

छठ के बाद रांची स्टेशन पर उमड़ रही भारी भीड़

दिल्ली जाने के लिए नहीं मिल रही टिकट

PHOTON NEWS RANCHI : छठ महापर्व के समापन के बाद सोमवार को रांची और हटिया स्टेशनों के साथ ही एयरपोर्ट पर यात्रियों की भीड़ रही। रांची से नयी दिल्ली जानेवाले गरीब रथ एक्सप्रेस की थर्ड एसी में ढाई सौ से अधिक प्रतीक्षा सूची के बाद टिकट मिलना बंद हो गया था। वहीं मंगलवार को भी खुलनेवाले गरीब रथ में प्रतीक्षा सूची काफी लंबी है, जिससे यात्री परेशान हैं। उधर रांची से दिल्ली जानेवाली अन्य ट्रेनों में भी यात्रियों की भीड़ रही। कई यात्रियों ने प्रतीक्षा सूची क्लियर नहीं होने के कारण सोमवार को यात्रा रद्द कर दी।

पूरी क्षमता से चल रहीं ट्रेनें, नहीं लगेंगे अतिरिक्त कोच : रेलवे के अधिकारी ने कहा कि गरीब रथ और राजधानी सहित कई अन्य ट्रेनें पूरी क्षमता के साथ चल रही हैं, इस कारण से उसमें अतिरिक्त कोच नहीं लगाया जा सकता है। ऐसे में यात्रियों को अपने गंतव्य तक जाने के लिए कुछ दिनों का इंतजार करना पड़ेगा, जब तक की स्थिति सामान्य नहीं हो जाती है।उधर मंगलवार को रांची आनेवाली विभिन्न ट्रेनों में भी यात्रियों की भीड़ लौटेगी।छठ महापर्व मनाने के बाद लोग अपने -अपने घरों से वापस लौटने लगे हैं। उधर रेलवे की ओर से रांची-नयी दिल्ली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में दो अतिरिक्त कोच लगाये जा रहे हैं।

BRIEF NEWS

बणई के फसलाघाट से वन विभाग ने जब्त की लकड़ियां

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिला के बणई थाना क्षेत्र के फलसाघाट गांव में वन विभाग द्वारा भारी मात्रा में कीमती अवैध लकड़ी जब्त की गयी है। उक्त गांव के चन्द्रशेखर साहू के घर पर बीती रात वन विभाग के निरीक्षण के लिए जाने पर पथराव किया गया। पथराव में एक वनकर्मी घायल हो गया। वन विभाग ने बाद में लकड़ी जब्त कर ली है।

चार घंटे बंद रहा बाबा बाणेश्वर मंदिर का पट

ROURKELA : बाबा बाणेश्वर का मंदिर का पट मंगलवार को 4 घंटे के लिए बंद रहा। इससे भक्तों में असंतोष देखा गया। यह दुर्लभ घटना आज सुंदरगढ़ जिले के बणई स्थित बाबा बाणेश्वर मंदिर में देखने को मिली। कार्तिक मास का नौवां महीना होने के कारण सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। मंदिर न खुलने से श्रद्धालुओं में नाराजगी रही। खबर सुनते ही उपजिलापाल सुरंजन साहू खुद आये और मंदिर का गेट खोल दिया। बणई उपजिलापाल ने कहा कि भविष्य में ऐसी समस्या न हो इसका ध्यान रखा जाएगा

पुलिस हिरासत में चोरी के आरोपी ने किया आत्महत्या का प्रयास

JAMSHEDPUR : सोनारी थाना परिसर में चोरी के आरोपी ने आत्महत्या का प्रयास किया। आरोपी की हालत बिगड़ने पर आननझफानन में उसे पुलिस ने इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया जहां उसका इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी मूक-बधिर है। उसका नाम निकित बताया जा रहा है। वह जुगसलाई का रहने वाला है। सोमवार को लोगों ने चोरी के आरोप में उसे पकड़कर पुलिस के हवाले किया था। पुलिस उससे थाने में पूछताछ कर रही थी। इसी बीच उसने बैटरी में डालने वाला पानी पी लिया जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई।

विश्व मत्स्य दिवस पर मछुआरों को किया गया सम्मानित

JAMSHEDPUR : रेलवे इंजीनियरिंग कॉलोनी के पास मंगलवार को झारखंड राज्य नोनिया समाज और आदित्यपुर स्थित रोशन स्टूडियो की ओर से विश्व मत्स्य दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सरयू को शामिल होना था, लेकिन वे किसी कारणवश शामिल नहीं हो सके। मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिला परिषद सदस्य किशोर यादव, नोनिया समाज के संरक्षक सुरेश महतो समेत अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में आसपास के काफी संख्या में मछुआरे शामिल हुए जिन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही अतिथियों का स्वागत मछली भेंट कर किया गया। इसके बाद सभी ने मिलकर केक काटा।

नरसंडा ग्राम सभा ने लापरवाह पशु पालकों के विरुद्ध निर्धारित किया आर्थिक दंड की राशि

दूसरों के खेत में मछली पकड़ने व चूहों का शिकार करने वाले भी होंगे दंडित

- चार पैर के पशु 500 रुपए, बत्तख 100 रुपए व दूसरों का मेढ़ काट खेत में मछली पकड़ने वाले को 500 रुपए आर्थिक दंड का निर्णय

बैठक में शामिल लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : नरसंडा पंचायत भवन में नरसंडा ग्राम सभा की बैठक मंगलवार को ग्रामीण मुंडा ध्रुवा सुंडी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें पालतू जानवरों एवं अन्य पशू-पक्षियों से खेतों की फसल को होने वाला नुकसान को लेकर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान यह बात सामने आया कि मवेशियों द्वारा फसल बर्बाद किए जाने को लेकर कई बार मवेशी मालिक व फसल मालिक के बीच विवाद व मारपीट की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके साथ ही दूसरों के खेत पर मछली पकड़ने के दौरान धान की बबार्दी होने तथा खेत का पानी को काटकर जाल लगाने तथा मूसा-चूहा को शिकार करने के लिए खेत की मेढ़ को काटकर तोड़ने वालों के विरुद्ध भी ग्राम सभा ने कड़ा निर्णय लिया है। फसल की बबार्दी को रोकने के लिए ग्राम सभा ने सर्व सम्मति से जुमार्ना की राशि तय किया है। ग्राम सभा ने फसल की क्षति भरपाई दंड फसल मलिक को तथा जुमार्ना की राशि ग्राम सभा के फंड में जमा करने का निर्णय लिया है।

ग्राम सभा की बैठक में ग्राम सभा अध्यक्ष मुंडा ध्रुवा सुंडी, उपाध्यक्ष अनिल लकड़ा, उपाध्यक्ष थोमस सुंडी, सचिव सेलाय सुंडी, सलाहकार सतीष सुंडी, राहुल सुंडी, लल्लू राम रवि, गारदी सुंडी, मानसिंह सुंडी, विष्णु सुंडी, पूर्व मुखिया भूषण सुंडी, गारदी सुंडी, बीरसिंह सुंडी, अमृत सुंडी, सोमा सुंडी, सिंगराय (दुखिया), शंकरा सुंडी, सावन सुंडी समेत अन्य मौजूद रहे।

दूसरों के खेत में मछली पकड़ने वाले तथा मेढ़ काटने वालों के लिए दंड

दूसरों के खेत में घुसकर मछली पकड़ने के दौरान फसल को नुकसान पहुंचाने पर, खेतों का मेढ़ काट कर चूहों का शिकार करने तथा दूसरों के खेत का पानी काटकर जाल लगाने वालों के विरुद्ध भी आर्थिक दंड 500 रुपए निर्धारित किया गया है।

गाय-भैंस व बत्तख के लिए दंड

गाय-बैल एवं भैंस के द्वारा फसल बर्बाद करने पर प्रति पशु 300 रुपए ग्राम सभा को दंड स्वरूप देने होंगे तथा पंच स्थल निरीक्षण के बाद फसल की क्षति का भी आकलन करेगी, उस पर विचार-विमर्श के बाद पशु मालिक द्वारा क्षति भरपाई दंड फसल मालिक को देना होगा। इसी तरह प्रति भेड़-बकरी के लिए 200 रुपए व नुकसान का अलग से, बत्तख के लिए प्रति-100 रुपए आर्थिक दंड निर्धारित किया गया है।

सुअरों के लिए आर्थिक दंड

इसके साथ ही लापरवाह सुअर पालकों के लिए भी आर्थिक दंड तय किया गया है। ग्राम सभा ने प्रति सुअर 500 रुपए दंड के साथ साथ बर्बाद हुए फसल का आकलन के बाद अलग से भी क्षति भरपाई का जुर्माना पशु मालिकों को देने होंगे। बावजूद इसके यदि सुअर पालक सुअरों को छोड़ रखेंगे तो पूर्व से चले आ रहे प्रचीन पारम्परिक सुअर अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी। ग्राम सभा ने खलिहान, खरीफ और रवि फसल खत्म होने तक सुअरों को नहीं छोड़ने का हिदायत सुकर पालकों को दिया है।

टाटानगर गौशाला के 104वां गोपाष्टमी समारोह दूसरे दिन भजनों पर लगे गौ माता के जयकारे

समस्याओं से अवगत हुए गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जुगसलाई स्थित श्री टाटानगर गौशाला कमिटी द्धारा आयोजित तीन दिवसीय 104वां गोपाष्टमी समारोह के दूसरे दिन मंगलवार की सुबह घाघीडीह जेल के पीछे कलियाडीह स्थित गौसदन में सुबह 10 बजरंगबली का पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद गौपूजन हुआ। साथ ही भजन समारोह का आयोजन हुआ। स्थानीय भजन गायक रोहित गुलाटी ने गणेश वंदना से भजनों की अमृत वर्षा की। उन्होंने राम जप ले सिया राम जपले..., झांझ नगाड़ा बाजे रे सालासर के मंदिर में हनुमान विराजे रे..., उठे तो बोले राम बैठे तो बोले राम देखो राम भक्त हनुमान बोले राम राम..., दुनिया चले ना श्री राम के बिना, रामजी चले ना हनुमान के बिना..., कलयुग में एक बार कन्हैया ग्वाल बन कर आओ रे..., इस पापी युग में गौ माता का कोई-कोई रखवाला... आदि भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान गौमाता के जयकारों से कलियाडीह गौसदन गूंजता रहा। इस कार्यक्रम का सफल संचालन सह सचिव एवं राजेश हरनाथका ने किया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में झारखंड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद एवं उपाध्यक्ष राजू गिरी भी समारोह में शामिल होकर गौ सेवा की। गौशाला कमिटी के अध्यक्ष कैलाश सरायवाला और महासचिव महेश गोयल ने फूलों का गुलदस्ता देकर एवं शॉल ओढ़ाकर अतिथियों को सम्मानित किया।

भजन प्रस्तुत करते कलाकार। ● फोटोन न्यूज

सुरंग में फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए राउरकेला से भेजा गया पाइप

PHOTON NEWS ROURKELA : उत्तराखंड में निमार्णाधीन सुरंग ढहने से वहां फंसे 41 मजदूरों को बचाने में राउरकेला भी शामिल हो गया है। राउरकेला स्टील प्लांट में निर्मित विशेष लोहे के पाइपों को भारतीय वायु सेना के दो विमानों में भेजा गया है। इस लोहे के पाइप का इस्तेमाल बचाव कार्यों में किया जाएगा। मंगलवार को दो वायु सेना विमान से राउरकेला इस्पात प्लांट के 24 स्पाइरल वेल्डेड पाइप उत्तराखंड भेजा गया। इसके लिए राउरकेला एयरपोर्ट पर सुरक्षा कड़ी थी।

गौरतलब है कि 9 दिनों से सुरंग में फंसे मजदूरों को अब तक निकाला नहीं जा सका है। उन्हें ट्यूब के जरिए ऑक्सीजन और खाना दिया जा रहा है। बचाव कार्यों के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित विदेशी विशेषज्ञों को तैनात किया गया है। राउरकेला के लोगों ने उम्मीद जताई है कि बचाव कार्य के लिए राउरकेला से एक विशेष पाइप जाने के बाद फंसे हुए मजदूरों को जल्द ही बचाया जाएगा। गौरतलब है कि सुरंग के अंदर फंसे 41 लोगों में से 5 मजदूर ओडिशा के हैं।

विमानों से भेजे जा रहे पाइप। ● फोटोन न्यूज

बीजेडी का बिरमित्रपुर विधासभा जोन का प्रशिक्षण शिविर आयोजित

PHOTON NEWS ROURKELA : बीजू जनता दल विरमित्रपुर विधानसभा क्षेत्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय जोन स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन मंगलवार को विरमित्रपुर टाउन हॉल में हुआ। ग्रामीण विकास मंत्री और सुंदरगढ़ जिला पर्यवेक्षक पृथ्वीरंजन घड़ेई, नुआगांव ब्लॉक के दोनों जिला परिषद क्षेत्रों और कुमारमुंडा ब्लॉक के जिला परिषद क्षेत्रों से 1,400 सक्रिय कार्यकर्ता शामिल हुए।

कार्यक्रम में श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक, बीरमित्रपुर विधानसभा क्षेत्र के पर्यवेक्षक मनोज सेनापति, राज्यसभा सांसद डॉ. ससमीत पात्रा, प्रदेश बीजू छात्र जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष अविनाश ठाकुर, बीजू छात्र जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष अरूप श्रीचंदन, बीजू छात्र जनता दल के प्रदेश संयुक्त सचिव हिमांशु पांडा, राउरकेला सांगठनिक जिला अध्यक्ष हालु मुंडारी, बीरमित्रपुर नगर परिषद के अध्यक्ष संदीप मिश्रा, उपाध्यक्ष निवेदिता बागे, विशेष सुंदरगढ़ विकास परिषद के उपाध्यक्ष सुशीला टोपनो , जिला परिषद नुआंगा ज्योती टेटे, नुआगांव बीजद ब्लॉक अध्यक्ष दिगंबर दास, कुमारमुंडा बीजद ब्लॉक अध्यक्ष राजेश हासदा, संबलपुर जोन बीजू महिला जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष संध्या लकड़ा समेत अन्य लोग शामिल हुए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल मंत्री व अन्य। ● फोटोन न्यूज

सरकारी कॉलेज छात्रावास के छात्रों ने पानी के लिए कॉलेज के सामने दिया धरना

PHOTON NEWS SUNDARGARH : एक ओर सरकार 24 घंटे जलापूर्ति की योजना बना रही है, वहीं दूसरी ओर कॉलेज के विद्यार्थी ही पानी के लिए तरस रहे हैं। ऐसी ही एक तस्वीर सुंदरगढ़ से आई है। पानी के लिए छात्रों ने कॉलेज बंद कर कॉलेज के सामने धरना प्रदर्शन किया है। पानी नहीं मिलने के कारण हॉस्टल के सभी छात्रों ने कॉलेज के सामने घड़ा-बाल्टी लेकर प्रदर्शन किया। सुंदरगढ़ सरकारी कॉलेज के चार छात्रावासों को दो माह से अधिक समय से पानी ठीक से नहीं आ रहा है। वहीं, पिछले चार दिनों से पानी नहीं आया है। छात्रावास में रहने वालों छात्रों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों की मांगों का समर्थन करते हुए सुंदरगढ़ की विधायिका कुसुम टेटे ने धरना में आकर बैठ गईं।

कॉलेज प्रशासन और पुलिस ने छात्रों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। आखिरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी आये और नियमित रूप से पानी देने का वादा किया। हालांकि, छात्र इस बात पर अड़े रहे कि जब तक काम शुरू नहीं होगा, वे आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे। अंत में पीएचडी की ओर से काम शुरू हुआ तो छात्र आंदोलन खत्म किया।

धरने पर बैठीं सरकारी कॉलेज की छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

पूर्वी सिंहभूम वॉलीबॉल टीम आज जाएगी गढ़वा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड वॉलीबॉल संघ के तत्वावधान में गढ़वा जिला वॉलीबॉल संघ द्वारा 22 नवंबर से 26 नवंबर तक 16वीं यूथ झारखंड राज्य अंतर जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता, 2023-24 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें खेलने के लिए पूर्वी सिंहभूम की पुरुष और वॉलीबॉल टीम 22 नवंबर को जम्मू तवी ट्रेन से गढ़वा के लिए रवाना होगी। टीम का चयन करने के लिए 15 और 16 नवंबर को जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स वॉलीबॉल ग्राउंड कैंप का आयोजन किया गया था। चयनित खिलाड़ियों में पुरुष टीम में प्रसून मुखर्जी,अनिमेष शर्मा (कप्तान), सत्यम बाघ, आशीष झा, आशीष मुड़ियार, श्रीराम, तुषार उरम, प्रिन्स प्रसाद, आनंद कुमार,राज यादव, करण मालाकार, पीयूष कुमार शर्मा हैं।

चिक्की तैयार करने से हो रही है आय, प्रति सदस्य 5 हजार रुपए की कमाई

PHOTON NEWS SUNDARGARH : मां लक्ष्मी उत्पाद संघ सुंदरगढ़ शहर में रंगढ़ीपा में है। संस्था द्वारा बादामपट्टी तैयार किया जा रहा है। चिक्की का मतलब है गुड़ में बंधा हुआ बादाम। गुड़ को गर्म कड़ाही बादाम और बाजरा डालकर मिला लिया जाता है। ठंडा होने के बाद इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर जार में पैक करके बिक्री के लिए भेज दिया जाता है। यह बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय है क्योंकि यह स्वास्थ्य के लिए मीठा और पौष्टिक होता है।

हालाँकि, माँ लक्ष्मी उत्पाद संघ ने आगे बढ़कर स्पिरुलिना मिश्रित चिक्की तैयार कर रही है। यह एक प्रकार के शैवाल को सुखाकर पाउडर में बदलकर बनाया जाता है। बाजार में इस पाउडर की कीमत 800 से 900 रुपये प्रति किलो है। स्पिरुलिना चीन जैसे देशों में लंबे समय से जाना जाता है। भारत के कर्नाटक राज्य में भी इसका उत्पादन बहुतायत में होता है। हालाँकि, ओडिशा में इसकी लोकप्रियता धीरे-धीरे बढ़ रही है। स्पिरुलिना को सुपर फूड कहा जाता है क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन होता है जो शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास में मदद करता है।

वाराणसी मे आयोजित 15वें जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम में शामिल होंगे 30 जनजातीय युवा

आदिवासी युवा कार्यक्रम युवाओं के लिए अनूठा अवसर : कमांडेंट

PHOTON NEWS CHAIBASA : नेहरू युवा केंद्र एवं सीआरपीएफ 197 बटालियन के संयुक्त तत्वावधान मे 15वी जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम दूर-दराज के गांवों में रहने वाले जनजातीय युवाओं के लिए बनाया गया एक अनूठा कार्यक्रम है, जिन्हें अपने जीवन में पहली बार दूसरे राज्य का दौरा करने, उच्च परंपरा और संस्कृति को देखने और ऐतिहासिक और प्रमुख स्थानों की यात्रा करने, दोस्ती करने का अवसर मिलेगा। विभिन्न राज्यों के अन्य आदिवासी युवा इसमें दूसरे राज्यों में रहने वाले आदिवासियों को उनकी भाषा और संस्कृति सीखने का भी मौका मिलता है। यह बातें सीआरपीएफ 197 बटालियन के कमांडेंट पीके जोहरी ने सीआरपीएफ परिसर में आयोजित 15वें जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम के ब्रीफिंग सत्र (प्री-ट्रेनिंग मूल्यांकन) को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिमी सिंहभूम जिले के दूरदराज के गांवों से 16 पुरुष और 14 महिला आदिवासी युवाओं की पहचान सीआरपीएफ द्वारा की गई थी। जिन्हें मंत्रालय के समन्वय में युवा मामले और खेल मंत्रालय के नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा आयोजित 15वें जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया। जो 22 से 28 नवंबर तक उत्तर प्रदेश के वाराणसी मे आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम मे केंद्र के जिला युवा अधिकारी क्षितिज ने कार्यक्रम की विस्तारपूर्वक जानकारी दी और युवाओं को कार्यक्रम मे होने वाली विभिन्न प्रतिस्पधाओं मे भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

डिप्टी कमांडेंट बिश्वास ने भाग ले रहे बच्चों का मनोबल बढ़ाया और बदलते मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य के ऊपर धयान रखने को बोला। इस अवसर पर क्षितिज ने कहा कि एनवाईकेएस ने इस वित्तीय वर्ष में 12 विभिन्न राज्यों में आयोजित होने वाले 15वें जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए जिले से 260 आदिवासी युवाओं को भेजने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने आगे कहा कि भाग लेने वाले आदिवासी युवाओं को टी शर्ट, थर्मल इनर, टोपी, ट्रैकसूट, 2 जोड़ी मोजे के साथ जूते दिए जाएंगे, इसके अलावा बस/ट्रेन द्वारा आने-जाने के लिए परिवहन की व्यवस्था और यात्रा डीए प्रदान किया जाएगा। आयोजक राज्य एनवाईकेएस शिविर अवधि के दौरान मुफ्त बोर्डिंग और आवास प्रदान करने के अलावा रेलवे स्टेशन/बस स्टेशनों पर प्रतिभागियों को प्राप्त करने और भेजने की व्यवस्था करेगा। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। सप्ताह के दिनों के कार्यक्रम के दौरान जागरूकता व्याख्यान सत्र, समूह चर्चा, योग और शारीरिक व्यायाम, खेल-कूद, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, क्षेत्र का दौरा, इंटरैक्टिव सत्र, सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जायेंगी।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले युवक-युवतियां व अन्य। ● फोटोन न्यूज

लेफ्रीपाड़ा में हुई जनसुनवाई, 12 शिकायतों का हुआ त्वरित निबटारा

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS SUNDARGARH : जिला प्रशासन की ओर से मंगलवार को लेफ्रीपाड़ा ब्लॉक परिसर में संयुक्त जन शिकायत सुनवाई की गयी। जिलापाल डॉ. पराग गभली उपस्थित होकर जनता की शिकायतें सुनीं। कुल 59 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें 37 व्यक्तिगत शिकायतें थीं, जबकि 22 विभिन्न सामूहिक शिकायतें थीं। इनमें से 12 शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया गया।

इनमें से 2 आवेदन मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता के लिये शामिल थे। प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से स्वास्थ्य मुद्दे, भत्ते, राशन कार्ड मुद्दे, सड़क मरम्मत, बिजली आपूर्ति मुद्दे आदि शामिल थे।

आज की जन शिकायत सुनवाई में अतिरिक्त जिलापाल अभिमन्यु माझी, मुख्य विकास अधिकारी एवं कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद मनोज महाजन एवं समस्त अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम की कार से कुचलकर मां-बेटी की मौत, एनएच पर लोगों ने किया बवाल

मधुबनी : भीषण सड़क हादसे में मां-बेटी लोगों की मौत हो गई। घटना फुलपरास थाना क्षेत्र में एनएच 57 पर हुई। मंगलवार सुबह तेज रफ्तार इनोवा गाड़ी ने चार लोगों को कुचल दिया। इनमें से दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने इनोवा गाड़ी को कब्जे में ले लिया और हंगामा करने लगे। लोगों का कहना है कि यह गाड़ी मधेपुरा की डीएम की है। मरने वालों में मां-बेटी (गुड़िया देवी और उसकी बेटी आरती कुमारी) शामिल हैं। एनएच पर काम कर रहे दो कर्मी घायल हैं। शामिल है। लोगों का आरोप है कि हादसे के बाद उनका सुरक्षाकर्मी डीएम को सुरक्षित लेकर भाग गया। उन्हें रुककर देखना चाहिए था, लेकिन वह भाग गए। मधुबनी पुलिस की ओर से कहा गया है कि फुलपरास थाना क्षेत्र में एनएच 57 पर एनएचएआई के कर्मी को बचाने के क्रम में मधेपुरा डीएम की गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। वहीं दो लोग जख्मी होग गए। जख्मी का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

इधर, लोगों का आरोप है कि मधेपुरा के डीएम की गाड़ी अनियंत्रित हो गई और चार लोग उसकी चपेट में आ गए। इनोवा गाड़ी पहले एनएच 57 पर डिवाइडर से टकराई और फिर रेलिंग से। रेलिंग से टकराने के क्रम में ही मां-बेटी की मौत हो गई। दो लोगों को गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए डीएमसीएच भेजा गया है। महिला और बच्चे की पहचान फुलपरास थाना क्षेत्र निवासी के रूप में हुई है। मृत महिला का पति पान की दुकान चलाता है। स्थानीय ब्रह्मानंद यादव ने कहा कि आज सुबह फुलवारी टोला के पास मधेपुरा डीएम की गाड़ी की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक महिला, एक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने NH 57 को जाम कर दिया तो सूचना पाकर मधुबनी के रढ सुशील कुमार घटना स्थल पर पहुंचे। एसपी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

डीपीआरओ बोले- डीएम मधेपुरा में ही हैं

मधेपुरा के डीपीआरओ कुंदन कुमार सिंह ने कहा कि जिलाधिकारी मुख्यालय में ही हैं। उनकी गाड़ी सर्विसिंग के लिए पटना जा रही थी। अचानक हादसे की खबर मिली। मामले की जांच करवाई जा रही है। गाड़ी चालक फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। इसके बाद पता चल पाएगा कि घटना कैसे और कहां हुई। पूरा प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ है।

लालू की पार्टी ऑफिस के सामने तेजस्वी को दिखाया आइना

पुरानी खबर दिखाकर पूछा- आपका वादा कहां गया?

पटना : इंटर प्लस 2 के अतिथि शिक्षकों ने त्राजद कार्यालय के पास सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाये। उन्होंने कहा कि जब तेजस्वी यादव की सरकार नहीं थी उस समय इन्होंने वादा किया था कि जब हमारी सरकार बन जाएगी तब अतिथि शिक्षकों को हम नियमित कर देंगे लेकिन सरकार बनते ही इनके बोल बदल गये। अब ये हमारी नौकरी खत्म कर रहे हैं। यह कैसा न्याय है।

सरकारी अस्पतालों से बगैर इलाज 1500 से 2000 मरीज लौटे, डॉक्टर की पिटाई के खिलाफ ओपीडी बंद होने से संकट

पटना : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से सभी स्वास्थ्य संस्थानों ने कार्य का बहिष्कार किया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की बिहार शाखा ने कहा है कि पुलिस की उपस्थिति में डॉ. राजेश पासवान के ऊपर जानलेवा हमला हुआ है। पटना में उनका इलाज चल रहा है। इस तरह की घटनाएं बार-बार हो रही हैं। ऐसे में इसके विरोध में मंगलवार सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में इमरजेंसी कार्य छोड़कर शेष सभी कार्य ठप रहेंगे। इधर, सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी बाधित होने से करीब 1500 से 2000 मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मरीज बिना इलाज के ही घर लौट गए। इतना ही नहीं पूर्णिया, कटिहार समेत

कई जिलों में प्राइवेट अस्पताल बंद रहने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आईएमए मुजफ्फरपुर के सचिव डॉ. सुधीर कुमार ने बताया कि पूर्णिया में कार्यरत सर्जन डॉ. राजेश पासवान के क्लिनिक में मरीज के मौत के बाद परिजन डॉक्टर पर जानलेवा हमला कर दिया। पटना में पीड़ित डॉक्टर का इलाज चल रहा है। आईएमए ने चिकित्सा संस्थानों और चिकित्सक के ऊपर हो रहे घटना में दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। हड़ताल को लेकर ओपीडी में आएं मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा। इधर, हड़ताल को देखते हुए एसकेएमसीएच के प्राचार्य सह प्रभारी अधीक्षक प्रो. डॉ. आभा रानी सिन्हा ने कहा है कि एसकेएमसीएच में हड़ताल जैसी कोई सूचना प्राप्त नहीं है। हड़ताल के मद्देनजर वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। वहीं प्रभारी सिविल सर्जन ने कहा है कि संगठन की ओर से कोई सूचना प्राप्त नहीं है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कहा है कि हमारी सरकार से मांग है कि सभी दोषियों पर बिहार चिकित्सीय संस्थान एवं व्यक्ति सुरक्षा नियमावली 2018 के अंतर्गत तुरंत सख्त कानूनी कार्रवाई हो। इसके साथ ही बिहार चिकित्सीय संस्थान एवं व्यक्ति सुरक्षा कानून 2011 में एपिडेमिक डिजिज कानून 2020 के प्रावधानों को भी अविलंब अंतर्निहित किया जाए। ताकि चिकित्सा संस्थानों और चिकित्सकों के विरुद्ध हो रही हिंसा की घटना पर प्रभावी रोक लग सके।

ट्रेनों में कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा, विमानों का किराया भी अप्रत्याशित बढ़ा, यात्रियों की परेशानी बढ़ी

दरभंगा : लोकआस्था का महापर्व अब समाप्त हो गया है। लोगों को परदेस लौटने की चिंता सता रही है। क्योंकि ट्रेनों में टिकट नहीं मिल रहा है। विमान कम्पनियों ने भी अचानक अपने किराए में जबदस्त वृद्धि कर दी है। इससे छठ पर मनाने के बाद अब परदेस में नौकरी करने वाले लोग कन्फर्म टिकट के भाग दौड़ करने में लगे हैं लेकिन निराशा ही हाथ लगीं। छठ पर्व मनाने के बाद अपने अपने काम पर जल्दी पहुंचने के लिए अधिकतर लोग हवाई मार्ग को प्राथमिकता देते हैं। छठ पर्व के बाद दरभंगा से महानगरों को जाने वाली फ्लाइट के टिकट में अत्यधिक वृद्धि से मूल्यवृद्धि ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। दरभंगा एयरपोर्ट से यात्री सेवा प्रदान करने वाली एक विमानन कंपनी की वेबसाइट के अनुसार 21 नवंबर को दरभंगा से दिल्ली का किराया बढ़कर 15902 रुपये हो गया है। हालांकि, पटना से दिल्ली के टिकट

का मूल्य 12497 रुपए है। दरभंगा से 22 नवंबर को 13276 रुपये है। दरभंगा से मुम्बई जाने वाली फ्लाइट का टिकट 21 नवंबर को जहां 25666 रुपए है। 22 नवंबर को 20626 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। 21 नवंबर को पटना से मुम्बई का टिकट 22328 रुपए है। दरभंगा से बेंगलुरु की बात करें तो 21 नवंबर को 13434 जबकि 22 नवंबर को 14590 रुपए रखा गया है। वहीं दरभंगा से अहमदाबाद जाने के लिए 21 नवंबर को 23482 और 22 नवंबर को 21750 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। दरभंगा से हैदराबाद के लिए 21 नवंबर को 21466 और 22 नवंबर को टिकट का मूल्य 18002 रुपए रखा गया है। टिकट की इस प्रकार की मूल्यवृद्धि के कारण सामान्य लोगों को यात्रा करने में काफी परेशानी हो रही है। लहेरियासराय के शिवशंकर चौधरी ने कहा कि मेरे भाई को 21 नवंबर को दिल्ली जाना है, लेकिन फ्लाइट टिकट की कीमत में वृद्धि के कारण उसने निजी बस से जाने का निर्णय लिया है। वहीं, लक्ष्मीसागर के प्रवीण सिंह ने कहा कि पर्व के बाद उन्हें कंपनी में ज्वाइन करने के लिए 21 नवंबर को बेंगलुरु जाना है, लेकिन टिकट की कीमत में वृद्धि देखकर उन्होंने छुट्टी बढ़ाने की अर्जी दी है। उन्होंने कहा कि फ्लाइट टिकट के अधिकतम मूल्य पर नियंत्रण किया जाना अति आवश्यक है।

आलू बुआई के लिए चल रहा उपयुक्त समय, भरपूर मात्रा में उपलब्ध हैं बीज

मुजफ्फरपुर। आलू रोपाई का अभी उपयुक्त समय चल रहा। दूसरी ओर पिछले साल आलू की कीमत में कमी को देखते हुए इस बार आलू की खेती कम होने की उम्मीद है। आलू बीज की कमी अभी बाजार में नहीं है। किसान व व्यापारी बीज के लिए आलू कोल्ड स्टोरेज में रखते है। वहां से अब आलू निकालकर बेच रहे हैं। किसान भूषण से सम्मानित सकरी चांदपुरा के किसान सतीश कुमार द्विवेदी ने कहा कि वह हर साल आलू की खेती करते हैं। इस बार रकबा कम रहेगा। बताया कि अभी आलू का बीज बजार में 8 से 10 रुपये किलो बिक रहा है। जब आलू की फसल निकल रही थी। उस समय आलू की कीमत चार रुपये किलो थी। किसान उसको कोल्ड स्टोरेज में रखे। अब जब बोआई के समय वहां से निकाल रहे तो खर्च करीब पांच रुपये तक जा रहा है। सवालिया लहजे में कहा कि अब आलू की खेती करने में उतना फायदा नहीं है। बीज वाला आलू छह रुपये किलो बेचना पड़ रहा है। अगर किसान कोल्ड स्टोरेज से लाकर उसको प्रोसेसिंग करके यानी सुखाकर तैयार करने के बाद बेच रहा है तो उसकी कीमत 8 से 10 के बीच है। इसलिए उनके संपर्क के अधिकांश किसान इस बार बडे. पैमाने पर खेती नहीं करेंगे। मड़वन के किसान उमाशंकर ने कहा कि आलू बीज की कमी नहीं है। बीज आसानी से मिल रहा है।

प्रेमिका से पत्नी बनी, फिर पता चला मैं तो दूसरा था, तीसरा भी कोई है'; चिट्ठी लिखी फिर पूरे परिवार को भूना

पटना : "प्रेमिका बनी। फिर पत्नी। फिर पता चला कि मुझसे पहले भी चक्कर है और नया भी कोई है। पहले तो उसके परिवार से गुस्सा था, फिर यह भी कष्ट। धर्मस्थल घूमकर भी दिमाग नहीं ठंडाया तो यह फैसला लिया।" ट्रिपल मर्डर केस में ऐसी कहानी सामने आयी है।

जब दोनों की नजरें मिलीं और फिर दिल तो जातियों का बंधन नहीं दिखा। बिहार में जातीय जनगणना के साथ जाति की बात स्वाभाविक है और यही इस ट्रिपल मर्डर के पीछे की एक बड़ी वजह भी। लड़की ब्राह्मण और लड़का पासी। लड़की के परिवार को यह रिश्ता नागवार गुजरा, लेकिन येन-केन-प्रकारेण दोनों ने शादी रचा ली। प्रेमिका से पत्नी बनी दुर्गा झा जबतक साथ थी, आशीष चौधरी उर्फ छोटू का गुस्सा नियंत्रित था। जब प्रेमिका ने दूसरे की ओर रुख किया तो उसके घर वालों ने भी उसी का साथ दिया। इसी बहाने आशीष से दुर्गा की दूरी पर दोतरफा लड़ाई शुरू हुई। लेकिन, इस दूरी के लिए दुर्गा झा और उसका पूरा परिवार निशाने पर आ गया। लखीसराय में इस पूर्व प्रेमिका (चुपके से शादी वाली) और उसके दो भाइयों की जान 9 एमएम पिस्टल से जान लेने वाला आशीष अबतक पुलिस गिरफ्त में नहीं आया है। इस हत्याकांड के लाइनर और हथियार उपलब्ध कराने वाले तक पुलिस पहुंच चुकी है, गिरफ्तारी भी दिखा रही है। लेकिन, सबसे ज्यादा चौंकाने वाला है मर्डर के पहले आशीष की लिखी लंबी चिट्ठी।

आमतौर पर लोग सुसाइड से पहले लेटर लिखते हैं, लेकिन यह मर्डर के पहले लिखी गई चिट्ठी है। अब तक इस केस में प्रेमिका समेत तीन की मौत हो चुकी है।

कुछ नहीं बचा है...सबकुछ लिखा

इस चिट्ठी में 14 मार्च 2021 से अपनी मानसिक परेशानी का जिक्र करते हुए आशीष ने लिखा कि अब मेरे जीवन में कुछ नहीं बचा है। जर, जोरू, जमीन... कुछ नहीं मेरे पास। मेरे जीवन से मेरी बहुमूल्य मां चली गई, जो जड़ थी। जोरू यानी मेरी बीवी ने मेरी जिंदगी नरक बना दी। और जोरू के लिए डिप्रेशन में मैंने जमीन बेच दी। इस चिट्ठी में आशीष ने लिखा है कि उसने दुर्गा झा से कैसे प्रेम किया, कैसे पटना में उससे शादी की, कैसे उसे ज्वेलरी शोरूम में नौकरी दिलवाई। उसने यह भी लिखा है कि कैसे उसे पता चला की शादी से पहले भी दुर्गा झा का किसी और से रिश्ता था। आशीष के अनुसार उससे शादी के बाद दुर्गा का किसी तीसरे से रिश्ता उसके सामने आया तो वह टूट गया। आशीष के अनुसार दुर्गा के जिस परिवार ने बाद में उसकी शादी को स्वीकार कर लिया था, उसी परिवार के लोगों ने दूसरे लड़के के पक्ष में आकर मुझे वापस अकेला छोड़ दिया। आशीष के अनुसार जब दुर्गा ने 14 मार्च 2021 को पूरे मोहल्ले के सामने उसे गालियां दीं और यह कहा कि वह उसके साथ टाइम पास कर रही थी तो वह टूट गया।

हत्यारा आशीष चौधरी अभी तक पुलिस के हाथ नहीं लगा है, लेकिन उसकी 15 पन्नों की चिट्ठी पुलिस ने मीडिया के सामने लाई है। यह एक कॉपी में लिखी गई चिट्ठी है, जिसमें 20 नवंबर 2023 की तारीख के साथ लिखा गया है कि जो कुछ भी हुआ है या होगा उसका जिम्मेदार सिर्फ मैं हूं और कोई नहीं। चिट्ठी के अंत में उसने लिखा है कि मन को स्थिर करने के लिए तीर्थ कर आया, लेकिन अब भी शांति नहीं मिली। अब तांडव होगा।

संक्षिप्त डायरी

बेगूसराय में युवक की निर्मम हत्या, घर से बुलाकर ले गए अपराधी, मारकर लाश को झाड़ी में फेंका

बेगूसराय : युवक की हत्या कर दी गई। अपराधियों ने युवक को घर से बुलाकर सुनसान जगह पर ले गए। इसके बाद उसकी हत्या कर दी और लाश को झाड़ी में फेंक दिया। हत्या के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घटना बछवारा थाना क्षेत्र के राजापुर स्थित बलान नदी की है। मृतक युवक की पहचान बछवारा थाना क्षेत्र के राजापुर गांव के रहने वाले बालेश्वर साहनी का पुत्र अजय कुमार साहनी (20) के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि अजय कुमार साहनी दिल्ली में रहकर मार्बल पत्थर का काम करता था। नहाए खाए के दिन छठ पूजा के अवसर पर अपने घर आया था। उन्होंने बताया कि अजय कुमार साहनी को किसी ने घर से बुला कर ले गया। उसके बाद अजय कुमार साहनी घर वापस काफी देर तक नहीं लौटा। घर वालों द्वारा काफी खोजबीन किया। लेकिन,अजय कुमार साहनी का कोई अता-पता नहीं चल सका। फिर बाद में पता चला कि बलान नदी स्थित एक झाड़ी में शव पड़ा हुआ है। आननफानन परिजन जब शव को देखने के लिए गए तो अजय कुमार साहनी के रूप में पहचान की गई। परिजनों ने अपराधियों ने घर से बुलाकर निर्मम तरीके से हत्या कर शव को बलान नदी स्थित झाड़ी में फेंक दिया। फिलहाल, इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने बछवारा थाना पुलिस को दी मौके पर बछवारा थाने के पुलिस पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

सीतामढ़ी में युवक को लूटपाट कर गोली मारी, पत्नी के साथ ससुराल से घर लौट रहा था

सीतामढ़ी : पत्नी के साथ ससुराल से घर लौट रहे युवक को लूटपाट के दौरान बदमाशों ने गोली मार दी। घटना जिले के डुमरा थाना क्षेत्र के आजमगढ़ फ्लाईओवर के पास की है। सोमवार देर रात बदमाशों ने ओवरटेक कर युवक को रोका और बाइक समेत अन्य सामान लूटने की कोशिश की। विरोध करने पर बदमाशों ने पहले चाकू मारी, फिर गोली मारकर युवक को जख्मी कर दिया। जख्मी युवक का इलाज सीतामढ़ी के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पर डुमरा थाने की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन की। जख्मी युवक ने चिकित्सक को बताया है कि वह अपने ससुराल बथनाहा थाना नरहा गांव से अपने पत्नी मधु कुमारी व बच्चे के साथ रात करीब 11 बजे वह अपने घर नौवाडीह जा रहा था। इसी दौरान जब डुमरा थाना के विश्वनाथपुर लालू चौक के पास पहुंचा तो एक बाइक पर सवार तीन युवक पीछे पड़ गए। वही, आजमगढ़ ओवरब्रिज के पास पहुंचा तो बदमाशों ने ओवरटेक कर बाइक रोक दी। बाइक लूटने की कोशिश का विरोध किया तो चाकू मार दिया।

युवक ने बताया कि हेलमेट खोलकर वह उलझा तो बदमाशों ने गोली मारकर कर जख्मी कर दिया। पत्नी के चिल्लाने कि आवाज सुन आसपास के लोगों ने निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। वही, इलाज कर रहे डॉ ने बताया कि गोली युवक के बाएं हाथ में लगकर सीने में लगी है। ऑपरेशन कर गोली निकाल दी गई है। उसे चाकू भी मारा गया है। फिलहाल वह खतरे से बाहर है। जख्मी युवक की पहचान जिले नानपुर थाना क्षेत्र के नौवाडीह गांव निवासी युगल किशोर राय के पुत्र नीरज कुमार (30) के रूप में की गई है।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत, पोती की शादी का कार्ड बांटकर लौट रहे थे

बेतिया : पोती की शादी का कार्ड बांट कर लौट रहे दादा कि सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। घटना जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के नरकटियागंज-भिखनाठोरी मुख्य मार्ग स्थित पंडयी चौक की है। मृतक की पहचान लौरिया थाना क्षेत्र के पराउटोला बसवरिया गांव निवासी श्यामसुंदर पांडेय (65) के रूप में की गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर मंगलवार दोपहर पोस्टमॉर्टम के लिए बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

सुरंग में फंसे मजदूर

उत्तरकाशी के सिलक्यारा गांव की सुरंग में फंसी 41 जिंदगियों के लिए बेचैनी बढ़ती जा रही है, तो यह स्वाभाविक ही है। पिछले नौ दिनों से ये मजदूर इस सुरंग में फंसे हुए हैं और इनको सुरक्षित बाहर निकालने के लिए किए जा रहे युद्ध-स्तरीय प्रयासों का अब तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पाया है। इससे भी हालात की गंभीरता स्पष्ट हो जाती है। हालांकि, एक अच्छी बात यह है कि उन सबसे संवाद हो पा रहा है और उन तक तक ऑक्सीजन, दवाएं व खाने की चीजें पहुंचाई जा रही हैं। मगर इस समय सबसे अधिक जरूरत उनके मनोबल को ऊंचा बनाए रखने की है और यह काम वहां पहुंचे उनके परिजन ज्यादा बेहतर कर सकते हैं। निस्संदेह, वे लोग भी कम अधीर नहीं हो रहे होंगे, लेकिन शासन-प्रशासन को उन्हें भरोसे में लेकर यह काम करना होगा। इन परिजनों को मौके पर सभी सुविधाएं मुहैया कराने के साथ-साथ मनोचिकित्सकों की सहायता भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से इस संदर्भ में जानकारी लेने से यकीनन परिजनों को संबल मिला होगा कि सरकार अपने तईं पूरी कोशिश कर रही है। यह हादसा कुछ सवाल भी खडे.करता है। इस तरह की सुरंगों की खुदाई में क्या ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की जाती? अगर होती है, तो इसमें बचाव के विकल्प भी सोचे ही गए होंगे? उत्तरकाशी की इस सुरंग योजना में क्या वे एहतियाती कदम उठाए गए थे? खासकर तब, जब पहले से तमाम पर्यावरणविद् व स्थानीय बुद्धिजीवी पहाड़ी इलाकों की कतिपय परियोजनाओं को लेकर आगाह करते रहे हैं। इस घटना से केंद्र और राज्य सरकारों को गंभीर सबक लेने की जरूरत है, क्योंकि किसी भी अनहोनी का अन्य परियोजनाओं में कार्यरत मजदूरों के मनोबल पर प्रतिकूल असर पडेगा। इसमें कोई दोराय नहीं कि पहाड़ों को भी विकास चाहिए। न सिर्फ वहां से हो रहे लगातार पलायन को रोकने के लिहाज से, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी यह खासा जरूरी है। मगर इसकी रूपरेखा उसके भूगोल के मिजाज के अनुरूप ही खींची जानी चाहिए। इसलिए उत्तरकाशी के इलाके में बढ़ती कुदरती आपदाओं का गहन अध्ययन बहुत आवश्यक है। सुरंग मार्गों का निर्माण तो हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है, मगर प्रौद्योगिकीय तरक्की ने दुनिया भर की सरकारों और नीति-नियंताओं को इसके लिए प्रेरित किया है और अब तो काफी लंबे-लंबे ऐसे रास्ते बनाए बनने लगे हैं। जाहिर है, इससे न सिर्फ आवागमन आसान हुआ है, बल्कि सुदूर इलाकों तक विकास की रोशनी पहुंचाने में भी मदद मिली है। हमारे महानगरों को ही देख लीजिए, भूमिगत ट्रेनें हजारों मुसाफिरों के दैनिक जीवन को सुविधा-संपन्न बना रही हैं, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में छोटे-बडे. कई सुरंगी मार्गों का उद्घाटन हुआ है। इससे वहां के लोगों के जीवन में काफी सहूलियतें भी आई हैं। ऐसे में, तमाम विकास परियोजनाओं को उत्तरकाशी जैसी घटना से निरापद बनाने की आवश्यकता है। यह घटना एक नागरिक, और एक मनुष्य के तौर पर भी हमसे संवेदनशील बनने की मांग करती है।

युद्ध और विज्ञान

इजरायल, गाजा और वेस्ट बैंक में लोग जब खतरे के साये में जी रहे हैं, तब वहां पढ़ाई-लिखाई से लेकर वैज्ञानिक शोध तक, सब कुछ बाधित हो गया है। संयुक्त राष्ट्र और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनिसेफ के अनुसार, 15 नवंबर तक गाजा पर इजरायल की बमबारी और उसके बाद के जमीनी लड़ाई में मरने वालों की संख्या 11,000 से अधिक हो गई है, जिसमें 4,500 से अधिक बच्चे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि 16 लाख से अधिक लोग बेघर हो गए हैं। सबसे दुखद और अमानवीय बात यह है कि गाजा के 36 में से 22 अस्पतालों में सेवाएं बंद हो गई हैं। बचे हुए अस्पताल, उनके डॉक्टर और अन्य चिकित्साकर्मी भी मौत के साये में जीने को मजबूर हैं। स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे के साथ ही तमाम तरह के शोधकर्ता और वैज्ञानिक काम छोड़कर बैठ गए हैं। वेस्ट बैंक ही नहीं, इजरायल में भी प्रयोगशालाएं खाली पड़ी हैं और अधिकांश शैक्षणिक कार्य थम गए हैं या धीमे हो गए हैं। कई वैज्ञानिकों को सेना में सेवा के लिए बुला लिया गया है। नेचर पत्रिका के अनुसार, गाजा के छह मुख्य विश्वविद्यालयों में से पांच की इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। बेन-गुरियन यूनिवर्सिटी में छात्रों, संकाय सदस्यों और उनके रिश्तेदारों सहित 84 लोगों की मौत हो चुकी है। पांच अन्य का अपहरण कर लिया गया और नौ घायल हुए हैं। उधर, यूक्रेन में युद्ध का असर है, तो वहां से इजरायल आए भौतिक विज्ञानी सर्गेई ग्रेडेस्कुल और उनकी पत्नी विक्टोरिया भी मारे गए लोगों में शामिल हैं। एक महान भौतिक विज्ञानी होने के अलावा सर्गेई एक संगीतकार, कहानीकार और फिजिक्स के इतिहासकार भी थे। इनके निधन से वैज्ञानिक जगत में दुख से ज्यादा चिंता है। एक वैज्ञानिक जब अपने शोध के बीच में ही मार दिया जाता है, तो इससे दुर्भाग्यपूर्ण कुछ हो नहीं सकता। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि दुनिया में ज्यादातर आधुनिक चीजों के आविष्कार में यहूदियों का हाथ रहा है और यहूदियों को उनकी वैज्ञानिक प्रतिभा के लिए पहचाना जाता है। ऐसे में, अस्पतालों, शिक्षा संस्थानों व प्रयोगशालाओं का युद्ध या हमले की चपेट में आना रुला देता है। बड़ी संख्या में होनहार वैज्ञानिकों का जीवन थम गया है या हमेशा के लिए प्रभावित हो गया है। बार-इलान विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एरी जबान का कहना है कि परिसर खाली हो चुका है, क्योंकि शैक्षणिक वर्ष की शुरूआत स्थगित कर दी गई है और कई पीएचडी छात्रों, शोधकताओं को सेना में शामिल कर लिया गया है।

तरक्की में 'टेलीविजन' की भूमिका

ANALYSIS

डॉ.रमेश ठाकुर

निश्चित रूप से ये आमजन के लिए अच्छा ही है जिसने सशक्त और द्रुतगति का जरिया बनकर सुगमता के अनगिनत रास्ते खोल डाले। अन्य साधन जैसे रेडियो ने जहां आवाज और अखबार ने पठनीय माध्यमों से सूचनाओं को पंख लगाए हैं। टेलीविजन ने संचार को दृश्यात्मकता तौर पर आंखें प्रदान की हैं। टेलीविजन की पकड़ सिर्फ मनोरंजन तक ही नहीं है, बल्कि, समाचार, विचार, शिक्षा और जागरुकता जैसे असंख्य क्षेत्रों में भी अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किए हैं। टीवी आमजनों की विभिन्न जिज्ञासाओं को भांप कर उन्हें वैसा ही स्वाद देने का प्रयास करता है। सरकारी योजनाएं हों या सार्वजनिक सूचनाएं सभी में टीवी का पर्दा अभूतपूर्व और अव्वल भूमिका निभा रहा है। गौरतलब है, विकास और अविष्कार हमेशा से एक-दूसरे के समानार्थी सहयोगी रहे हैं। ये तथ्य समानरूपी चरितार्थ इसलिए हैं कि विकास और अविष्कार ने मिलकर विगत तीन दशकों में बड़ा विस्तार किया है जिसमें टेलीविजन की सहती भूमिका रही है।

इनफॉरमेशन और इंटरटेनमेंट का बड़ा हिस्सा आधुनिककाल में टेलीविजन पर आकर ठहर गया है। टेलीविजन दर्शकों को उनकी पसंद का सारा का सारा मनचाहा मटैरियल घर बैठे-बिठाए परोस रहा है। इसलिए कह सकते हैं कि टेलीविजन ने अंगद की भांति देश-दुनिया की तमाम सूचनाओं और मनोरंजन के साधनों को पहुंचाने और विचारों के आदान-प्रदान के तौर पर अपने पांव मजबूती से जमा लिए हैं। निश्चित रूप से ये आमजन के लिए अच्छा ही है जिसने सशक्त और द्रुतगति का जरिया बनकर सुगमता के अनगिनत रास्ते खोल डाले। अन्य साधन जैसे रेडियो ने जहां आवाज और अखबार ने पठनीय माध्यमों से सूचनाओं को पंख लगाए हैं। टेलीविजन ने संचार को दृश्यात्मकता तौर पर आंखें प्रदान की हैं। टेलीविजन की पकड़ सिर्फ मनोरंजन तक ही नहीं है, बल्कि, समाचार, विचार, शिक्षा और जागरुकता जैसे असंख्य क्षेत्रों में भी अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किए हैं। टीवी आमजनों की विभिन्न जिज्ञासाओं को भांप कर उन्हें वैसा ही स्वाद देने का प्रयास करता है। सरकारी योजनाएं हों या सार्वजनिक सूचनाएं सभी में टीवी का पर्दा अभूतपूर्व और अव्वल भूमिका निभा रहा है। गौरतलब है, विकास और अविष्कार हमेशा से एक-दूसरे के समानार्थी सहयोगी रहे हैं। ये तथ्य समानरूपी चरितार्थ इसलिए हैं कि विकास और अविष्कार ने मिलकर विगत तीन दशकों में बड़ा विस्तार किया है जिसमें टेलीविजन की सहती भूमिका रही है। यूं कहें कि टेलीविजन का पर्दा प्रत्येक इंसान के जीवन का अहम हिस्सा बन गया है। जैसे, इंसान पेट की भूख मिटाने के लिए भोजन का नियमित सेवन करता

है, ठीक उसी तरह सूचनाओं को जानने के लिए टेलीविजन देखता है। बात वर्ष 1996 के आसपास की है, जब पहली मर्तबा विश्व टेलीविजन फोरम की याद में हर साल 21 नवंबर को ह्यविश्व टेलीविजन दिवसह्न मनाने का प्रचलन शुरू हुआ। उसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने लोगों के निर्णय की क्षमता पर ऑडियो-विजुअल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और अन्य प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने में टीवी की संभावित भूमिका को पहचानने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया। टेलीविजन की ताकत ने उसे आम सहमति से पास करवा दिया। भारत में टेलीविजन प्रसारण की शुरूआत दिल्ली से 15 सितंबर, 1959 को हुई, जिसने कुछ वर्षों में तेजी से रफतार पकड़ी। बहरहाल, टीवी के आविष्कार की जहां तक बात है तो एक प्रसिद्ध स्कॉटिश इंजीनियर हुआ करते थे जिन्होंने टीवी को खोजा। उनका नाम था ह्यजॉन लोगी बेयर्डह्न। जॉन ने वर्ष-1924 में टीवी का श्रीगणेश किया। फिर 1927 में संसार में पहले वर्किंग टेलीविजन का निर्माण हुआ, जिसे सितंबर की पहली तारीख और सन-1928 को प्रेस के सामने प्रस्तुत किया गया। इसके बाद टीवी ने अपना ऐसा प्रभाव छोड़ा, जिसके सामने समूचा संसार नतमस्तक हो गया। वैसे, कलर टेलीविजन के आविष्कार का भी श्रेय महान वैज्ञानिक ह्यजॉन लोगी बेयर्डह्न को ही जाता है जिन्होंने ही 1928 में टीवी के सफेद पर्दे को रंगीन में बदला था। उसके बाद से रंगीन टीवी का प्रचलन आरंभ हुआ। 21वीं सदी में टेलीविजन ने मुद्रित माध्यम की साक्षर होने की शर्त को भी अनावश्यक प्रमाणित कर दिया। भारतीय संदर्भ में देखें, तो सिनेमा उद्योग आज भी अपनी फिल्मों के प्रमोशन से लेकर रिएलिटी शोज को आगे बढ़ाने के लिए टेलीविजन की ओर ही दौड़ते हैं। दरअसल उनको टीवी की ताकत का अंदाजा अच्छे से होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जब देशवासियों से कुछ कहना होता है, तो वह भी टीवी के जरिए ही अपनी जरूरी बात को सभी तक पहुंचाते हैं। फिलहाल, मौजूदा वक्त में टीवी की भूमिका में एक और बड़ा अध्याय जुड़ गया है। संचार क्रांति फोटोग्राफी, टेलीग्राफी, रेडियो और टेलीविजन के आविष्कारों से समृद्ध होते हुए बदलाव का सिलसिला अब इंटरनेट तक पहुंच गया है। ये बात तथ्यात्मक है कि इंटरनेट से पहले रेडियो-टेलीविजन ने ही संचार क्रांति को आगे बढ़ाया था। अनेक प्रकार की आधुनिक प्रसारण तकनीकों के आविष्कार के कारण रेडियो और टेलीविजन ने सारी दुनिया को एक इकाई के रूप में तब्दील कर दिया था। पर, उसमें अब इंटरनेट की एंट्री हो चुकी है। इंटरनेट की अपनी ताकत है वो टीवी को भी परोसता है। उदाहरण के लिए जब क्रिकेट मैच होते हैं, तब टीवी पर जो दर्शक नहीं देख पाते, वो इंटरनेट के माध्यम से टीवी का जरिया खोज लेते हैं। कल जब भारत-अस्टेलिया के बीच क्रिकेट वर्ल्ड कप का मैच हो रहा था तो 16 करोड़ लोग इंटरनेट पर मैच का लुत्फ उठा रहे थे। समय के साथ-साथ चीजें बदलती रहती हैं और बदलाव तो प्रकृति का नियम भी है। पर इतना तय है, इंटरनेट कभी भी टीवी के लिए चुनौती नहीं बन सकता। पत्रकारिता क्षेत्र में टीवी की महत्ता को कोई कमतर नहीं आंक सकता, क्योंकि पत्रकारिता में भी टेलीविजन ने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है। चाहे किसी तरह की घटनाएं हो, जैसे, प्राकृतिक आपदाएं, युद्धकाल और मानवाधिकारों के क्षेत्र में भी टेलीविजन ने परिवर्तनकारी भूमिकाएं निभाई हैं। दरअसल, दृश्य टीवी की ताकत होते हैं। कवरेज के दौरान दिखाए गए दृश्यों पर दुनिया आंख मूंदकर विश्वास करती है। बेशक, भारत में टेलीविन प्रसारण की शुरूआत देरी से हुई हो, पर हिंदुस्तान में टेलीविजन पत्रकारिता का इतिहास काफी पुराना है। प्रसारण क्षेत्र पर आजादी के बाद दूरदर्शन का लगभग तीन दशकों तक एकतरफा एकाधिकार रहा। लेकिन अब केबल टीवी और प्राइवेट चैनलों का बोलबाला है। सन 1990 के बाद से प्राइवेट चैनलों पर चौबीस घंटे के समाचार की शुरूआत ने चीजें बहुत तेजी से बदल डालीं। पुरानी रूढ़ व्यवस्थाओं को बदलने से लेकर नए-नए वैज्ञानिक आविष्कारों तक, सभी प्रकार के परिवर्तनों में सूचनाओं के आदान-प्रदान में टीवी की भूमिका अहम रही है और सिलसिला आगे भी बदस्तूर जारी रहेगा।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

मानव जीवन में टीवी की भूमिका

'ब्लैक ऐंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा (टेलीविजन) अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया-जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवंबर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाया जाता है। संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व टेलीविजन दिवस मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में विश्व टेलीविजन दिवस मनाने की घोषणा कर दी गई। दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवंबर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसंबर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवंबर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवंबर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है। इलेक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार 1927 में हुआ माना जाता है और उसके करीब 32 साल बाद इलेक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितंबर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में डीडी मैट्रो नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है। हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्त्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं। टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। टीवी पर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार हत्या और बलात्कार जैसे दृश्य दिखाने से बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित होता है। मौजूदा समय में टीवी मीडिया की सबसे प्रमुख ताकत के रूप में उभर रहा है और मीडिया का हमारे जीवन में इस कदर हस्तक्षेप बढ़ गया है कि टीवी के वास्तविक महत्व के बारे में अब लोगों को पर्याप्त जानकारी ही नहीं मिल पाती। देश में जहां दूरदर्शन की शुरूआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चैनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चैनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चैनल प्रसारित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्त्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिद्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है। इसीलिए मांग उठने लगी है कि दिशाहीन टीवी कार्यक्रमों के नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगाने और अपसंस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए इन पर कुछ कड़े कानूनी प्रतिबंधों का प्रावधान होना चाहिए।

Social Media Corner

सच के हक में...

'सबका साथ-सबका विकास' मंत्र के साथ राजस्थान के लोगों का जीवन बदलने के लिए भाजपा संकल्पित है। करौली में अपने परिवारजनों के दर्शन कर आनंदित हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

'अमृत भारत स्टेशन' योजना के तहत देशभर में 1275 रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई हैं, जिसमें ओड़िशा के 57 स्टेशन हैं। इसमें से एक मयूरभंज के बादाम-पहाड़ का यह स्टेशन है। नई ट्रेन और स्टेशन के कायाकल्प से स्थानीय लोगों के जीवन और आजीविका में एक प्रभावशाली बदलाव आएगा। यात्रियों को यात्रा, प्रवेश, प्रस्थान और प्रतिक्षा के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेगी। दिव्यांगजनों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। देश के लोगों के लिए विश्वस्तरीय रेल सेवा मुहैया कराने के लिए माननीय प्रधानमंत्री @narendramodi जी का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

(राज्यपाल रघुवर दास के ट्विटर अकाउंट से)

चुनावी पिटारा कितना सहारा !

चुनाव को लोकतंत्र का पवित्र महोत्सव कहा जाता है । अब इसकी संस्कृति का पूरी तरह से कायाकल्प हो गया है । चुनाव आने के थोड़े दिन पहले गहमा-गहमी तेज होती है और अंतिम कुछ दिनों में हाईकमान अपने कंडिडेट का ऐलान करता है । साथ ही भूली बिसरी जनता की सुधि आती है। चुनाव आते ही सभी राजनीतिक दल अपना-अपना जादू का पिटारा खोलते है और उनकी सोई हुई जन-संवेदना जागती है । आहत जनता को राहत देने के लिए कमर कसते हुए सभी दल सुविधाओं की फेहरिस्त तैयार करने में जुट जाते हैं । रेल , सड़क , स्कूल , अस्पताल , नौकरी , कर्ज यानी जीने के लिए जो भी चाहिए उस सूची में शामिल किया जाता है । चुनावी राज्यों में पुलिस द्वारा करोड़ों रुपयों की जब्ती और शराब की आवाजाही आम बात हो गई है जिनका कोई दावेदार नहीं मिलता । यह सब इसलिए होता है ताकि जनता को अधिकाधिक मात्रा में लुभाया जा सके । जन-प्रलोभनों की यह अजीबोगरीब पेशकश यह सिद्ध करने के लिए मीडिया में खूब प्रचारित की जाती है कि वैसा लोक-शुभेच्छु कोई दूसरा नहीं है । इस सिलसिले में विभिन्न दल एक दूसरे से बढ-चढ़ कर जनसेवा की हुंकार भरते नहीं थकते और धन सम्पदा लुटाने की घोषणा करते हैं । बोली लगने के माहौल जैसी यह कवायद चुनी सरकार के बजट की याद दिलाती है । अलादीन के चिराग न होने पर कमी सिर्फ यही रहती है कि नेतागण यह नहीं बताते कि इन खर्चों के लिए राजस्व और संसाधन का जुगाड़ कैसे होगा और यह सब कहां से आएगा । चुनाव की चर्चा में देश , देश का भविष्य और देश की नीतियों के सवाल गायब रहते हैं और सभी दल एक दूसरे पर दोष मढ़ने को बेताब रहते हैं । तू- तू, मैं-मैं करते हुए बात बढ़ कर व्यक्तिगत अपमान और लांछन पर आ टिकती है । नेताओं पर भद्र अभद्र आरोप लगते हैं और सभ्य शिष्ट आचरण से भटक कर सही गलत प्रवाद फैक्टर जाते हैं । चुनावी दंगल में रैली , रोड शो और रेला के आयोजन करते हुए राजनीतिक दल अपना दम खम दिखाने का स्वांग करते हैं । उस दौरान यातायात और जनसुविधाएं जरूर ठप हो जाती हैं । गौरतलब है कि घोषित हो रही सुविधाओं का फौरी आकलन और आख्यान जनता को मुफ्तखोरी की राह दिखाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता है । वंचित उपेक्षित समुदायों के लिए आरक्षण का ब्रह्मास्त्र चलाया जाता है और जातिगत आरक्षण का प्रावधान निरंतर व्यापक किया जा रहा है । गौरतलब है कि संविधान की यह व्यवस्था अल्पकाल के लिए की गई थी । वोट बैंक की राजनीति को प्रश्रय देते हुए उसका विस्तार नाना प्रकार से बढ़ाया जाता रहा। भारत में जातिमुक्त समाज के लक्ष्य को जाति की सत्ता की तीव्र पुष्टि की नीतियों से प्राप्त करने की अनवरत चेष्टा के अंतर्विरोध बार-बार सामने आते रहे हैं परंतु समाधान के लिए ध्यान देना नहीं हो सका । राजनीति की दृष्टि से यह मुफीद नहीं लगता और योग्यता और अवसर का तालमेल बिठाने की कोशिश धरी रह जाती है । चुनाव और सरकार बनाना लोकतंत्र के उपकरण हैं जिनका उपयोग लोकतंत्र को और लोक की गरिमा को सुरक्षित और संवर्धित करने के लिए होनी चाहिए । देश के हित में समाज के विधान का कोई विकल्प नहीं है । राजनीति एक सेवाधर्मी उपक्रम होना चाहिए जिसका दीर्घकालिक नियोजन आवश्यक है । सामान्य जीवन में इसके प्रति उदासीनता के भाव ने राजनीति में मूल्यहीनता को बढ़ावा दिया है । आज भारत एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर रहा है । इस अवसर पर राजनीति में मूल्यों की पुनर्स्थापना जरूरी हो रही है ।

म्यांमार में संकट

म्यांमार में सैन्य शासन के खिलाफ जारी श्री ब्रदरहुड अलायंस का ऑपरेशन 1027 गंभीर रूप लेता जा रहा है। खुद सैन्य शासन ने स्वीकार किया है कि बड़ी संख्या में सशस्त्र बागी सैनिक भारी हमला कर रहे हैं। खबरें बताती हैं कि सैकड़ों की संख्या में ड्रोन सैन्य चौकियों पर बम बरसा रहे हैं। दरअसल, म्यांमार में इस संकट की नींव दो साल पहले तब पड़ी जब फरवरी 2021 में सेना ने आंग सान सू की की अगुआई वाली निर्वाचित सरकार के हाथों से जबरन सत्ता छीन ली थी। पूरे देश में उसका व्यापक विरोध हुआ। लोकतंत्र बहाल करने की मांग को लेकर लोग सड़कों पर आ गए। लेकिन सैन्य शासकों ने आम लोगों के इस विरोध को ताकत से दबाने की कोशिश की, जिसका नतीजा यह हुआ कि आंदोलनकारियों का एक हिस्सा हथियार उठाने का फैसला कर उन सशस्त्र समूहों से जा मिला जो पहले से ही आत्मनिर्णय की मांग कर रहे थे। उसके बाद से ही दोनों पक्षों में झड़पें चलती रहीं, जिनमें 4000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इसमें एक नया मोड़ तब आया जब 27 अक्टूबर से म्यांमार नैशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी, तांग नैशनल लिबरेशन आर्मी और अराकाम आर्मी - जिन्हें 3 ब्रदरहुड अलायंस कहा जा रहा है- ने मिलकर ऑपरेशन 1027 शुरू किया जिसका मकसद सैन्य शासन को उखाड़ फेंकना है। यह ऑपरेशन आगे क्या रूप लेता है और इसके क्या परिणाम आते हैं यह सवाल तो अपनी जगह है ही, लेकिन फिलहाल इसका प्रत्यक्ष परिणाम म्यांमार से भारत की सीमा में प्रवेश करने वाले शरणार्थियों की बढ़ती संख्या के रूप में सामने आ रहा है। पिछले हफ्ते ही 5000 म्यांमारियों का एक नया जत्था मिजोरम आया जिसमें कुछ सैनिक भी शामिल हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

ओपनएआई से इस्तीफा देने वाले कर्मचारियों को नौकरी देगा सेल्सफोर्स

नई दिल्ली।

एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर प्रमुख सेल्सफोर्स के अध्यक्ष और सीईओ मार्क बेनिओफ ने मंगलवार को ओपनएआई से इस्तीफा देने वाले कर्मचारियों को नौकरी की पेशकश की। दरअसल, माइक्रोसॉफ्ट द्वारा पूर्व सीईओ सैम ऑल्टमैन और पूर्व अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन को काम पर रखने के बाद 500 से ज्यादा ओपनएआई कर्मचारियों ने इस्तीफा देने की धमकी दी है। एक्स पर एक पोस्ट में, बेनिओफ ने कहा कि यदि आपका आप्रवासन अब ओ1, एच1बी, या अन्य वीजा पर ओपनएआई से प्रभावित है, तो सेल्सफोर्स ओपनएआई को छोड़ने वाले लोगों की पूरे कैश और इक्विटी ओटीई (ओपन ट्रेड इक्विटी) का मिलान करेगा, और फिर सिल्वियो सावरेज के तहत हमारी सेल्सफोर्स आइंस्टीन विश्वसनीय एआई रिसर्च टीम में शामिल हो जाएंगे। सेल्सफोर्स सीईओ ने लिखा, मुझे अपना सीवी सीधे भेजें। आइंस्टीन इस सप्ताह 1 ट्रिलियन पूर्वानुमानित और जेनरेटिव लेनदेन पूरा करने वाला सबसे सफल एंटरप्राइज एआई प्लेटफॉर्म है! हमारी विश्वसनीय एआई एंटरप्राइज रिवॉल्यूशन में शामिल हों। सेल्सफोर्स ने इस साल जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्टअप्स में निवेश करने के लिए 500 मिलियन डॉलर का वादा किया है। यह निवेश, जो पहले 250 मिलियन डॉलर से बढ़कर अब 500 मिलियन डॉलर हो गया है, रिस्पांसिबल जेनेरिक एआई विकसित करने वाले स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए इसके जेनरेटिव एआई फंड का हिस्सा है। सेल्सफोर्स वेंचर्स के मैनेजिंग पार्टनर पॉल डूज के अनुसार, इससे कंपनी को और भी अधिक उद्यमियों के साथ काम करने, उद्यम के लिए परिवर्तनकारी एआई समाधानों के विकास में तेजी लाने में मदद मिलेगी। डूज ने जून में कहा, हम पहले से ही एआई को दुनिया के काम करने के तरीके में बदलाव देख रहे हैं, और हम अपने जेनरेटिव एआई फंड की गति को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं। सेल्सफोर्स ने एआई क्लाउड की भी घोषणा की, जो सभी अनुप्रयोगों और वर्कफ्लो में विश्वसनीय, खुले और वास्तविक समय के जेनरेटर अनुभव प्रदान करने के लिए अनुकूलित क्षमताओं का एक सूट है।

टाइटन 3,000 से ज्यादा कर्मचारियों को करेगी हायर, पांच साल में कंपनी उठाएगी बड़े कदम

मुंबई:

टाइटन कंपनी की अगले पांच साल में इंजीनियरिंग, डिजाइन, लक्जरी, डिजिटल, डेटा विश्लेषण, विपणन और बिक्री सहित अन्य क्षेत्रों में 3,000 से अधिक कर्मचारियों की नियुक्ति की योजना है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी को डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, उत्पाद प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग और अन्य नए जमाने के कौशल जैसे क्षेत्रों के लिए कुशल पेशेवरों की तलाश है। टाइटन कंपनी की प्रमुख (मानव संसाधन-कॉरपोरेट और खुदरा) प्रिया एम. पिल्लई ने कहा, ''हम अगले पांच साल में 1,00,000 करोड़ रुपए का कारोबार बनने के लिए एक रोमांचक यात्रा शुरू कर रहे हैं। अगले पांच साल में हम 3,000 नए लोगों को जोड़ेंगे। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि अपने लोगों को आगे बढ़ाने के साथ यदि हम विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ लाते हैं, तो यह अच्छा होगा। इससे हमारी वृद्धि और नवोन्मेषण तेज होगा। उद्योग में हमारी स्थिति और मजबूत होगी। फिलहाल कंपनी के कार्यबल का 60 प्रतिशत महानगरों में कार्यरत है।

वहीं 40 प्रतिशत दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में है।

कॉर्पोरेट समानता पथप्रदर्शक- डॉ. रश्मी सलूजा कॉर्पोरेट लिंग भेदभाव विरासत की शिकार

नई दिल्ली।

ऐसे परिदृश्य में जहां सरकार भारत में महिला सशक्तीकरण का समर्थन करती है, जो महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए महिला आरक्षण विधेयक जैसी पहल का प्रतीक है, कॉर्पोरेट क्षेत्र लगातार लैंगिक पूर्वाग्रहों से ग्रस्त है। इन विधायी प्रयासों के बावजूद, नेतृत्व के पदों पर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव जारी है। हाल ही में रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड की कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रश्मी सलूजा का भेदभाव के साथ टकराव कॉर्पोरेट क्षेत्र में महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले व्यापक संघर्ष का प्रतीक बन गया है। असमानता की विरासत कायम है, लेकिन डॉ. सलूजा बहादुरी से इस ज्वार के खिलाफ खड़े हुए हैं, जो कॉर्पोरेट परिदृश्य में लैंगिक समानता के लिए चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण क्षण है। डॉ. सलूजा के सामने आने वाली चुनौतियों के बावजूद, रेलिगेयर बोर्ड दृढ़ता से उनकी शेयर बिक्री और कंपनी की अभूतपूर्व वृद्धि में योगदान का बचाव करता है। आरोप न केवल डॉ. सलूजा को निशाना बनाते हैं, बल्कि पूरे प्रबंधन और बोर्ड को भी कमजोर करते हैं, जिन्होंने पिछले पांच वर्षों में रेलिगेयर को ऋण मुक्त संगठन बनाने की दिशा में अथक प्रयास किया है। डॉ. सलूजा की कहानी भारत में महिला नेताओं द्वारा सामना किए जाने वाले भेदभाव की व्यापक कहानी से मेल खाती है। मामाअर्थ की ग़ज़ल अलघ और शुगर कॉस्मेटिक्स की विनीता सिंह जैसी प्रमुख हस्तियों को उनके महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद समान चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। लाल बहादुर शास्त्री प्रबंधन संस्थान की अनुप्रिया सिंह के लिंग आधारित शोध के अनुसार, बोर्ड स्तर पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व मात्र दो प्रतिशत है। डॉ. सलूजा की यात्रा अपने आप में कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का प्रमाण है; ऐसे गुण जिन्होंने उसे संगठन के भीतर वह नेतृत्व प्रदान किया, जिसकी वह चहेती बनी। हालांकि, यह समाज का पितृसत्तात्मक ताना-बाना है, जिसने उनकी उपलब्धियों और उनके व्यक्तित्व पर एक अन्यायपूर्ण छाया डाली है। आरोपों के जवाब में, डॉ. सलूजा ने एक प्रवक्ता के माध्यम से कहा, ÷हाल के आरोप सिर्फ मुझ पर हमला नहीं हैं, बल्कि पूरे नेतृत्व और बोर्ड पर हमला हैं। हम पारदर्शिता और निष्पक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर कायम हैं।

यूएस एसईसी ने क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म क्रैकन पर किया मुकदमा

वाशिंगटन।

अपंजीकृत सिक्योरिटीज एक्सचेंज, ब्रोकर, डीलर और क्लियरिंग एजेंसी के रूप में काम करने को लेकर यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म क्रैकन पर आरोप लगाए हैं। एसईसी की शिकायत के अनुसार कम से कम सितंबर 2018 से क्रैकेन ने क्रिप्टो एसेट्स सिक्योरिटीज की खरीद और बिक्री की सुविधा देकर अवैध रूप से सैकड़ों मिलियन डॉलर कमाए हैं। एसईसी के प्रवर्तन प्रभाग के निदेशक गुरबीर एस ग्रेवाल ने कहा, हमारा आरोप है कि क्रैकेन ने सिक्योरिटीज लॉ का अनुपालन करने के बजाय निवेशकों से करोड़ों डॉलर वसूलने का व्यावसायिक निर्णय लिया। उस निर्णय के चलते व्यापार मॉडल में हितों का टकराव पैदा हो गया, जिससे निवेशकों के धन को जोखिम में डाल दिया गया।उन्होंने एक बयान में कहा, निवेशकों की सुरक्षा के बजाय क्रैकन का अवैध लाभ का विकल्प वह है, जिसे हम इस क्षेत्र में अक्सर देखते हैं, और हम क्रैकन को उसके गलत काम के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं और दूसरों को अनुपालन में आने के लिए संदेश भेज रहे हैं। एसईसी ने आरोप लगाया कि क्रैकेन ने कानून द्वारा आवश्यक आयोग के साथ इनमें से किसी भी कार्य को पंजीकृत किए बिना एक्सचेंज, ब्रोकर, डीलर और क्लियरिंग एजेंसी की पारंपरिक सेवाओं को आपस में जोड़ा। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को पंजीकृत करने में क्रैकेन की कथित विफलता ने निवेशकों को महत्वपूर्ण सुरक्षा से वंचित कर दिया है, जिसमें एसईसी द्वारा निरीक्षण, रिकॉर्ड-कीपिंग आवश्यकताओं और हितों के टकराव के खिलाफ सुरक्षा उपाय शामिल हैं। इस साल फरवरी में, क्रैकन ने क्रिप्टो परिसंपत्ति स्टेकिंग सेवाओं या स्टेकिंग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभूतियों की पेशकश या बिक्री बंद करने और 30 मिलियन डॉलर का नागरिक जुर्माना अदा करने पर सहमति व्यक्त की। एसईसी ने पहले दुनिया के कुछ सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज कॉइनबेस और बिनेंस पर मुकदमा दायर किया था।

अमेरिकी डॉलर में गिरावट के बावजूद रुपया संभलने में नाकाम

मुंबई ।

डॉलर के कमजोर होने के बावजूद मंगलवार सुबह के कारोबार में रुपया उबरने में विफल रहा और सुबह 11.28 बजे अमेरिकी ग्रीनबैक के मुकाबले पिछले दिन के रिकॉर्ड निचले स्तर 83.34 पर था। डॉलर सूचकांक गिरकर 103.20 पर आ गया, जो इसका ढाई महीने का निचला स्तर है, लेकिन रुपये में उम्मीद के मुताबिक बढ़त नहीं हुई। व्यापारियों ने इसका कारण तेल कंपनियों जैसे आयातकों को कम कीमत का फायदा उठाने के लिए बचाव के तौर पर अधिक डॉलर खरीदने को बताया। अमेरिकी डॉलर में गिरावट के कारण अन्य एशियाई मुद्राओं में तेजी आई है। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और शेयर बाजारों से विदेशी फंडों के बाहर जाने के बीच सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे टूटकर 83.34 पर बंद हुआ था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा सोमवार को 0.66 प्रतिशत बढ़कर 81.14 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि सेंसेक्स 139.58 अंक गिरकर 65,655.15 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 37.80 अंक गिरकर 19,694 पर आ गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को पूंजी बाजार में शुद्ध विक्रेता थे, क्योंकि उन्होंने 477.76 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। शुक्रवार को जारी आरबीआई के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 10 नवंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 462 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 590.321 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। विदेशी मुद्रा भंडार में किसी भी गिरावट से आरबीआई के लिए हस्तक्षेप करने और कमजोर होते रुपये को संभालने की गुंजाइश कम हो जाती है। शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 83.26 पर बंद हुआ था। इससे पहले रुपये ने इस साल 13 नवंबर को डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचला स्तर 83.33 दर्ज किया था।

सोने-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी

मुंबई ।

सोने-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव मंगलवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव बढ़कर 61 हजार रुपये पार कर गए हैं। चांदी के वायदा भाव 73 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा कीमतों की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन बाद में दोनों के वायदा भाव में तेजी दिखाई दी। सोने के वायदा भाव की मंगलवार को शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट मंगलवार को 148 रुपये की तेजी के साथ 60,805 रुपये के भाव पर खुला। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत मंगलवार को सोमवार के बंद भाव हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट मंगलवार 72,644 रुपये के भाव पर खुला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में इनकी कीमतों में तेजी देखी जाने लगी। कॉमैक्स पर सोना 1980 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 1980.30 डॉलर था।

बाजार को 2024 में एनडीए की वापसी का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली । जेएम फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि बाजार सहभागियों ने पहले ही आगामी आम चुनावों में एनडीए की वापसी का अनुमान लगा लिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल अनिश्चितता (यदि कोई हो) बहुमत (सीटों की संख्या) की सीमा पर होगी, जिसके साथ वह जीतेगी। इसमें कहा गया है कि एक साल पहले और चुनावी वर्ष के दौरान पिछले पांच चुनावों में निफ्टी के रुझान के आकलन से संकेत मिलता है कि वित्त वर्ष 2024 के अंत तक निफ्टी 20,500 की ओर बढ़ने की संभावना है, जबकि निफ्टी को वित्त वर्ष 2025 में 24 प्रतिशत रिटर्न मिलने की उम्मीद है। हमने पिछले पांच आम चुनावों से एक साल पहले निफ्टी के रुझान का आकलन किया। वर्तमान वर्ष के निफ्टी के मुकाबले इन वर्षों के सूचकांकों के औसत की साजिश रचने पर पता चलता है कि बाजार पिछले पांच चुनावी वर्षों के औसत के साथ तालमेल बिठा रहा है। इस प्रवृत्ति को जारी रखते हुए, निफ्टी को वित्त वर्ष 24 के अंत तक 20,500 के स्तर की ओर बढ़ना चाहिए। चुनाव के वर्ष में निफ्टी के रुझान को मापने के लिए इसी तरह की कवायद की गई, इसके लिए हमने पिछले पांच चुनावी वर्षों के औसत पर विचार किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि औसत प्रवृत्ति निफ्टी में 24 फीसदी की तेजी का संकेत देती है, हालांकि यह ध्यान रखना उचित है कि औसत को वित्त वर्ष 2015 में दर्ज किए गए 54 फीसदी रिटर्न से बढ़ा दिया गया था।

सेबी अध्यक्ष ने इन्वेस्टर रिस्क रिडक्शन एक्सेस प्लेटफॉर्म का किया अनावरण

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में इन्वेस्टर रिस्क रिडक्शन एक्सेस (आईआरआरए) प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। वित्तीय बाजारों में जोखिम न्यूनीकरण एक सदाबहार विषय है और विभिन्न प्रकार के जोखिमों को दूर करने के लिए नियामकों द्वारा निरंतर प्रयास किए जाते हैं। आईआरआरए प्लेटफॉर्म एक ऐसी पहल है, जिसे सेबी के मार्गदर्शन में मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस (एमआईआई) द्वारा प्राथमिक साइट और डिजास्टर रिकवरी साइट दोनों पर ट्रेडिंग सदस्य के अंत में तकनीकी गड़बड़ी की स्थिति में निवेशकों के सामने आने वाले जोखिम को कम करने के लिए संकल्पित और कार्यान्वित किया गया है। एमआईआई ने 3 अक्टूबर, 2023 से प्रभावी रूप से आईआरआरए प्लेटफॉर्म लॉन्च किया और बड़े पैमाने पर निवेशकों के लाभ के लिए सोमवार को आधिकारिक तौर पर आईआरआरए प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह प्लेटफॉर्म अपने निवेशकों के लिए वायरलेस टेक्नोलॉजी के माध्यम से इंटरनेट-आधारित ट्रेडिंग और सुरक्षा ट्रेडिंग का समर्थन करने वाले ट्रेडिंग सदस्यों के लिए उपलब्ध है। हालांकि, आईआरआरए एल्गो ट्रेडिंग और संस्थागत ग्राहकों के लिए उपलब्ध नहीं होगा। आईआरआरए को ट्रेडिंग सदस्यों द्वारा तब लागू किया जा सकता है जब उन्हें किसी तकनीकी गड़बड़ी का सामना करना पड़ता है, इससे प्राथमिक साइट और डिजास्टर रिकवरी साइट, जहां प्रासंगिक हो, दोनों एक्सचेंजों से ग्राहकों को सेवा देने की उनकी क्षमता प्रभावित होती है। आह्वान पर, बुनियादी जांच के बाद, प्लेटफॉर्म सभी ट्रेडिंग स्थानों से ट्रेडिंग सदस्य के ट्रेडों को डाउनलोड करता है और आईआरआरए तक पहुंचने के लिए एक लिंक के साथ इंटरनेट ट्रेडिंग या वायरलेस तकनीक का उपयोग करने वाले निवेशकों को एसएमएस/ईमेल भेजता है।

निफ्टी के सकारात्मक रुख के साथ बंद होने से मेटल, रियल्टी शेयरों का प्रदर्शन बेहतर रहा

मुंबई।

निफ्टी मंगलवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुआ। जबकि, अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। मंगलवार को निफ्टी-50, 89 अंक (0.45 प्रतिशत) बढ़कर 19,783.40 पर बंद हुआ। सेंसेक्स 276 अंक (0.42 प्रतिशत) बढ़कर 65,930.77 पर बंद हुआ। बोनान्ज़ा पोर्टफोलियो के रिसर्च एनालिस्ट वैभव विदवानी ने कहा कि निफ्टी मेटल, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा क्रमशः 1.22 प्रतिशत, 1.13 प्रतिशत और 1.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ बेहतर प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में से कुछ थे। विदवानी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धातु की बढ़ती मांग ने धातु क्षेत्र में आशावाद को बढ़ावा दिया है। जबकि, निफ्टी रियलिटी हरे रंग में है क्योंकि बाजार में मजबूत आवास मांग निवेशकों को रियलिटी शेयरों में आकर्षित कर रही है। निफ्टी पर शीर्ष लाभ पाने वालों में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ, अदानी एंटरप्राइजेज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और जेएसडब्ल्यू स्टील थे। जबकि, घाटे में रहने वालों में कोल इंडिया, ओएनजीसी, बीपीसीएल, टेक महिंद्रा और एलटीआईमाइंडट्री थे।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक रूपक डे ने कहा कि सकारात्मक कारोबारी सत्र के बाद निफ्टी बढ़त के साथ समाप्त हुआ, लगातार सकारात्मक धारणा बनी रही, क्योंकि यह लगातार 19,500 के महत्वपूर्ण समर्थन स्तर से ऊपर बंद हुआ। उन्होंने कहा, व्यापारियों को गिरावट के दौरान खरीदारी पर विचार करने की सलाह दी जाती है, जब तक निफ्टी 19,500 से ऊपर रहता है। हालांकि, 19,500 से नीचे की गिरावट संभावित रूप से व्यापारियों के बीच घबराहट पैदा कर सकती है। ऊपर की ओर देखें, तो 19,850 से ऊपर की बढ़त 20,000 और उससे आगे की ओर तेजी ला सकती है।

अक्टूबर में भारतीय कंपनियों में पीई, वीसी निवेश घटकर 3.4 अरब डॉलर पर: रिपोर्ट

मुंबई: निजी इक्विटी (पीई) और उद्यम पूंजी (वीसी) कोषों का भारतीय कंपनियों में निवेश अक्टूबर महीने में करीब तीन प्रतिशत घटकर 3.4 अरब डॉलर रहा। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। उद्योग लॉबी समूह आईवीसीए और सलाहकार फर्म ईवाई की साझा रिपोर्ट के मुताबिक, मूल्य के हिसाब से अक्टूबर में पीई एवं वीसी के दांव एक साल पहले की समान अवधि के 3.5 अरब डॉलर से तीन प्रतिशत कम रहे। वहीं सितंबर के 4.2 अरब डॉलर की तुलना में पीई एवं वीसी निवेश 19 प्रतिशत कम रहा। रिपोर्ट कहती है कि अक्टूबर में सौदों की संख्या भी घटकर 70 लेनदेन पर आ गई जबकि साल भर पहले की समान अवधि में 80 निवेश सौदे हुए थे। सितंबर में यह संख्या 83 थी। ईवाई में साझेदार विवेक सोनी ने कहा, ''हालांकि, भारतीय उपभोग में मजबूती बनी हुई है लेकिन वैश्विक कारकों और भारत में आसन्न चुनावों के कारण अनिश्चितता बढ़ने से निवेश सौदों की प्रगति सुस्त पड़ी है। सोनी ने अपना नजरिया 'सतर्कता के साथ आशावादी रखते हुए कहा कि पीई एवं वीसी निवेश की रफ्तार तेजी नहीं पकड़ पा रही है। अक्टूबर में स्टार्टअप कंपनियों में 1.3 अरब डॉलर का निवेश आया जो साल भर पहले की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर में कुल 2.4 अरब डॉलर मूल्य के नौ बड़े सौदे हुए जो एक साल पहले की समान अवधि से नौ प्रतिशत अधिक है। अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) ने रिलायंस रिटेल वेंचर में 59.8 करोड़ डॉलर डाले, जो सबसे बड़ा निवेश सौदा है। खुदरा एवं उपभोक्ता उत्पाद खंड 62.3 करोड़ डॉलर के पांच निवेश सौदों के साथ सबसे आगे रहा। रियल एस्टेट खंड छह सौदों में 60.1 करोड़ डॉलर निवेश के साथ दूसरे स्थान पर रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर महीने में कुल 2.4 अरब डॉलर का कोष जुटाया गया जबकि अक्टूबर, 2022 में 2.2 अरब डॉलर और सितंबर, 2023 में 1.1 अरब डॉलर का कोष जुटाया गया था।

एआई कौशल सीखने में 73 प्रतिशत अधिक समय बिताती है भारतीय जेन जेड जेनरेशन

नई दिल्ली।

एक रिपोर्ट से यह बात सामने आई है कि भारत में जेन जेड पेशेवर अपने पुराने समकक्षों की तुलना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कौशल हासिल करने में अधिक रुचि रखते हैं। वह यह सीखने के लिए अन्य पीढ़ियों की तुलना में 73 प्रतिशत अधिक समय खर्च करते हैं। वैश्विक पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन के अनुसार, जेन जेड, जेन एक्स की तुलना में 1.3 गुना अधिक और बेबी बूमर्स की तुलना में 2.4 गुना अधिक समय बिता रहे हैं।लिंक्डइन इंडिया के कंट्री मैनेजर आशुतोष गुप्ता ने कहा, अपस्किलिंग अब सिर्फ एक विकल्प नहीं रह गया है, बल्कि एआई की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए नेतृत्व और समस्या समाधान जैसे महत्वपूर्ण मानव कौशल विकसित करने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि दिसंबर 2022 से सितंबर 2023 तक वैश्विक एआई वार्तालाप में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत में शिक्षार्थियों के बीच पसंदीदा कौशल पीढ़ी दर पीढ़ी अलग-अलग होते हैं, जबकि जेन जेड प्रोग्रामिंग लैंग्वेज, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा विश्लेषण जैसे डिजिटल कौशल सीख रहे हैं, मिलेनियल्स और जेन एक्स नेतृत्व और प्रबंधन, व्यक्तिगत प्रभावशीलता और विकास जैसे सॉफ्ट कौशल में निवेश कर रहे हैं। एआई द्वारा नियमित कार्यों को संभालने के साथ, पेशेवरों के पास अन्य प्रकार के सार्थक और रचनात्मक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर होता है, जिनके लिए सॉफ्ट स्किल की आवश्यकता है, जो केवल इंसानों के पास होती है। रिपोर्ट से पता चला है कि एपीएसी में, जिन तकनीकी पेशेवरों ने कठिन कौशल के अलावा एक या अधिक सॉफ्ट कौशल विकसित किया है, उन्हें केवल कठिन कौशल रखने वाले कर्मचारियों की तुलना में 13 प्रतिशत से अधिक तेजी से पदोन्नति मिलती है। भारत में, एआई और एआई से संबंधित नौकरी पोस्टिंग में सबसे अधिक मांग वाले सॉफ्ट स्किल में संचार, विश्लेषणात्मक कौशल और बिक्री शामिल हैं। चूंकि, जेनरेटिव एआई में विकास संस्कृतियों, भौगोलिक क्षेत्रों और उद्योगों में बाधाओं को तोड़ने का एक बड़ा अवसर प्रदान करता है, यह हाइब्रिड कार्य सेटिंग्स के दायरे को बढ़ा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संगठन पहले से ही लचीलेपन की मांग का जवाब दे रहे हैं, भारत में हाइब्रिड जॉब पोस्ट अगस्त 2022 में 13.2 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त 2023 में 20.1 प्रतिशत हो गई हैं।

गौतम सिंघानिया की पत्नी ने तलाक के लिए मांगे 8,745 करोड़ रुपए

(एजेंसी)

दीवाली के अगले दिन उद्योगपति और रेमंड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं एम.डी. गौतम सिंघानिया के तलाक की खबर आई थी। वह अपनी पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया से शादी के 32 साल बाद तलाक लेने जा रहे हैं। अब खबर है कि तलाक के लिए उनकी पत्नी ने भारी-भरकम शर्त रख दी है और गौतम सिंघानिया से उनकी कुल नैटवर्थ का 75 प्रतिशत मांग लिया है। गौतम सिंघानिया की नैटवर्थ 1.4 अरब डॉलर (करीब 11,660 करोड़ रुपए) है। इस लिहाज से नवाज मोदी सिंघानिया ने तलाक के एवज में सिंघानिया परिवार से 8,745 करोड़ रुपए की मांग की है। इस बारे में जानकारी रखने वाले सूत्रों के हवाले से पता चला है कि नवाज मोदी सिंघानिया ने यह रकम अपने और अपनी दो बेटियों निहारिका एवं नीसा के लिए मांगी है। सूत्रों का कहना है कि गौतम सिंघानिया मोटे तौर पर इस मांग पर सहमत हो सकते हैं। लेकिन संपत्ति का यह हिसाब-किताब सीधे-सीधे नहीं होगा। बल्कि उन्होंने एक फैमिली ट्रस्ट बनाने का सुझाव दिया है। इसी ट्रस्ट के पास परिवार की सारी संपत्ति और एसैट का मालिकाना हक होगा। वह इस ट्रस्ट के इकलौते ट्रस्टी होंगे। उनकी मौत के बाद उनके परिवार के सदस्यों को इसका वसीयतनामा बनाने का हक होगा। हालांकि नवाज मोदी सिंघानिया के इस व्यवस्था पर राजी होने की संभावना न के बराबर है।

उच्च शिक्षा हासिल कर विश्वविद्यालय-कॉलेजों में अध्यापन के क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए आनेवाला समय संभावनाओं से भरा है. नये केंद्रीय विश्वविद्यालयों के खुलने और विभिन्न विश्वविद्यालयों में नयी रिक्तियां आने से यह क्षेत्र काफी आकर्षक बन गया है. लेकिन दूसरे क्षेत्रों के उलट यह क्षेत्र लंबी और समर्पण भरी तैयारी की मांग करता है. आइए जानें कैसे बढ़ाएं कदम शिक्षा की इस आकर्षक दुनिया में.

उच्च शिक्षा में ऊंची उड़ान के लिए

पिछले दिनों एमफिल और पीएचडी करने के बाद भी उम्मीदवारों को एकेडेमिक्स क्षेत्र में कदम बढ़ाने के लिए नेट उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता पर बहस छिड़ी थी. अंतत- इस शर्त को मान लिया गया. कहा गया कि मौजूदा समय में फैकल्टी की भारी कमी के कारण यह फैसला लिया गया है. सैम पित्रौदा की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में पहले से ही 1,500 विश्वविद्यालय हैं और अभी 14 नयी इनोवेशन यूनिवर्सिटीज खुलनी हैं. लेकिन मौजूदा विश्वविद्यालयों में ही फैकल्टी की कमी होने से नये विश्वविद्यालय इस स्थिति से कैसे निबटेंगे, यह समझना मुश्किल है. फिर भी उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाते समय अधिकांश युवाओं के जेहन में सपना होता है कि वे आनेवाले समय में कॉलेज, विश्वविद्यालय में पढ़ायेंगे. विश्वविद्यालय में पढ़ाने के लिए न्यूनतम योग्यता के बारे में तो सब जानते हैं, पर उस योग्यता के साथ नौकरी पक्की नहीं होती है. इस क्षेत्र में सफलता अर्जित करने के लिए उम्मीदवारों को लगातार अपनी योग्यता में इजाफा करना होता है.

कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ाने की शुरुआत असिस्टेंट प्रोफेसर के पद से होती है. ज्यादातर जगहों पर आ रही रिक्तियों के विज्ञापन से पता चलता है कि इस पद के लिए चयन अब प्वॉइंट सिस्टम के माध्यम से होगा. डीयू, एएमयू के अलावा कई विश्वविद्यालयों में छात्रों की स्क्रीनिंग करने के लिए एकेडमिक एक्सीलेंस के विभिन्न पायदानों को प्वॉइंट सिस्टम के अंतर्गत रखा गया है.पिछले दिनों आपने अखबार में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय (एएमयू) आदि में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर आदि के लिए रिक्तियां देखी होंगी. यहां हम आपको विस्तार से जानकारी दे रहे हैं उन योग्यताओं के बारे में, जिन्हें हासिल कर आप विश्वविद्यालय, कॉलेज आदि में पढ़ाने के लिए अपनी सीट पक्की कर सकते हैं.

एमफिल से मिलता है मौका

अगर आपका लक्ष्य तय है, तो आप मास्टर्स करने के बाद एमफिल यानी मास्टर्स ऑफ फिलॉस्फी के लिए आवेदन कर सकते हैं. मास्टर्स में 55 फीसदी अंक धारक इसके लिए आवेदन करने के योग्य होते हैं. मास्टर्स के बाद एमफिल करने का निर्णय लेना आपकी उम्मीदवारी के लिए एक बेहतर कदम जरूर साबित होगा. पीएचडी के बाद पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च आपके बायोडाटा में चार चांद लगाता है. अगर उम्मीदवार ने पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च कर लिया है, तो उसे कॉलेज, विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए अलग से प्वॉइंट मिलते हैं, जिससे वह उस सीट का मजबूत दावेदार बन जाता है.

पब्लिकेशन पर दें ध्यान

बस इतना ही नहीं. एमफिल, पीएचडी, रिसर्च, पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च के दौरान किये गये शोध और नयी स्थापनाओं को आप पेपर के रूप में पब्लिश कराएं. किताब लिखना या किताब का कोई अध्याय लिखना भी आपको प्वाइंट दिलाता है. आपके कितने पेपर पब्लिश हुए हैं, प्वॉइंट सिस्टम में इसके भी प्वॉइंट्स मिलते हैं. अखबारों के लिए लिखे गये लेखों को भी प्वाइंट दिया जाता है. इसलिए अपने ज्ञान को न सिर्फ बढ़ाएं, बल्कि इसके अच्छे जगह से प्रकाशन पर भी ध्यान दें.

कैसा है प्वॉइंट सिस्टम

प्वॉइंट सिस्टम को बेहतर ढंग से समझने के लिए आपके सामने एक उदाहरण प्रस्तुत है. दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में आपकी प्रोफाइल के साथ ही प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर पद के लिए प्वॉइंट सिस्टम लागू किया जाता है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए 100 प्वॉइंट्स अलग से दिये जाते हैं.

कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए

एकेडेमिक क्वालिफिकेशन के लिए 55 प्वॉइंट दिये जाते हैं. इसमें अंडर ग्रेजुएट में 60 फीसदी या उससे कम पर 12 प्वॉइंट, पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 फीसदी या उससे कम अंक पर 16 प्वॉइंट मिलते हैं. एमफिल के 10, पीएचडी के 17, नेट के लिए सात और नेट-जेआरएफ के 10 प्वॉइंट मिलते हैं.

रिसर्च पब्लिकेशन के लिए कुल 25 प्वॉइंट. रिसर्च पेपर या रिव्यू आर्टिकल या कांफरेंस प्रोसीडिंग के लिए तीन और एक, बुक्स ऑथरशिप के लिए छह, बुक्स एडिटिंग के लिए चार, किताबों में चैप्टर्स के लिए दो, बुक्स या आर्टिकल्स ट्रांसलेटेड और पब्लिश्ड के लिए दो या एक, बुक रिव्यू या पॉपुलर आर्टिकल या न्यूजपेपर आर्टिकल के लिए एक प्वॉइंट मिलता है. पोस्ट पीएचडी रिसर्च अनुभव / टीचिंग अनुभव के लिए अधिकतम 20 प्वॉइंट्स मिलते हैं.

यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए

एकेडेमिक क्वालिफिकेशन के लिए 47 प्वॉइंट दिये जाते हैं. इसमें अंडर ग्रेजुएट में 60 फीसदी या उससे ज्यादा के लिए 10 प्वॉइंट, पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 फीसदी या उससे ज्यादा अंक पर 15 प्वॉइंट मिलते हैं. एमफिल के पांच, पीएचडी के 17, नेट के लिए तीन और नेट-जेआरएफ के पांच मिलते हैं. अगर एमफिल और पीएचडी दोनों की है या इंटीग्रेटेड कोर्स के रूप में किया है, तो दोनों योग्यता के लिए कुल 17 प्वॉइंट दिये जायेंगे.

रिसर्च पब्लिकेशन के लिए कुल 33 प्वॉइंट्स मिलते हैं. रिसर्च पेपर या रिव्यू आर्टिकल या कांफरेंस प्रोसीडिंग के लिए पांच और दो, बुक्स ऑथरशिप के लिए आठ, बुक्स एडिटिंग के लिए छह, किताबों में चैप्टर्स के लिए चार, बुक्स या आर्टिकल्स ट्रांसलेटेड और पब्लिश्ड के लिए चार या दो, बुक रिव्यू या पॉपुलर आर्टिकल या न्यूजपेपर आर्टिकल के लिए दो प्वॉइंट्स मिलेंगे. पोस्ट पीएचडी रिसर्च अनुभव / टीचिंग अनुभव के लिए 20 प्वॉइंट्स मिलेंगे.

क्या है न्यूनतम योग्यता

देश के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर पढ़ाने के लिए मास्टर्स डिग्री में कम से कम 55 फीसदी अंकों का होना जरूरी होता है. (अनुसूचित जाति, जनजाति और विकलांग उम्मीदवारों के लिए 50 फीसदी) साथ ही यूजीसी/ सीएसआइआर द्वारा आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (नेट)/ राज्यों द्वारा आयोजित किये जानेवाले स्टेट लेवल एलिजिबिलिटी टेस्ट (स्लेट) / स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट फॉर लेक्चररशिप (सेट) पास होना भी आवश्यक है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करने के लिए मास्टर्स डिग्री के साथ 2009 रेग्युलेशंस के अनुसार पीएचडी धारक प्रतिभागियों को नेट / स्लेट / सेट से छूट (एग्जेंपशन) मिलती है.

पीएचडी दिलाये एक्स्ट्रा प्वॉइंट

यदि एकेडमिक्स की ओर जाना ही आपका लक्ष्य है, तो मास्टर्स करने के बाद खुद को अच्छे संस्थान से पीएचडी के लिए तैयार करें. इसके लिए आपको अपनी शोध-रुचि के मुताबिक किसी विषय का चयन करना होगा और खुद को पीएचडी के लिए इनरोल करवाना होगा. अकादमिक जगत में पीएचडी की डिग्री सबसे अहम है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करते समय इसके लिए अलग से प्वॉइंट निर्धारित किये जाते हैं. पीएचडी के बिना नौकरी मिलना मुश्किल है.

रिसर्च और अध्यापन

अध्यापन ही आपका लक्ष्य है, तो बेहतर होगा कि अपनी उम्मीदवारी में प्वॉइंट्स की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार शोध से जुड़े रहें. शोध के क्षेत्र में सक्रियता आपको अपने क्षेत्र में अपडेट रखने के साथ ही ज्ञान के विस्तार में भी आपकी मदद करेगा.

कैसे बनाए रखें अपनी नौकरी

रोजगार के अवसरों में गिरावट और बीच में आई आर्थिक मंदी के कारण कंपनियों और उद्योगों ने अपने खर्चो में कटौती करनी शुरू कर दी है। यहां कुछ ऐसी ही जानकारी दी जा रही है, जिसे जानना आपको अपनी योजनाओं पर विचार करने में मदद करेगा।

नौकरियों में कटौती - एक बढ़ता चलन

2,50,000-3,00,000

नौकरियों में कमी आई, ऐसा 12,000 औद्योगिक इकाइयों को घाटे की संपत्ति घोषित करने के कारण हुआ। (2012-13 के इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार)

50 लाख

2005-2010 की पंचवर्षीय अवधि के दौरान नौकरियां गईं (योजना आयोग के मुताबिक)

27,60,000

2005-2010 की पंचवर्षीय अवधि के दौरान बढ़ी हुई नई नौकरियां (योजना आयोग के मुताबिक)

कब करें नौकरी के बारे में चिंता

- अगर आपकी कंपनी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही हो, उसके उत्पाद और सेवाएं पसंद न किए जा रहे हों, आय और लाभ में भारी गिरावट आ गई हो तो नौकरी पर खतरा हो सकता है।
- अगर आप एक दिन में 8 घंटे व्यस्त नहीं रहते और आपके बॉस आपको काम की और जिम्मेदारी न दे रहे हों।
- आपके अधिकतर सहकर्मियों के वेतन में वृद्धि हो रही हो, पर आपको तरक्की या सामान्य बढ़ोतरी भी न मिल रही हो।
- अगर आपके बॉस आपको नजरअंदाज कर रहे हों और अच्छा काम करने पर बधाई देने की बजाय आपसे बात करने से बच रहे हों।

अब आपको क्या करना चाहिए

- आप और बेहतर प्रदर्शन के लिए कमर कस लें, सिर्फ सौंपे हुए काम करने की बजाए दूसरे काम भी करें।
- या फिर नई जॉब ढूंढ़ना शुरू कर दें।

सहकर्मियों के साथ रिश्ते बेहतर करें

किसी भी व्यक्ति या स्थिति को समझने, विवाद को हल करने तथा विश्वास एवं भरोसे का वातावरण तैयार करने के लिए दूसरे व्यक्ति के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करना महत्वपूर्ण होता है। पेश हैं कुछ टिप्स जिनकी सहायता से आप कार्यस्थल पर संवाद बेहतर करके सहकर्मियों के साथ अपने रिश्ते बेहतर कर सकते हैं।

श्रोताओं को जानें

अपने सहकर्मियों की गतिविधियों को देखें तथा बातचीत करने के उनके ढंग को समझने की कोशिश करें। इससे आप उनसे बेहतर ढंग से संवाद स्थापित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए जहां कोई सहकर्मी हमेशा मुद्दे की बात करना पसंद करता हो वहीं किसी अन्य को इस तरह की बातचीत में रूखापन महसूस हो सकता है। ऐसा नहीं है कि आपको अपने सहकर्मियों के हिसाब से अपने को बदलते रहना चाहिए लेकिन उनकी आदतों को समझ कर आप उनके साथ बेहतर ढंग से काम कर सकते हैं।

सही माध्यम का इस्तेमाल करें

बेशक कोई छोटा संदेश शीघ्र पहुंचाने के लिए ई-मेल ही काफी होती है परंतु जिन विषयों में काफी कुछ समझाना हो या आपस में विचार सांझे करने हों तो इसके लिए बैठक करना या फोन पर बात करना जरूरी हो जाता है। यदि कोई जरूरी नियम या किसी करार के बारे में बात हो तो बातचीत के बाद इस संबंध में लिखित जानकारी भी मुहैया करवा देनी चाहिए ताकि गलती की या किसी संदेश को गलत समझ लेने की भूल न हो।

स्पष्ट बात करें

अपने सहकर्मी को आप जो बात बताना चाहते हैं वह स्पष्ट, सटीक तथा पूरी होनी चाहिए। सहकर्मियों के बीच संवाद का मकसद कार्य को स्थिर गति से आगे बढ़ाना होता है। ऐसे में आपके संवाद में स्पष्टता बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे संवाद लिखित या मौखिक हों आप जो संदेश सामने वाले को देना चाहते हैं वह उसे आसानी से समझ आ जाना चाहिए।

सजग रहें

बातचीत के दौरान गैर-मौखिक संकेतों पर भी गौर करें। सामने वाले के हाव-भाव कैसे हैं, इसके अलावा आपको बातचीत के दौरान अपने हावभाव का भी ध्यान रखना होगा। आंखों से आंखें मिलाकर बातचीत करें। सामने वाले की बात सुनते हुए बीच-बीच में सिर हिलाकर संकेत दिया जा सकता है कि आप उनकी बात को गौर से सुन रहे हैं। ई-मेल भेजने से पहले एक बार गौर से जो लिखा हो, उसे अवश्य पढ़ें ताकि किसी प्रकार की कोई गलती न चली जाए। फोन पर बात करते हुए ई-मेल टाइप न करें।

सामने वाले की भी सुनें

एक अच्छा संवाद स्थापित करने के लिए जरूरी है कि आप अपनी ही न कहते रहें बल्कि सामने वाले की बात भी सुनें और समझें। केवल इसी बात पर अपना ध्यान न केंद्रित रखें कि आपने क्या और कैसे कहना है, सामने वाले की बात को सुनना तथा समझना भी आवश्यक है।

अक्सर बातचीत करें

किसी बड़ी परियोजना पर कार्य करते हुए काफी समय लग सकता है ऐसे में नियमित अंतराल पर बैठकें आयोजित करना बेहतर होगा। समय-समय पर आपस में बातचीत करके परियोजना को बेहतर ढंग से अंजाम दिया जा सकता है इससे गलतफहमियां भी जल्द दूर हो सकती हैं।

अनुभव के बिना नौकरी पाने में हो सकती है कठिनाई

अच्छी नौकरी पाने के लिए छात्र प्रोफेशनल डिग्री पाने पर तो पूरा जोर देते हैं, लेकिन एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए वे ज्यादा मशक्कत नहीं करते. जबकि इन दिनों कंपनियां ऐसे ही कर्मचारियों को नौकरी पर रखना पसंद कर रही हैं, जिनके पास डिग्री के साथ काम का अच्छा अनुभव भी हो.

यूं तो पहले भी कंपनियां नौकरी देने के मामले में अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता देती रही हैं, लेकिन अब कंपनियों के लिए आवेदक का कार्यानुभव उसकी डिग्री से भी ज्यादा मायने रखने लगा है.

बिजनेस स्कूलों के एसोसिएशन ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) द्वारा हाल में कराये गये एक सर्वे में यह बात सामने आयी है कि एक्सपीरियंस और इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी के चलते इस वर्ष देश के कई मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स को नौकरी नहीं मिल सकी है. सर्वे में पाया गया कि 2013 में भारत के जिन मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स को नौकरी नहीं मिली, उसकी बड़ी वजह इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी रही. तकरीबन 47 फीसदी ग्रेजुएट्स को इस वजह से जॉब नहीं मिल पायी, जबकि 29 फीसदी ने कम वेतन के चलते नौकरी ठुकरा दी. 29 फीसदी ग्रेजुएट्स के लिए जॉब नहीं मिलने का कारण आवश्यकता से ज्यादा क्वालिफाइड होना रहा. इस सर्वे में दुनिया के 129 बिजनेस स्कूलों के कुल 915 छात्रों को शामिल किया गया. इनमें अमेरिका के 433, भारत के 129, लैटिन अमेरिका के 109, बाकी एशिया से 96, ऑस्ट्रेलिया से 89, कनाडा से 25 और मिडिल इस्ट/अफ्रीका रीजन के 20 पूर्व एमबीए छात्रों को शामिल किया गया. ग्लोबल लेवल पर इस साल एमबीए और अन्य मास्टर डिग्री वालों के लिए रोजगार मिलने का ट्रेंड पिछले पांच वर्षो के औसतन हिसाब से बेहतर रहा. कुल मिला कर इस वर्ष तकरीबन 90 फीसदी एमबीए छात्रों को जॉब मिलने में सफलता हाथ लगी. हालांकि, पिछले साल यानी 2012 में तकरीबन 92 फीसदी छात्रों को जॉब मिली थी. हालांकि, पांच वर्ष पहले यह आंकड़ा तकरीबन 84 फीसदी था. इस वर्ष यानी 2013 के क्लास के जॉब आंकड़े अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग रहे. सर्वे में शामिल 95 फीसदी अमेरिकी छात्रों को जॉब मिल गयी, जबकि लैटिन अमेरिका में यह आंकड़ा 87 फीसदी रहा. भारत में 87 फीसदी, यूरोप में 82 फीसदी और एशिया के बाकी देशों में 85 फीसदी छात्र जॉब पाने में सफल हुए. सर्वे के वक्त 2013 में पास होनेवाले 10 फीसदी छात्र बेरोजगार थे, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा आठ फीसदी था. सर्वे में शामिल तीन चौथाई (74 फीसदी) छात्रों का कहना था कि उन्होंने अगर एमबीए नहीं किया होता, तो उन्हें जॉब नहीं मिलती.

खालिस्तान समर्थक नारे का आरोपी मालक सिंह पकड़ा गया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने खालिस्तान के समर्थन में नारे लिखने के आरोपी मालक सिंह को हिरासत में ले लिया है। मिली जानकारी के अनुसार पंजाब और हरियाणा में तलाशी के बाद, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सितंबर में आईएसबीटी फ्लाईओवर की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे जाने के मामले में लगभग 35 साल की उम्र के एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। सूत्रों ने बताया कि प्रतिबंधित एसएफजे के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने उन्हें पैसे की पेशकश की थी। शख्स की पहचान मालक सिंह के रूप में हुई है और उसे हरियाणा के कुरूक्षेत्र से हिरासत में लिया गया। सूत्रों ने बताया कि उसे सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के हैंडलर गुरपतवंत सिंह पन्नू ने नौकरी के लिए धन-संबंधी लाभ का वादा किया था। इस तरह की पूरी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए मालक सिंह से पूछताछ की जा रही है। सितंबर में, दिल्ली पुलिस ने एक घटना के बाद आईपीसी की उचित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था, जिसमें कश्मीरी गेट फ्लाईओवर के नीचे की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे पाए गए थे।

लश्कर-ए-तैयबा को इजराइल ने आंतकी संगठन घोषित किया -भारत की बड़ी कटूनीतिक जीत

नई दिल्ली। इजराइल और हमास के बीच संघर्ष को शुरू हुए अब डेढ़ माह से ज्यादा समय हो चुका है। इसमें करीब 12 हजार लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच भारत ने इजराइल पर हुए हमले की कड़ी निंदा कर आतंकवाद तक करार दे दिया। अब इजराइल ने आतंक को लेकर भारत की दृढ़ता का समर्थन कर पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को अपनी आतंकी संगठनों की सूची में शामिल किया है। भारत में इस्राइली दूतावास ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इस्राइली दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि 26/11 के मुंबई हमलों की 15वीं बरसी के मद्देनजर इजराइल ने लश्कर-ए-तैयबा को आतंकी संगठन घोषित करने का फैसला किया है। इस बारे में भारत सरकार की तरफ से इजराइल से कोई अपील नहीं की, इसके बावजूद देश की तरफ से खुद यह कदम उठाया गया है। इजराइली दूतावास ने कहा कि इस लेकर सभी तरह के जरूरी दस्तावेजी कार्यवाही और सत्यापन पूरा कर लिया गया है और इसके बाद अब लश्कर-ए-तैयबा इस्राइल की अवैध आतंकी संगठनों की सूची में शामिल हो गया है। गौरतलब है कि मुंबई में 26 नवंबर 2008 को लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने मुंबई को बम विस्फोटों और गोलीबारी से दहला दिया था। इस आतंकी हमले में 166 लोग मारे गए थे और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। यह हमला 29 नवंबर तक चला था। इसमें नौ आतंकवादी भी मारे गए थे और जिंदा पकड़े गए आतंकवादी कसाब को बाद में फांसी दी गई थी। पाकिस्तानी आतंकियों ने यहूदियों के उपासना स्थल चबाड हाउस (नरीमन हाउस) को भी निशाना बनाया था। दो हमलावरों ने यहूदियों को बंधक बना लिया था। यहां उन्होंने रब्बी गैब्रिएल होल्ट्जबर्ग और उनकी गर्भवती पत्नी रिवकाह होल्ट्ज़बर्ग सहित छह लोगों की हत्या कर दी थी। इस घटना की इजरायल ने कड़ी निंदा की थी।

दूसरे राज्य की एफआईआर पर भी मिल सकती है, अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक फैसला दिया है उसके अनुसार अन्य राज्य में दायर एफआईआर पर गृह राज्य के सत्र न्यायालय तथा हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया जा सकता है।अग्रिम जमानत न्यायालयों द्वारा दी जा सकती है। इसमें क्षेत्राधिकार कोई बाधा नहीं है। न्यायमूर्ति बीबी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जवल भुईया की पीठ ने अपने आदेश में कहा,कि जीवन के अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा संवैधानिक अनिवार्यता है।इसको ध्यान में रखते हुए अदालतों को सीआरपीसी की धारा 438 के तहत सुरक्षा के रूप में अंतरिम अग्रिम जमानत देनी चाहिए। खंडपीठ ने बेंगलुरु के सत्र न्यायाधीश के फैसले के खिलाफ दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई के पश्चात यह आदेश जारी किया है।सत्र न्यायालय ने याचिका कर्ता महिला के आरोपी पति को अग्रिम जमानत याचिका की अनुमति दी थी। जबकि उसके खिलाफ राजस्थान में एफआईआर दर्ज थी। पति के ऊपर दहेज मांगने का आरोप लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है, कि आवेदक के मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए अप्रत्याशित आदेश दिया जा सकता है। लेकिन यह असाधारण परिस्थितियों में ही स्वीकार किया जाना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में अधिकार क्षेत्र के बीच क्षेत्रीय संबंध और निकटता स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि अग्रिम जमानत के लिए कोई भी आरोपी दूसरे राज्य की यात्रा करे,यह उचित नहीं है।

पीएम मोदी के साथ सीएम योगी को बम से उड़ाने की धमकी, मुंबई पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी भरा फोन मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को आया। फोन करने वाले ने खुद को दाऊद इब्राहिम का आदमी होने का दावा किया। इससे पुलिस बल में हड़कंप मच गया। आखिरकार पुलिस ने जांच कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. आपको बता दें कि पिछले कुछ महीनों से मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम को लगातार धमकी भरे फोन कॉल और ई-मेल आ रहे हैं. सोमवार रात एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया। आरोपी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी दी। आरोपी यहीं नहीं रुका, उसने मुंबई के जेजे अस्पताल को भी बम से उड़ाने की धमकी दी। कॉल करने वाले आरोपी ने दावा किया कि मैं कुख्यात गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम का आदमी हूं। इसलिए पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया. पुलिस ने तुरंत जांच शुरू किया आरोपी का पता लगाकर मुंबई के चूनाभट्टी इलाके से 29 साल के एक संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपी का नाम कामरान खान है. इस धमकी का असली मकसद क्या है इसकी जांच आजाद मैदान पुलिस कर रही है.

डीएम की कार से कुचलकर महिला समेत तीन लोगों की मौत

-दरभंगा से मधेपुरा जाते समय हुआ हादसा, गुस्साई भीड़ ने कार पर किया हमला

मधुबनी। फुलपरास पुरवारी टोला के पास मधेपुरा डीएम की कार से भयानक हादसा हो गया। इस हादसे में एक महिला समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। डीएम अरविंद कुमार ने तीन लोगों के मरने की पुष्टि की है। डीएम की कार हादसे के समय दरभंगा से मधेपुरा की ओर जा रही थी। बिहार के मधुबनी में

मंगलवार 21 नवंबर की सुबह मधेपुरा डीएम की कार से फुलपरास पुरवारी टोला के पास कुछ लोग कुचल गये। इस हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में घायल हुए अन्य तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना सुबह करीब सात से आठ बजे के बीच की बताई जा रही है। घटना के संबंध में जानकारी देते डीएम अरविंद कुमार ने तीन लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दो से तीन लोग घायल हुए हैं, जिन्हें एंबुलेंस में इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। मामला संवेदनशील होने के कारण उन्होंने घटना की पूरी जानकारी प्राप्त करने के बाद ही कोई बयान जारी करने को कहा है। जानकारी अनुसार मधेपुरा के वर्तमान डीएम विजय प्रकाश मीणा की कार दरभंगा से मधेपुरा की ओर जा रही थी। इसी बीच रास्ते में हादसा हो गया। इस हादसे में डीएम की कार रेलिंग से टकरा गई। इस हादसे में मरने वाले तीन लोगों में एक महिला, एक बच्चा और एक मजदूर शामिल है। गंभीर रुप से घायल हुए लोगों को इलाज के लिए फुलपरास रेफरल अस्पताल से डीएमसीएच रेफर किया गया है। वहीं हादसे से आक्रोशित भीड़ ने एनएच-57 में जाम लगा दिया और डीएम की कार में तोड़-फोड़ कर दी। हादसे के बाद कार चालक समेत सवार लोग घटना स्थल से फरार हो गए।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने राज्य को कर्ज के बोझ में डुबो दिया: केंद्रीय मंत्री सीतारमण

हैदराबाद, (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 2014 में अपने गठन के समय राजस्व अधिशेष रहा तेलंगाना अब राजस्व घाटे वाला प्रदेश बन गया है और इसके लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव जिम्मेदार हैं। सीतारमण ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव में मल्काजगिरि से भाजपा के उम्मीदवार एन रामचंद्र राव के सम्मान में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना की अगली दो से तीन पीढ़ियां कर्ज चुकाती रहेंगी।

वित्त मंत्री ने कहा कि तेलंगाना एक ऐसा राज्य है जो शराब, पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने का विरोध कर रहा है और यदि इन्हें जीएसटी के तहत लाया जाता है तो दरें उचित हो जाएंगी। उन्होंने कहा, ''राजस्व अधिशेष (2014 में) रहा राज्य अब राजस्व घाटे वाला राज्य बन गया है। इसका श्रेय केसीआर को जाता है। आज तेलंगाना कर्ज में डूबा है। अगली दो से तीन पीढ़ियों में हमारे बच्चों को इस कर्ज को चुकाना होगा।'' वित्त मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि संप्रग सरकार में हमारे सैन्य कर्मियों को न केवल बुलेट-प्रूफ जैकेट से, बल्कि अन्य सुरक्षा उपकरणों से भी वंचित रखा गया था और उन 10 सालों में कोई खरीद नहीं की गई। राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के संबंध में सीतारमण ने कहा कि यह सरकारों के बीच समझौता था और तय कार्यक्रम के अनुसार सभी विमानों की आपूर्ति की गई है।

सीतारमण ने कहा, ''राष्ट्रीय हित में फैसले लिए जाते हैं। कोई रिश्वत का लेनदेन नहीं हुआ या किसी कंपनी के साथ हमने सौदेबाजी नहीं की।'' भाजपा प्रत्याशी रामचंद्र राव के लिए मतदान करने की अपील करते हुए सीतारमण ने कहा कि वह पार्टी के निष्ठावान नेता हैं और उनकी स्वच्छ छवि है।

राम मंदिर का उद्घाटन कल्याण सिंह की पत्नी से कराया जाए

-सपा नेता जमीरुल्लाह ने क्यों रखी यह मांग

अलीगढ़। अयोध्या राम मंदिर में 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की जाना है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खास तौर पर आमंत्रित किया गया है। ऐसे में समाजवादी पार्टी के नेता और अलीगढ़ से दो बार विधायक रहे जमीरुल्लाह खान ने मांग की है कि राम मंदिर का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह की पत्नी से कराया जाना चाहिए। सपा नेता जमीरुल्लाह का कहना है, कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान किसी ने भी पद नहीं छोड़ा था, लेकिन उन्होंने (कल्याण सिंह) राम मंदिर के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी पर भी लात मार दी थी। इसलिए राम मंदिर का उद्घाटन दिवंगत कल्याण सिंह की पत्नी से कराया जाना चाहिए। यह उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सपा से पूर्व विधायक जमीरुल्लाह का यह बयान इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि समाजवादी पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस मुद्दे पर अब तक बचकर बयान देता रहा है। जमीरुल्लाह का कहना है, कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान सिर्फ इकलौते शख्स बाबूजी (कल्याण सिंह) ने त्याग दिया था। गौरतलब है कि अयोध्या राम मंदिर उद्घाटन की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। निमंत्रण को लेकर भी रोज ही कोई न कोई खबर आ रही है। राममंदिर के मुख्य ट्रस्टी और महासचिव चंपत राय का कहना है कि 22 जनवरी को हाई सिक्योरिटी के प्रबंध किए गए हैं। चूंकि समारोह में आमंत्रितों को लेकर भी खबरें आम हो चली हैं। ऐसे में उन्होंने कहा कि मुख्य समारोह के लिए आमंत्रित व्यक्तियों की लिस्ट भी तैयार की जा रही है। महासचिव राय ने बताया कि वाराणसी के पुजारी राधे श्याम दीक्षित ने 22 जनवरी की तारीख दी है और उसी दिन अनुष्ठान भी होगा।

समिति ने वन नेशन, वन इलेक्शन को बताया देशहित का मामला

-पैनल चीफ रामनाथ कोविंद ने रायबरेली में मीडिया से बातचीत में गिनाए फायदे

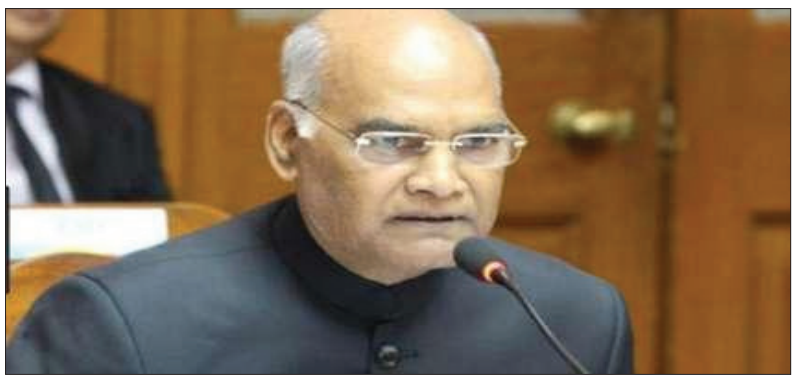

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में वन नेशन, वन इलेक्शन का प्रस्ताव लागू होता है तो इससे केवल सरकार ही नहीं बल्कि जनता का भी फायदा होगा। प्रस्ताव के लिए गठित की गई उच्चस्तरीय समिति के अध्यक्ष रामनाथ कोविंद ने वन नेशन, वन इलेक्शन के फायदे गिनाए हैं। उन्होंने एक देश, एक चुनाव के विचार का समर्थन करते हुए कहा कि केंद्र में चाहे भाजपा हो या कोई और दल, उसे इसका सीधा फायदा मिलेगा और जनता भी लाभान्वित होगी। उन्होंने इसे देशहित में बताया है। अगर वन नेशन वन इलेक्शन लागू होता है तो राजस्व की बचत होगी और जनता का पैसा चुनाव में खर्च होने की जगह उनके हित में खर्च होगा। इस पैसे को विकास कार्यों में लगाया जा सकेगा। रामनाथ कोविंद रायबरेली में मीडिया से बात कर रहे थे। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि पार्ल्यामेंट्र पैनल, नीति आयोग और चुनाव आयोग ने एक साथ चुनाव कराने को लेकर अपनी रिपोर्ट दे दी है। आजाद भारत में 1952 से लेकर 1967 तक एक साथ ही चुनाव कराए जाते थे। हालांकि बाद में लोकसभा या फिर राज्य की विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने की वजह से चुनाव का समय बदल गया और अलग-अलग समय पर चुनाव होने लगे। कोविंद ने कहा, सरकार ने उच्चस्तरीय समिति बनाई है और मुझे इसकी जिम्मेदारी दी है। इसके लिए कमिटी के सदस्यों और जनता ने अपने सुझाव दिए हैं।

उन्होंने कहा कि समिति रजनीतिक दलों से भी उनके सुझाव और विचार मांगेगी। उन्होंने कहा, सभी दलों ने वन नेशन वन इलेक्शन का सपोर्ट किया है। कुछ मामलों में राजनीतिक दलों के विचार अलग-अलग हैं। लेकिन यह देशहित का मामला है। किसी एक दल के हित के लिए इसपर विचार नहीं किया जा रहा है। बता दें कि संसद के विशेष सत्र के बाद 2 सितंबर को सरकार ने यह पैनल बनाया था। वहीं कांग्रेस कार्यकारी समिति की बैठक में वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था और इसे संविधान का उल्लंघन बताया था। जबकि राहुल गांधी, जयराम रमेश और पी चिदंबरम जैसे नेताओं ने भी इसका विरोध किया था।

इस समिति में कुल आठ सदस्य हैं जिसमें गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद, 15वें वित्त आयोग के चेयरमैन रहे एनके सिंह, पूर्व लोकसभा सचिव सुभाष सी कश्यप, सीनियर वकील हरीश साल्वे, पूर्व विजिलेंस कमिश्नर संजय कोठारी और कांग्रेस के लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी शामिल हैं। हालांकि चौधरी ने इस पैनल में शामिल होने से इनकार कर दिया था। ऐसे में वह बैठकों में भी हिस्सा नहीं लेते हैं। इस समिति की बैठक में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी शामिल हुए थे।

पिछले कामों ने राजस्थान में भाजपा की उम्मीदों पर पानी फेर दिया : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि कांग्रेस सरकार के पिछले कामों ने भाजपा की उम्मीदों पर पानी फेर दिया हे। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह पूरी तरह से व्याकुल हैं और हताशा में झूठ पर झूठ बोल रहे हैं, क्योंकि भाजपा को राजस्थान में जीतने की बहुत कम उम्मीद थी, वह भी टूट गई। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस की सात गारंटी और पिछले पांच साल में हुए काम ने भाजपा की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि इस चुनावी मौसम में एक बात ध्यान देने लायक है। पांच राज्यों में चुनाव हैं, लेकिन जब प्रधानमंत्री राजस्थान आते हैं तो उन्हें खूब झूठ बोलना पड़ रहा है। यहां एक के बाद एक बयान दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाकी चार राज्यों में भाजपा मुकाबले में ही नहीं है, जबकि राजस्थान में उन्हें पिछले दशकों की परिवर्तन की परंपरा के कारण थोड़ी बहुत उम्मीद थी। लेकिन चिरंजीवी योजना और हमारी सात गारंटी सहित कांग्रेस सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं ने यहां भी उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि हम अपने काम के दम पर जनता के बीच जा रहे हैं। हमने अपने वादे पूरे किए हैं और लोगों को हमारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाएं प्रदेश की जनता को मोदी निर्मित महंगाई से राहत दे रही हैं। हमारे वादे पूरे करने के पिछले पांच साल के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए लोग कांग्रेस की सात गारंटी पर भरोसा करने लगे हैं। हर वर्ग के लोग हमारे साथ हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री पूरी तरह से व्याकुल हैं। हताशा और निराशा में वह झूठ पर झूठ बोल रहे हैं। लेकिन राजस्थान की जनता उनकी बातों से गुमराह होने वाली नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल सरकार को फटकार, विज्ञापन के लिए पैसा, आरआरटीएस प्रॉजेक्ट के लिए नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरआरटीएस प्रॉजेक्ट (रैपिड रेल) के लिए दिल्ली की आप सरकार की ओर से बजट नहीं देने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल सरकार को कड़े शब्दों में फटकार लगाकर कहा कि उनके विज्ञापन का पैसा प्रॉजेक्ट में लगा दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल सरकार को एक सप्ताह की मोहलत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इसके पहले जुलाई में भी केजरीवाल सरकार से नाराजगी जाहिर की थी और प्रॉजेक्ट के लिए पैसा जारी करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, दिल्ली सरकार ने इस कोर्ट के आदेश का पालन क्यों नहीं किया? हम आपके (दिल्ली सरकार) विज्ञापन बजट पर स्टे लगा देने को तैयार हैं। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने यह भी निर्देश दिया कि दिल्ली सरकार के विज्ञापन फंड को प्रॉजेक्ट के लिए ट्रांसफर कर दिया जाए। हालांकि, इस आदेश को एक सप्ताह की अवधि के लिए स्थगित रखा गया है। सबसे बड़ी अदालत ने कहा कि यदि एक सप्ताह में दिल्ली सरकार फंड ट्रांसफर नहीं करती है, तब यह आदेश लागू हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यदि इसतरह के राष्ट्रीय प्रॉजेक्ट प्रभावित होते हैं और पैसा विज्ञापन पर खर्च किया जा रहा है, तब हमें कहना होगा कि पैसा इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए भेज दिया जाए। दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुईं वरिष्ठ वकील मीनाक्षी अरोड़ा ने एक सप्ताह का समय मांगा। जस्टिस कौल ने कहा कि मामले को एक सप्ताह बाद सूचीबद्ध किया जाएगा और यदि फंड नहीं दिया गया तब आदेश प्रभावी होगा।

जो किसान पराली जला रहे, उन्हें एमएसपी का लाभ मत दो : सुप्रीम कोर्ट

-पंजाब सरकार के माध्यम से केन्द्र को किया आगाह, बिहार का दिया उदाहरण

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने वाले किसानों को एमएसपी का लाभ नहीं देने केन्द्र सरकार को आगाह किया है। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने के मसले पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कई बार रोकने के बावजूद भी किसान पराली जलाना बंद नहीं कर रहे हैं, इस पर सख्त टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार के माध्यम से केंद्र सरकार से कहा कि जो किसान पराली जला रहे हैं, उन्हें एमएसपी का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिहार में किसान पराली को जलाते नहीं, बल्कि अपने हाथों से काटते हैं। सुनवाई से पहले पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया और पंजाब सरकार ने कहा कि पराली जलाए जाने को लेकर 2 करोड़ हर्जाना वसूला गया है। पंजाब सरकार ने कहा पंजाब के 6 जिले में पूरी तरीके से पराली नहीं जलाया गया है। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बच्चे और बीमार लोग प्रभावित हो रहे हैं, पराली जलाना जारी है। इस पर जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा कि ऐसी फसलों पर इमसेंटिव दिया जाए जिनके अपशिष्ट जलाने की जरूरत ना पड़े। लेकिन यह इंसेंटिव एमएसपी जैसा ही होना चाहिए। जवाब में पंजाब सरकार ने कहा कि हमने पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है और करीब 100 एफआईआर दर्ज किया है। इस पर जस्टिस कौल ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वाले लोगों को आर्थिक लाभ क्यों मिले? सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी करते हुए कहा जो किसान पराली जला रहे हैं, उन्हें एमएसपी का लाभ नहीं मिलना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा कि जो लोग पराली जलाने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकार की तरफ से जो मशीनें दी गई हैं, उस पर 80 फीसदी की सब्सिडी दी जा रही है। पंजाब सरकार ने कहा अन्य फसलों पर भी सब्सिडी दिए जाने की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि एक समस्या यह है कि जो लोग पराली जला रहे हैं वे यहां नहीं आएंगे। बिहार में वे इसे अपने हाथों से काटते हैं। हम समझते हैं कि जिन लोगों के पास पर्याप्त जोत है, उनके पास मशीनीकृत कटाई के साधन हैं, लेकिन छोटी जोत वाले लोग पराली जलाने को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। वहीं पंजाब सरकार ने दलील दी कि पंजाब और दिल्ली में पराली जलाने की घटनाएं बहुत कम हैं। अन्य पड़ोसी राज्य यूपी, हरियाणा और राजस्थान का असर है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसान को विलेन बनाया जा रहा है और उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उसके पास पराली जलाने के कुछ कारण होंगे। हमें इस विचार करने की जरूरत है।

हिमाचल में भी हुआ था उत्तरकाशी जैसा हादसा, सुरक्षित निकाले गए थे मजदूर

उत्तराखंड टनल हादसा: सभी 41 मजदूर सुरक्षित, बचाने की कोशिश जारी

शिमला (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तराकाशी में सिल्क्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को बचाने की कोशिशें जारी हैं। फिलहाल, सभी मजदूर सकुशल हैं और उन्हें खाना और पानी दिया जा रहा है। अहम बात है कि सिल्क्यारा सुरंग की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी 9 साल पहले ऐसा ही हादसा हुआ था, जिसमें दो मजदूर 10 दिन बाद बिना खाने के जिंदा निकले थे। इन दोनों मजदूरों ने दस दिन तक अंदर गंदा पानी पीया और कागज खाए थे। बड़ी बता है कि तीन दिन तक टनल में फंसे हुए मजूदरों की संख्या का पता नहीं चल पाया था। जानकारी के अनुसार 12 सितंबर 2015 की यह घटना है, जब हिमाचल प्रदेश के बिलासरपुर जिले में कीरतपुर मनाली फोरलेन पर निर्माणाधीन टनल अंदर से ढह गई थी। इस दौरान तीन मजदूर अंदर फंस गए थे। सिरमौर और मंडी जिले के ये दोनों मजूदर थे। मंडी जिले के उप तहसील की नलवागी पंचायत के करेरी गांव निवासी मणिराम और सिरमौर के सतीश तोमर टनल में फंसे रहे थे। दोनों ने रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बताया था कि टनल के अंदर गंदा पानी और कागज के टुकड़े उन्होंने खाए थे।

गौरलतब है कि इस रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान जहां टनल के अंदर से ड्रिलिंग की गई। वहीं टनल के ऊपर से भी आधुनिक ड्रिलिंग मशीन से छेद किया गया। टनल के ऊपर से लगभग 42 मीटर होल से एनडीआरएफ का जवान टनल में उतरा था और फिर दोनों मजदूरों को बारी-बारी रस्से से बांध कर ऊपर भेजा गया। 10वें दिन के बचान अभियान के दौरान एनडीआरएफ के सब इंस्पेक्टर नरेश ने 1.3 मीटर चौड़े होल से टनल में प्रवेश किया था। वह सुबह टनल में उतरे, लेकिन, कंकरीट होने के कारण वह टनल के अंदर नहीं जा सके। फिर दोबारा कोशिश में वह अंदर पहुंचने में कामयाब हुए थे। पूरे अभियान के दौरान टनल के ऊपर और साथ साथ खुदाई की गई। उस दौरान आईएएस अफसर मानसी सहाय बिलासपुर की डीसी थी और उनके नेतृत्व में ही यह रेस्क्यू ऑपरेशन चला था। अब बताया जा रहा है कि उन्होंने उत्तराखंड के सीएम से भी बात की है और तकनीकी जानकारी सांझा की है।

हूती विद्रोहियों ने हाइजैकिंग का कथित वीडियो साझा किया

– तुर्की से भारत आ रहे जहाज को किया है हाइजैक

साना। हूती द्वारा किये गए हाइजैक मालवाहक जहाज का कथित वीडियो वायरल हुआ है। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो क्लिप हूती विद्रोहियों ने जारी किया है और जहाज को इजराइली बताया है। इजराइल ने जहाज उनका होने से साफ इंकार किया है और उनका कहना है कि हाईजैक जहाज पर कोई इजराइली नागरिक भी नहीं है। जानकारी अनुसार यमन के हूती विद्रोहियों ने हाइजैक मालवाहक जहाज गैलेक्सी लीडर का एक कथित वीडियो जारी किया है। हूती विद्रोहियों ने इस बात पर जोर दिया है कि जहाज इजरायली है। वहीं दूसरी तरफ इजराइल ने उनका जहाज होने से साफ इनकार किया है अैर कहा हैकि उस जहाज पर उनका कोई नागरिक भी नहीं है। गौरतलब है कि उक्त मालवाहक जहाज तुर्की से भारत की ओर जा रहा था, तभी बीच में उसे हूती विद्रोहियों ने हाइजैक कर लिया। शिप हाइजैक के रोंगटे खड़े कर देने वाले वीडियो क्लिप जारी किये गये हैं। करीब दो मिनट के इस वीडियो क्लिप में शिप हाइजैक को दिखाया गया है। इस वीडियो क्लिप पर देखा जा सकता है कि किस प्रकार से विद्रोही एक हेलीकॉप्टर के जरिये आते हैं और जहाज के डेक पर उतरते हैं। उस वक्त डेक पर कोई नजर नहीं आता है। इसके बाद विद्रोही नारे लगाते हैं और हवा में गोलियां चलाते हुए व्हीलहाउस और नियंत्रण केंद्र पर कब्ज़ा करते हुए, डेक के पार भागते नजर आते हैं। वीडियो में क्रू मेम्बर्स को हाथ ऊपर करते और सरेंडर करते देखा जा सकता है। इसी बीच अन्य विद्रोही जो जहाज पर गोलीबारी करते हुए भागते नजर आते हैं। इस बीच समुद्री सुरक्षा कंपनी अंब्रे और यमनी समुद्री स्रोत के हवाले से खबर आई कि जहाज को फिर से होदेदा प्रांत के यमनी बंदरगाह सलीफ पर भेज दिया गया है। इजराइल ने जहाज हाइजैकिंग की निंदा करते हुए ईरान पर भी निशाना साधा है और उसकी आलोचना की है। इससे पहले हूती प्रवक्ता मोहम्मद अब्दुल सलाम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए इजराइल से गाजा अभियान को रोकने की मांग की थी और ऐसा नहीं करने पर समुद्री हमले करने की भी धमकी दी थी।

स्वास्तिक निशाना को लेकर एकजुट हुआ इंडो-कनाडियन समुदाय

-प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से की माफी की मांग

ओटावा । कनाडा में हिंदू विरोधी गतिविधियों के बीच स्वास्तिक को लेकर भी तरह-तरह के भ्रम फैलाए जा रहे हैं। इजरायल और हमास में युद्ध के बीच कनाडा में कई जगहों पर स्वास्तिक जैसा निशान बना पाया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी स्वास्तिक निशान के खिलाफ बयान दिया था। वहीं अब इंडो-कनाडियन समुदाय ने रीक्लेम स्वास्तिक नाम से अभियान शुरू कर दिया है। अभियान में लोग नाजियों द्वारा इस्तेमाल किए गए निशान और स्वास्ति के बीच का अंतर समझा रहा है। इसके अलावा हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध समुदाय में इस निशान की महत्ता के बारे में भी समझा रहे हैं। बता दें कि यहूदियों की कई जगहों पर बीते दिनों धमकी के साथ नाजी वाला निशान बनाया गया। इसके अलावा ओटावा में एक रैली के दौरान भी वैसा ही निशान दिखाया गया। प्रधानमंत्री ट्रूडो ने इसके बाद सोशल मीडिया पर लिखा, संसद के सामने इस तरह से स्वास्तिक का निशाना दिखाना बर्दाश्त नहीं होगा। इसके अलावा टोरंटो पुलिस की वेबसाइट पर भी स्वास्तिक को हेट सिंबल के रूप में बताकर कहा गया कि अगर कोई इसका इस्तेमाल करता है तब उसपर आपराधिक धाराएं लगेगी। इसके बाद इंडो-कनाडियन समुदाय ने इसका विरोध शुरू किया। कनाडियन ऑर्गनाइजेशन फॉर हिंदू हेरिटेज ऐंड एजुकेशन स्वास्तिक रीक्लेम अभियान शुरू कर दिया। कनाडाई एजेंसियों और पुलिस को भी इसकी जानकारी दी गई और कहा गया कि स्वास्तिक का निशान समृद्धि का परिचायक है और इसका इस्तेमाल पवित्र रूप में मंदिरों, घरों और कार्यालयों में किया जाता है। बोर्ड मेंबर रुची वाली ने कहा, स्वास्तिक कोई घृणा का निशान नहीं है। यह एक प्राचीन निशान है जिसका इस्तेमाल हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध करते हैं। नाजियों ने इसका उपयोग कभी नहीं किया। वे एक हुक वाले क्रॉस का इस्तेमाल किया करते थे। स्वास्तिक को गलते उसके साथ जोड़ दिया गया है। यह हिंदूफोबिक हो गया है कि स्वास्तिक को हेट सिंबल बताया जा रहा है। यह समृद्धि और शांति का प्रतीक है। यहूदी समुदाय ने भी इस विचार को माना है। यहूदी संगठन के रिचर्ड मरस्यू ने कहा कि हाल ही में कई रैलियों में नाजियों के निशान को लहराया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर हिंदू समुदाय के साथ संपर्क में हैं।

अवैध तरीके से पलायन कर रहे 662 लोगों को रोका गया : संरा

त्रिपोली । अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने कहा है कि पिछले सप्ताह लीबिया के तट से 662 अवैध तरीके दूसरे देश में जाने की कोशिश कर रहे लोगों को बचाया गया है। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी ने कहा, 12-18 नवंबर के बीच 662 प्रवासियों को रोका गया और वे लीबिया लौट आए। संरा के मुताबिक इस साल अब तक 14,894 अवैध प्रवासियों को बचाकर लीबिया लौटा दिया गया। संरा ने बताया कि लीबिया के तट से दूर मध्य भूमध्य मार्ग पर 940 की मौत हुई और 1,248 लोग लापता हुए हैं। हो गए। उल्लेखनीय है कि साल 2011 में मुअम्मर गद्दाफी के पतन के बाद से लीबिया को हिंसा और असुरक्षा का सामना करना पड़ा है। कई प्रवासियों ने लीबिया से यूरोपीय तटों तक भूमध्य सागर पार करने का विकल्प चुना है।

जियांग्सू प्रांत में फैक्ट्री में आग लगने से सात की मौत

नानजिंग । पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत में एक फैक्ट्री में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई। वूशी शहर में टियांटियनरन टेक्सटाइल एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड में करीब साढ़े छह बजे आग लग गई। राहत एवं बचाव कार्य समाप्त होने के बाद सात लोग मृत पाए गए। यह कंपनी 20 वर्षों से अधिक समय से काम कर रही है, और घरेलू बाजार और विदेशी दोनों बाजारों में उत्पाद बेचने वाली एक बड़ी यार्न निर्माता है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

कुएर्नवाका शहर में गोलीबारी, दो पुलिस अधिकारियों सहित 9 की मौत

कुएर्नवाका। मैक्सिको के कुएर्नवाका शहर में पुलिस और हथियारबंद लोगों के बीच गोलीबारी में दो पुलिस अधिकारियों सहित नौ लोगों की मौत हुई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। सुरक्षा एजेंसी ने बयान में कहा कि बंदूकधारी लोगों के एक काफिले द्वारा सड़क पर शराब पी रहे लोगों पर गोलीबारी करने और एक व्यक्ति का अपहरण करने की कोशिश करने के बाद शुरू हुई गोलीबारी में दो अन्य पुलिस अधिकारी घायल हो गए। इसमें कहा गया है कि अपराधी राइफल, बैलिस्टिक जैकेट और रेडियो से युक्त थे और शहर के विभिन्न हिस्सों में पुलिस से भिड़ गए। कुएर्नवाका मैक्सिको सिटी से 50 मील दक्षिण में स्थित है और प्रतिस्पर्धी संगठित अपराध समूहों की हिंसा का गढ़ रहा है।

बुशरा बीबी के पूर्व पति का गंभीर आरोप, मेरी शादीशुदा जिंदगी इमरान ने बर्बाद कर दी

-मेरी इजाजत के बिना घर आकर बुशरा बीबी से मिलते थे

कराची । पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी के पूर्व पति खावर फरीद मानेका ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। दरअसल मानेका ने इमरान खान के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं, और उनकी शादीशुदा जिंदगी बर्बाद करने का आरोप लगाया है। मानेका ने कहा कि इमरान ने बुशरा बीबी से शादी के लिए उनकी तलाक की प्रक्रिया को भी जल्दी कराया। मानेका ने बताया कि पिंकी (बुशरा बीबी) ने तलाक से छह महीने पहले ही उनका घर छोड़ दिया था और अपने पिता के घर रहने लगी थीं। मानेका ने कहा कि हमारी शादी 28 साल तक चली। हमारी शादीशुदा जिंदगी काफी खुशहाल थी लेकिन इमरान ने पीर-मुरीदी की आड़ में मेरी शादीशुदा जिंदगी को बर्बाद कर दिया। मानेका ने बताया कि इमरान मेरी इजाजत के बिना भी मेरे घर आते थे। वह इमरान के उनके घर आने और पत्नी से मुलाकात से खुश नहीं थे। मानेका ने बताया कि एक बार उन्होंने अपने घर के नौकर की मदद से इमरान खान को घर से बाहर निकाल दिया था। मानेका का आरोप है कि उनके बुशरा बीबी से तलाक के डेढ़ महीने बात ही इमरान ने बुशरा बीबी से निकाह कर लिया था।

अल्बानिया की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के एक सांसद ने सोमवार को तिराना, अल्बानिया में संसद सत्र के दौरान विरोध के संकेत के रूप में एक रंगीन धुआं बम जलाया।

फिलिस्तीन ने किया दावा, अपने ही लोगों को मार रहा इजरायल

जेरुसलेम । फिलिस्तीन ने दावा किया है कि इजरायल अपने ही लोगों को मार रहा है। जबकि इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है। दरअसल इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फिलिस्तीनी राष्ट्रीय प्राधिकरण के इस दावे को 'निरर्थक' बताया कि इजरायल ने गाजा के पास एक संगीत समारोह में अपने ही नागरिकों का नरसंहार किया था। नेतन्याहू ने कहा कि यह 'सच्चाई' का पूरा उलट है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनी प्राधिकरण का नेतृत्व राष्ट्रपति महमूद अब्बास करते हैं। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में नेतन्याहू ने कहा कि 'महमूद अब्बास ने पहले प्रलय के अस्तित्व से भी इनकार किया था, उन्होंने हमास के अस्तित्व से भी इनकार किया था, जिसने 7 अक्टूबर को इजरायल पर एक आश्चर्यजनक हमला किया था।' उन्होंने आगे कहा कि 'आज, रामल्लाह में फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण ने पूरी तरह से बेतुकी बात कही। उसने इस बात से इनकार किया कि यह हमास था जिसने गाजा के पास पार्टी में भयानक नरसंहार को अंजाम दिया था। उसने वास्तव में इजरायल पर उस नरसंहार को अंजाम देने का आरोप लगाया। यह सच्चाई से पूरी तरह उलट है। जिन्होंने अतीत में नरसंहार के अस्तित्व से इनकार किया था, आज हमास नरसंहार के अस्तित्व से इनकार कर रहे हैं और यह अस्वीकार्य है।' पीएम नेतन्याहू ने कहा कि फिलिस्तीन के राष्ट्रपति की टिप्पणी स्वीकार्य नहीं है, और यह इस क्षेत्र में शांति हासिल करने का तरीका भी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि 'मेरा लक्ष्य है कि हमास को नष्ट करने के अगले दिन, गाजा में कोई भी भावी नागरिक प्रशासन नरसंहार से इनकार नहीं करेगा, अपने बच्चों को आतंकवादी बनने के लिए शिक्षित नहीं करेगा, आतंकवादियों के लिए भुगतान नहीं करेगा और अपने बच्चों को यह नहीं बताएगा कि जीवन में उनका अंतिम लक्ष्य क्या है, इजरायल का विनाश और विघटन को देखना। नेतन्याहू ने कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है और यह शांति हासिल करने का तरीका भी नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में फिर भारत ने मानवीय आधार पर युद्ध विराम के प्रयासों को सराहा

वाशिंगटन (एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच पिछले कई दिनों से युद्ध जारी है, इस जंग में अब तक 12 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई। इस बीच, भारत ने मानवीय आधार पर युद्ध विराम के प्रयासों को सराहा। साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय के उन प्रयासों की भी सराहना की है, जिनका उद्देश्य तनाव कम करना और फलस्तीन के लोगों को तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करना है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पूर्ण सत्र की अनौपचारिक बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत का संदेश स्पष्ट और सुसंगत रहा है। उन्होंने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय समुदाय के उन सभी प्रयासों का स्वागत करता है, जो संघर्ष को कम करने की दिशा में प्रयास करते हैं और फलस्तीनियों को तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं।

उन्होंने कहा, हम आतंकवाद के सभी स्वरूपों का दृढ़ता से विरोध करते हैं। स्पष्ट रूप से हिंसा के खिलाफ हैं और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करने के पक्ष में हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करते हैं कि आगे और तनाव बढ़ने से रोका जाए, मानवीय सहायता जारी रहे, सभी बंधकों को बिना शर्त रिहा किया जाए। इसके अलावा, सभी पक्ष शांति एवं स्थिरता की जल्द बहाली की दिशा में काम करें। कंबोज ने कहा कि भारत मानवीय आधार पर युद्ध विराम के प्रयासों का भी स्वागत करता है।

माल्टा द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव के पक्ष में 12 वोट

पिछले हफ्ते, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पूरे गाजा में तत्काल मानवीय आधार पर युद्ध विराम का आह्वान किया ताकि गाजा पट्टी में मदद पहुंचाई जा सके। इसके लिए पंद्रह सदस्यीय परिषद ने पिछले बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें हमास और अन्य समूहों, विशेष रूप से बच्चों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई के साथ-साथ तत्काल मानवीय पहुंच सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कंबोज ने 70 टन आपदा राहत सामग्री पहुंचाने सहित फलस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता देने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इसमें दो किस्तों में 17 टन दवाएं और चिकित्सा आपूर्ति शामिल हैं।

इजरायल और हमास की जंग में चीन को मिला युद्ध खत्म कराने का मौका

-अरब और इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों का एक प्रतिनिधिमंडल करेगा बैठक

बीजिंग (एजेंसी)। इजरायल-हमास की जंग में चीन को युद्ध खत्म करने के लिए चर्चा कराने का मौका मिल रहा है। जानकारी मिली है कि इसी बीच चार बड़े इस्लामिक देश चीन में बैठक करने जा रहे हैं। इसमें पेलेस्टाइन (फिलिस्तीन) अथॉरिटी के प्रतिनिधिमंडल शामिल होने जा रहे हैं। संभावनाएं जताए जा रही हैं कि इस बैठक के दौरान संघर्ष को शांत करने पर बड़ी चर्चाएं हो सकती हैं। खास बात है कि चीन जारी युद्ध को खत्म करने की अपील कर रहा है। अरब और इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों का एक प्रतिनिधिमंडल 20 से 21 नवंबर तक चीन के दौरे पर रहेगा। हमास और इजरायल युद्ध के बीच इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद, जॉर्डन के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री अयमान सफादी, मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी, इंडोनेशियाई विदेश मंत्री रेटनो मार्सुडी, फिलिस्तीनी विदेश मंत्री रियाद अल-मलिकी और इस्लामिक सहयोग संगठन के महासचिव हिसेन ब्राहिम ताहा शामिल हैं।

इस दौरान माओ ने कहा कि यात्रा के दौरान, चीन मौजूदा फिलिस्तीनी-इजरायली संघर्ष को कम करने, नागरिकों की रक्षा करने और फिलिस्तीनी प्रश्न का उचित समाधान खोजने के तरीकों पर प्रतिनिधिमंडल के साथ गहन संचार तथा समन्वय करेगा। चीन ऐतिहासिक तौर पर फिलिस्तीन का हमदर्द रहा है और द्विराष्ट्र के समाधान का समर्थन करता रहा है। बीते महीने भी विदेश मंत्री वांग यी ने फिलिस्तीन अथॉरिटी के विदेश मंत्री रियाद अल मालिकी से बात की थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फिलिस्तीन के लिए बीजिंग अपनी सहानुभूति व्यक्त करता है। जो बाइडेन ने कहा कि वह वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनी नागरिकों पर हमला करने वाले इजरायली चरमपंथियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने जा रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बाइडेन ने कहा कि हम शांति के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। वेस्ट बैंक को एक फिलिस्तीनी प्राधिकरण शासन के अधीन होना चाहिए। बाइडेन ने कहा कि इस क्षेत्र में फिलिस्तीनी नागरिकों खिलाफ चरमपंथी हिंसा रुकनी चाहिए और हिंसा करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यहां हिंसा करने वाले इजरायली नागरिकों पर अमेरिका वीजा प्रतिबंध लगा सकता है। अगर ऐसा होता है तो 2021 में सत्ता संभालने के बाद इजरायल के खिलाफ अमेरिका का ये सबसे कड़ा कदम होगा।

महासागर के सबसे गहरे बिंदु तक पहुंचने वाले पहले व्यक्ति डॉन वॉल्श का निधन

ओरगॉन । महासागर के सबसे गहरे बिंदु तक पहुंचने वाले सबसे पहले समुद्री खोजकर्ता एवं नौसेना के सेवानिवृत्त कैप्टन डॉन वॉल्श का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनकी बेटी एलिजाबेथ वॉल्श ने कहा कि वॉल्श का निधन मर्टल पॉइंट, ओरेगॉन स्थित उनके घर पर हुआ। जनवरी 1960 में अमेरिकी नौसेना के तत्कालीन लेफ्टिनेंट वॉल्श और स्विस इंजीनियर जैक्स पिकार्ड को 150 टन वजनी पनडुब्बी बाथिसकैप के जरिये सतह से लगभग 7 मील (11 किलोमीटर) नीचे समुद्र में भेजा गया था। दोनों प्रशांत महासागर में गुआम से लगभग 200 मील (320 किलोमीटर) दूर 35,800 फुट (11,000 मीटर) तक उतरे जो कि महासागरों का सबसे गहरा बिंदु है। यह बिंदु दुनिया की सबसे गहरी समुद्री खाई 'मारियाना ट्रेंच' का हिस्सा है। सतह पर 20 मिनट बिताने के बाद वह वापस आ गए थे।

पाकिस्तान में अल्लाह-हू-अकबर पार्टी से आतंकी का बेटा लड़ेगा चुनाव

-हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद तहरीक पार्टी से बनेगा उम्मीदवार, तैयारियां तेज

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में साल 2024 में होने वाले आम चुनाव में आतंकी और लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद ने चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इसके लिए चुनावी तैयारियां शुरु कर दी गई है। गौरतलब है कि तल्हा सईद को भारत सरकार द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया है। तल्हा इस बार होने वाले चुनाव में अल्लाह-हू-अकबर तहरीक पार्टी से ताल ठोक रहा है। पाकिस्तान में अगले वर्ष के शुरू में होने वाले चुनावों में कुख्यात आतंकवादी और कथित तौर पर पाकिस्तान की जेल में बंद हाफिज सईद के बेटे तल्हा शाहिद ने चुनाव की कमान संभाल ली है। दिलचस्प बात यह है कि हाफिज सईद के कथित तौर पर जेल में होने के चलते उसके पास आतंकवादी संगठन लश्करे तैयबा की कमान भी है। हाफिज सईद के रहते हुए भी वह लश्कर में नंबर दो की पोजीशन पर था। गौरतलब है कि तल्हा का नाम अनेक आतंकवादी गतिविधियों में आ चुका है और वह काफी पहले से अपने आतंकवादी संगठन के लिए फंड इकट्ठा करने का काम किया करता है। इससे पहले हाफिज सईद का दामाद साल 2018 में चुनाव लड़ा था। हालांकि तल्हा सईद पहली बार चुनाव नहीं लड़ रहा है। इससे पहले 2018 में ही अपने पिता के गृह नगर सरगोधा से चुनाव लड़ चुका है।

फ्रीडम फ्लोटिला: इजराइल की घेराबंदी में जुटे तुर्की सहित 40 देश

-13 साल पहले भी हुई ऐसी कोशिश

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल-हमास युद्ध के बीच करीब एक हजार नाव बुधवार को तुर्की से गाजा की ओर रवाना होगी। इन नावों पर 40 देशों के करीब 4500 लोग सवार हैं, जो इजरायली नाकाबंदी तोड़ने और इजरायल के समुद्री व्यापार को बाधित करने की कोशिश करने वाले है। एक दशक पहले भी इसतरह की एक कोशिश हुई थी, इस इजरायल ने नाकाम कर दिया था। नई कोशिश उसी की पुनरावृति है। इस मुहिम को फ्रीडम फ्लोटिला नाम दिया गया है। इसके आयोजकों में से एक, वोल्कन ओकू ने संकेत दिया कि करीब 1000 नौकाओं में 40 देशों के 4,500 लोग सवार हैं। जिसमें इजरायल विरोधी यहूदी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 1,000 नौकाओं में 313 नावें रूसी कार्यकर्ताओं से भरी होंगी और 104 स्पेनिश कार्यकर्ताओं से भरी होंगी। उन्होंने बताया कि केवल 12 तुर्की जहाज फ़्लोटिला में शामिल होगा।

हालाँकि, ओकू ने बाद के ट्वीट में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तुर्की के नौकाओं की संख्या और अधिक होगी और वह करीब 1,000 तक हो सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पहल तुर्की सरकार से जुड़ी नहीं है। ओकू ने संकेत दिया कि फ्लोटिला गुरुवार को तुर्की तटों को छोड़ देगा और समुद्री काफिला इजरायली बंदरगाह अशदोद की ओर बढ़ने से पहले साइप्रस में पहला पड़ाव बनाएगा। बकौल ओकू फ़्लोटिला में कुछ प्रतिभागी कथित तौर पर अपने जीवनसाथी और बच्चों को भी ले जाएंगे।

ओकू ने कहा कि ऑपरेशन का मकसद इजरायली तट से अशदोद बंदरगाह की ओर जाने वाले समुद्री व्यापार के अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में व्यवधान पैदा करना होगा, ताकि इजरायल को माल की आपूर्ति एक सप्ताह या यहां तक कि 10 दिनों तक बाधित हो सके। विरोध की यह कार्रवाई मई 2010 में इसी तरह की गाजा फ्रीडम फ्लोटिला के प्रयास की याद दिलाती है, जिसने हमास-नियंत्रित गाजा पट्टी पर समुद्री नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन इजरायली नौसेना ने इस नाकाबंदी को रोक दिया था।

13 साल पहले जब इस तरह के काफिले को इजरायली नौसेना ने अशदोद बंदरगाह की तरफ जाने से रोक दिया था, तब काफिले के लोग इजरायली नौसेना के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए इजरायली कमांडो के जहाजों में से एक, मावी मरमारा पर चढ़ गए थे, जिसमें 600 से अधिक यात्री सवार थे। उस शिप पर हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें इजरायली कमांडो की गोलीबारी में तुर्की के 10 कार्यकर्ता मारे गए थे और 10 इजरायली सैनिक घायल हो गए थे।

तुर्की कार्यकर्ता ने कहा कि इस मुहिम में अमेरिका, ब्रिटेन, लक्जमबर्ग, रूसी, जर्मनी, स्पेन, पोलैंड और कई अन्य देशों की नौकाएं भी शामिल होंगी और उन पर इन देशों के झंडे लगे हैं। कार्यकर्ता ने कहा कि लक्जरी नावें भी फ्लोटिला में शामिल होंगी और यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिभागी इसमें शामिल होने के लिए औसतन 14,000 डॉलर खर्च कर रहे हैं।

मालदीव में मौजूद 75 भारतीय सैनिकों से नए राष्ट्रपति को क्या है दिक्कत?

-मुइज्जू ने शपथ के बाद किरेन रिजिजू से कर दी क्या मांग

माले (एजेंसी)। मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत सरकार से देश से अपने सैन्य कर्मियों को वापस लेने का औपचारिक अनुरोध किया। राष्ट्रपति ने कहा कि सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव में मालदीव के लोगों ने उन्हें भारत से अनुरोध करने के लिए एक मजबूत जनादेश दिया था और उम्मीद जताई कि भारत मालदीव के लोगों की लोकतांत्रिक इच्छा का सम्मान करेगा। भारत के मंत्री किरेन रिजिजू मुइज्जू के शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे। कहा जा रहा है कि उन्होंने उनके साथ इस मामले पर चर्चा की। राष्ट्रपति ने रिजिजू के साथ अपनी बैठक के दौरान मालदीव में चिकित्सा निकासी और नशीली दवाओं की तस्करी विरोधी उद्देश्यों के लिए विमान संचालन के लिए मौजूद भारतीय सैन्य कर्मियों का मुद्दा उठाया।

कौन हैं मोहम्मद मुइज्जू?

मुइज्जू ने इस साल अक्टूबर में राष्ट्रपति चुनाव जीता और उनकी जीत देश में विदेशी शक्तियों की भूमिका को लेकर चल रही बड़ी बहस के बीच हुई है। मालदीव हिंद महासागर में स्थित एक छोटा द्वीप देश है, और लगभग 500,000 लोगों का घर है। करीब एक दशक से चीन उसके साथ संबंध प्रगाढ़ करने का प्रयास कर रहा है। यह अवधि दक्षिण एशियाई क्षेत्र सहित चीन के उदय और उसकी शक्ति के प्रक्षेपण के साथ मेल खाती है। लंबे समय से भारत मालदीव को अपने क्षेत्रीय प्रभाव क्षेत्र का हिस्सा मानता रहा है। मालदीव के ताकतवर पूर्व राष्ट्रपति मौमून अब्दुल गयूम ने कई वर्षों तक भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे। 2008 के चुनावों में उनकी हार के साथ, नए नेताओं के चुनाव अभियान में विदेश नीति एक महत्वपूर्ण तत्व बन गई है। 2008 में, मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के मोहम्मद नशीद ने जीत हासिल की। एमडीपी और उसके शीर्ष नेताओं, विशेषकर नशीद को भारत समर्थक के रूप में देखा जाता था। जब अब्दुल्ला यामीन 2013 और 2018 के बीच राष्ट्रपति रहे तो भारत और मालदीव के बीच संबंध काफी खराब हो गए। 2018 में सोलिह के सत्ता में आने के बाद ही नई दिल्ली और माले के बीच संबंधों में सुधार हुआ। सोलिह लगातार भारत के साथ संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे और ÷इंडिया फर्स्ट÷ नीति पर चल रहे थे। अपने चुनाव के बाद मुइज्जू ने कहा था कि उनके हिंद महासागर द्वीपसमूह देश में मौजूद सभी भारतीय सैन्यकर्मियों को बाहर निकालना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। हालांकि, इसके साथ ही मुइज्जू ने कहा कि वह भारतीय सुरक्षा कर्मियों की जगह चीनी कर्मियों को नहीं लेंगे।

इंडिया आउट अभियान क्या है?

जिसे 'इंडिया आउट' अभियान के नाम से जाना जाता है, वह 2020 के आसपास मालदीव में कुछ जमीनी विरोध प्रदर्शनों के साथ शुरू हुआ और बाद में संबंधित हैशटैग के साथ वाक्यांश का उपयोग करके सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर व्यापक रूप से फैल गया। यह आरोप लगाया गया था कि नई दिल्ली ने मालदीव में एक बड़ी सैन्य टुकड़ी भेजी है, इस दावे का सोलिह सरकार ने बार-बार खंडन किया है। स बीच, भारत और मालदीव ने मालदीव तटरक्षक बल के लिए उथुरु थिलाफाल्हू (यूटीएफ) एटोल पर एक बंदरगाह विकसित करने के लिए भी सहयोग गहरा किया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैच की टी20 श्रृंखला में भारत की अगुआई करेंगे सूर्यकुमार यादव

-23 नवंबर को विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होगी सिरीज

मुंबई (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 23 नवंबर से पांच मैचों की टी20 सिरीज शुरु हो रही है। इसके लिए चयनकर्ताओं ने आईसीसी पुरुष एक दिवसीय विश्व कप खेलने वाले अधिकांश शीर्ष खिलाड़ियों को आराम देने का फैसला किया है। मिली जानकारी के अनुसार सूर्यकुमार यादव 23 नवंबर को विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की ट्वेंटी 20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। अहमदाबाद में फाइनल में भारत के ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुई राष्ट्रीय चयन समिति की बैठक में सूर्यकुमार यादव, इशान किशन और प्रसिद्ध कृष्णा को छोड़कर सभी खिलाड़ियों को आराम देने का फैसला किया गया, जिन्हें घायल ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बदले शामिल किया गया था। चयनकर्ताओं ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा की। भारत के पूर्व बल्लेबाज और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वी.वी.एस. लक्ष्मण को टीम के कोच के रूप में घोषित किए जाने की संभावना है, क्योंकि मुख्य कोच राहुल द्रविड़, जिनका कार्यकाल विश्व कप के बाद समाप्त होने वाला है, ने तीन महीने बाद छुट्टी लेने का फैसला किया है।

बीसीसीआई ने अपनी एक विज्ञप्ति में बताया कि रुतुराज गायकवाड़ पहले तीन मैचों के लिए सूर्यकुमार यादव के डिप्टी होंगे, जबकि श्रेयस अय्यर रायपुर और बेंगलुरु में आखिरी दो टी20 आई के लिए उप-कप्तान के रूप में टीम में शामिल होंगे। पांच मैच विशाखापत्तनम (23 नवंबर), तिरुवनंतपुरम (26 नवंबर), गुवाहाटी (28 नवंबर), रायपुर (1 दिसंबर) और बेंगलुरु (3 दिसंबर) में खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया टी20 आई श्रृंखला के लिए टीम में अधिकांश खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें से जसप्रीत बुमराह नहीं हैं, जिन्होंने विश्व कप से पहले आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में देश का प्रतिनिधित्व किया था। टीम में यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और रवि बिश्नोई को वापस लाती है।

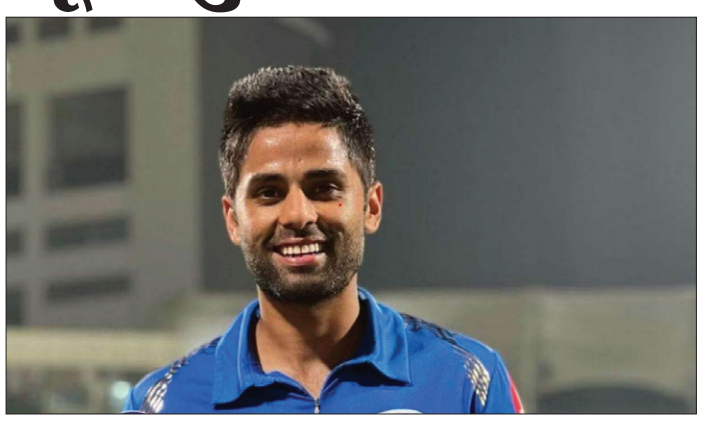

भारत की टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), इशान किशन, यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान, मुकेश कुमार शा?मिल हैं।

पंकज आडवाणी ने 26वीं बार विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब जीता

दोहा (एजेंसी)। भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने मंगलवार को यहां फाइनल में हमवतन सौरव कोठारी को हराकर 26वीं बार आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। शुरुआती घंटे में 26-180 से पिछड़ने के बाद आडवाणी ने कुआलालंपुर में पिछले साल के खिताबी मुकाबले की पुनरावृति में 2018 के विश्व चैंपियन कोठारी को 1000-416 से हराया।

कोठारी शुरुआती बढ़त बनाने के बाद मजबूत स्थिति में थे लेकिन कुछ मौकों पर उन्होंने आसान गल्तियां करके आडवाणी को वापसी करने का मौका दिया। आडवाणी ने इसके बाद 150 से अधिक अंक के कुछ ब्रेक के साथ अपनी स्थिति मजबूत की जबकि कोठारी मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहे।

आडवाणी ने एक बार मैच का सर्वोच्च 214 अंक का ब्रेक भी बनाया जिसके बाद उन्हें जीत दर्ज करने में अधिक परेशानी नहीं हुई। वापसी करने के बाद आडवाणी ने मैच में अधिकांश समय 250 अंक के आसपास की बढ़त बनाए रखी।

कोठारी ने इस बीच 99 के ब्रेक से आडवाणी की बढ़त को 150 रन तक सीमित किया बेंगलुरू के आडवाणी ने हालांकि इसके बाद 199 के अटूट ब्रेक के साथ 1000 अंक के आंकड़े को छूकर जीत दर्ज की।

आडवाणी ने जीत के बाद कहा कि मैं पहले भी जीत चुका हूं इसलिए मुझे इस अहसास के बारे में पता है लेकिन वर्ष दर वर्ष कई बार इसे जीतना कौशल, शरीर और दिमाग पर की गई घंटों की कड़ी मेहनत को सही साबित करता है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए निरंतरता सफलता की कुंजी है और देश के लिए विश्व खिताब जीतने को लेकर मैं सबसे अधिक प्रेरित होता हूं।

सभी खिलाड़ियों पर बेहद गर्व है : राहुल द्रविड़

-भारतीय कोच ने कहा- हमने जो कुछ भी दिया उस पर गर्व है

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि उन्हें अपने सभी खिलाड़ियों पर बेहद गर्व है, उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा की विशेष प्रशंसा की। फाइनल में हारने के बावजूद भारत के मुख्य कोच अभी भी पूरे अभियान के दौरान अपनी टीम के प्रयासों पर गर्व से भरे हुए थे।

राहुल द्रविड़ ने कहा, हमने वास्तव में अच्छा अभियान चलाया। मुझे वास्तव में लड़कों पर गर्व है, जिस तरह से हमने इस टूर्नामेंट के दौरान खेला, जिस तरह की क्रिकेट हमने खेली, जिस तरह की क्रिकेट हमने इस टूर्नामेंट के दौरान खेली, मुझे लगा कि वह काफी असाधारण थी। मुझे वास्तव में इस पर गर्व है प्रयास, हमने जो कुछ भी दिया उस पर गर्व है। वहीं, इस बीच इस हार को लेकर कई तरह के पहलु सामने आए। कुछ लोगों ने भारतीय टीम के लिए अंपायर रिचर्ड केटलबोरो एक बार अशुभ बताया। दरअसल, रिचर्ड केटलबोरो भारतीय टीम की कई बड़े हार के चश्मदीद रहे हैं। पिछले10 साल से यह बदस्तूर जारी है।आज एक बार फिर से रिचर्ड केटलबोरो के सामने भारतीय टीम को वर्ल्ड कप फाइनल में हार का सामना पड़ा।बता दें कि टीम इंडिया की हार और अंपायर रिचर्ड केटलबोरो का कनेक्शन साल 2014 में शुरू हुआ था, जो इस बार भी बकरार रहा। याद दिला दें कि टी20 वर्ल्ड कप 2014 के फाइनल में भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था उस समय भी रिचर्ड केटलबोरो ने अंपायर की भूमिका निभाई थी।

7 महीने बाद फिर एक और वर्ल्ड कप.... पूरी तरह बदल जाएगी मैंन इन ब्लू

मुंबई (एजेंसी)। वर्ल्ड कप 2023 ऑस्ट्रेलियाई की जीत के साथ खत्म हो चुका है। 7 महीने बाद एक और वर्ल्ड कप होना है। आईसीसी की ओर से जून 2024 में टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन वेस्टइंडीज और अमेरिका में कराया जा रहा है। वर्ल्ड कप 2023 में उतरने वाले कई खिलाड़ियों को इस आईसीसी टूर्नामेंट में शायद शामिल नहीं हो। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने नवंबर 2022 के बाद कोई टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। यानी वे पिछले एक साल से टी20 टीम से बाहर चल रहे हैं। कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल भी खत्म हो चुका है। यानी वर्ल्ड कप में टीम नए कोच के साथ उतर सकती है।

टीम इंडिया टी20 इंटरनेशनल सीरीज लगातार हार्दिक पंड्या की कप्तानी में खेल रही है। इसके बाद उम्मीद है कि अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें टीम की कमान मिल सकती है। आईपीएल में बतौर कप्तान उनका रिकॉर्ड अच्छा है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा आर अश्विन, शार्दुल ठाकुर और केएल राहुल को शायद ही मौका मिले। उम्र को देखकर मोहम्मद शमी का भी टी20 वर्ल्ड कप में खेलना पक्का नहीं है। वर्ल्ड कप में बतौर विकेटकीपर राहुल को मौका मिला था। लेकिन टी20 में ईशान किशन से लेकर संजू सैमसन तक का रिकॉर्ड अच्छा है।

2023 में सबसे अधिक टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें, तब अर्शदीप सिंह टॉप पर हैं। उन्होंने सबसे सबसे अधिक 15 मैच खेल हैं। इसके अलावा हार्दिक पंड्या, शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव ने 11-11 मैच खेल चुके हैं। युवा बैटर तिलक वर्मा को भी 10 मैच में मौका मिला। अन्य किसी खिलाड़ी ने 10 मैच में मौका नहीं दिया गया। टी20 टीम में बतौर ओपनर शुभमन गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल, ईशान किशन और ऋतुराज गायकवाड़ को शामिल किया जा सकता है।

तिलक ने आईपीएल से लेकर टी20 इंटरनेशनल में नंबर-3 पर अच्छा प्रदर्शन किया है। नंबर-4 पर सूर्यकुमार का खेलना तय है। इस नंबर पर उनका रिकॉर्ड बेहतरीन है। नंबर-5 की रेस में हार्दिक पंड्या, सैमसन और रिंकू सिंह को मौका मिल सकता है। नंबर-6 और नंबर-7 की रेस में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और शिवम दुबे को आजमाया जा सकता है। शिवम दुबे बतौर तेज गेंदबाज टीम के लिए अहम हो सकते हैं। ऑलराउंडर की रेस में वॉशिंटन सुंदर भी हैं।

बतौर तेज गेंदबाज बुमराह का खेलना तय है। इसके अलावा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई, युजवेंद्र चहल, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह को मौका मिल सकता है। कुल मिलाकर टी20 वर्ल्ड कप के लिए चुनी जाने वाले 15 खिलाड़ियों की टीम से कई सीनियर खिलाड़ी बाहर किए जा सकते हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने की सगाई

मुंबई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने श्रुति रघुनाथन के साथ सगाई कर ली है । अय्यर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर श्रुति के साथ अपनी सगाई की तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरें सामने आने पर क्रिकेट जगत और प्रशंसकों ने 28 वर्षीय क्रिकेटर को बधाई दी। अपनी सगाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए वेंकटेश ने अपनी तस्वीरों में श्रुति को टैग किया। हालांकि, श्रुति ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को निजी रखा है। परिणामस्वरूप, श्रुति के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। हालांकि, रिपोर्ट्स के अनुसार श्रुति रघुनाथन पेशे से एक फैशन डिजाइनर हैं। बताया जा रहा है कि श्रुति ने पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस से बी.कॉम पूरा किया है और निफ्ट, भारत से फैशन मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री हासिल की है। श्रुति वर्तमान में बेंगलुरु, कर्नाटक में लाइफस्टाइल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड में मर्चेंडाइज प्लानर के रूप में काम कर रही हैं । उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, श्रुति को गायन में भी रुचि है।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से डेविड वॉर्नर हुए बाहर

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के ओपनर डेविड वॉर्नर टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं । उन्होंने भारत के खिलाफ आगामी 5 मैचों की टी20 सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया है । गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 23 नवंबर को सीरीज का पहला टी20 मैच विशाखापत्तनम में खेला जाएगा । वर्ल्ड कप 2023 में शानदार प्रदर्शन करने वाले वॉर्नर ने स्वदेश लौटने का फैसला लिया है । वॉर्नर का सीरीज से बाहर होना भारतीय टीम के लिए अच्छी खबर है । लेफ्ट हैंड ओपनर वॉर्नर इस समय बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने विश्व कप में 500 से ज्यादा रन बनाए। बता दें कि डेविड वॉर्नर पाकिस्तान के खिलाफ दिसंबर- जनवरी में खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए स्वदेश लौटेंगे। यहां गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने हाल में भारत को हराकर रिकॉर्ड छठी बार वर्ल्ड कप ट्रॉफी पर कब्जा जमाया । इस दौरान वॉर्नर ने विश्व कप में शानदार बल्लेबाजी की । उन्होंने कुल 535 रन बनाए । बता दें कि 37 साल के वॉर्नर ने विश्व कप में एक भी मैच मिस नहीं किया । हालां?कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जब भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान किया था तब वॉर्नर उस टीम का हिस्सा थे । लेकिन अब उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए भारत में टी20 सीरीज नहीं खेलने का फैसला लिया है । अब डेविड वॉर्नर आखिरी बार टेस्ट में दिखाई देंगे। पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के बाद वह टेस्ट को अलविदा कह देंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम की अगुआई 35 वर्षीय विकेटकीपर मैथ्यू वेड करेंगे । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया की कमान सूर्यकुमार यादव संभालेंगे जबकि उप कप्तानी की भूमिका रितुराज गायकवाड़ की होगी ।

फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए मैदान पर उतरेगी भारतीय टीम

-क्वालीफाई के खिलाफ फिर दोहराना होगा 2019 का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई करने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में अब भारतीय फुटबॉल टीम घरेलू मैदान पर एशियाई चैंपियन कतर से भिड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। फीफा विश्व कप 2026 के क्वालीफायर के दूसरे दौर के मुकाबले में भारत और कतर के बीच मुकाबला खेला गया है।

बता दें कि भारतीय टीम ग्रुप ए में है, जिसके समक्ष कतर की बेहद कठिन चुनौती है। इस मैच में भारतीय टीम के खिलाड़ियों को दमदार प्रदर्शन करना होगा। इस मैच में खिलाड़ियों को बेहद शानदार प्रदर्शन करना होगा। इससे पहले भारतीय टीम कुवैत को क्वालिफायर मैच में हरा चुकी है। इस मैच में भारतीय टीम ने 1-0 से कुवैत को मात दी थी जिसके बाद भारतीय टीम का हौंसला बेहद बुलंद बना हुआ है। भारतीय टीम को उम्मीद है कि घरेलू मैदान पर कुवैत को कड़ी चुनौती पेश की जाए। हालांकि मेहमान टीम भी एशिया कप जीतने के बाद लगातार उत्साहित है और दमदार शुरुआत करने के लिए बेताब है।

बता दें कि इससे पहले चार साल पहले भी भारतीय टीम की भीड़ंत एशियाई चैंपियन से हुई थी, जहां टीम ने गोलरहित मैच को ड्रॉ पर रोका था। इस मैच में भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाया था। ऐसे में ये प्रदर्शन भी भारतीय टीम के उत्साह को बढ़ाने में मददगार सिद्ध होगा। बता दें कि भारत ने वर्ष 2022 विश्व कप के दूसरे दौर के मैच में कतर को गोलरहित मैच को ड्रॉ पर रोका था।

इस मैच में भारतीय टीम का दमदार प्रदर्शन देख पुरी दुनिया हैरान और अचंभित थी। उस टूर्नामेंट में कतर की टीम जबरदस्त फॉर्म में थी। वर्ष 2019 के शुरुआत में ही कतर ने जीत हासिल की थी।

इस मुकाबले में भारतीय टीम के कप्तान सुनील छेत्री अस्वस्थ थे और उन्होंने ये मुकाबला नहीं खेला था। कलिंगा स्टेडियम में होने वाले कतर के खिलाफ मुकाबले में जो दमदार प्रदर्शन करने जरुर उतरेंगे।

12 लाख, 50 हजार दर्शकों ने विश्वकप के मैच को स्टेडियम में जाकर देखा

नई दिल्ली । भारत में हाल में संपन्न हुए विश्व कप के मैचों को 12 लाख 50 हजार दर्शकों ने स्टेडियम में जाकर देखा जो हर 4 साल में होने वाली विश्वकप प्रतियोगिता का नया रिकॉर्ड है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बताया कि इस टूर्नामेंट को कुल 1,250,307 दर्शकों ने स्टेडियम में जाकर देखा । टूर्नामेंट में जब छह मैच बचे थे तभी दर्शकों का आंकड़ा 10 लाख की जादुई संख्या को पार कर चुका था । विश्व कप में दर्शकों का यह आंकड़ा नया रिकॉर्ड है। इस संख्या ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2015 में खेले गए विश्व कप के आंकड़े को पीछे छोड़ा, जिसमें कुल 10,16,420 दर्शक आए थे। इंग्लैंड और वेल्स में 2019 में खेले गए विश्व कप को 7,52,000 दर्शकों ने स्टेडियम में जाकर देखा था । भारत में खेले गए विश्व कप में कुल 10 टीम ने हिस्सा लिया था जिन्होंने राउंड रोबिन आधार पर एक दूसरे से मैच खेले। सेमीफाइनल और फाइनल सहित टूर्नामेंट में कुल 48 मैच खेले गए और इस तरह से प्रति मैच दर्शकों की संख्या लगभग 26,000 रही ।

रोमेलु लुकाकु ने बनाया नया रिकॉर्ड, सर्बिया ने किया क्वालीफाई

मैड्रिड । बेल्जियम के स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकु ने नया रिकार्ड बना लिया है । उन्होंने पहले हाफ में चार गोल करके यूरोपीय चैंपियनशिप क्वालीफाइंग फुटबॉल प्रतियोगिता के अपने अंतिम मैच में अपनी टीम को अजरबैजान पर 5-0 से जीत दिलाई। लुकाकु ने क्वालीफायर्स में कुल 14 गोल किए जो पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो से 4 और फ्रांस के किलियन एमबापे से 5 गोल ज्यादा हैं । इस तरह से लुकाकु ने यूरोपीय क्वालीफाइंग चैंपियनशिप में सर्वाधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पोलैंड के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की (यूरो 2016 क्वालीफाइंग में) और उत्तरी आयरलैंड के डेविड हीली (यूरो 2008 क्वालीफाइंग में) के 13 गोल के रिकॉर्ड को तोड़ा । गौरतलब है ?कि बेल्जियम ग्रुप एफ से ऑस्ट्रिया के साथ पहले ही यूरोपीय चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर चुका है । इस बीच सर्बिया ने बुल्गारिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलकर जर्मनी में होने वाले यूरो 2024 के लिए क्वालीफाई किया । एक अन्य मैच में स्पेन ने जॉर्जिया को 3-1 से हरा दिया । लेकिन इस मैच के दौरान उसके स्टार मिडफील्डर गावी चोटिल हो गए ।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की टीम में दो नए चेहरे

चगुआरामस । वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड और मैथ्यू फोर्ड के रूप में दो नए चेहरे अपनी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किए हैं । विकेटकीपर शेन डाउरिच और सलामी बल्लेबाज केजॉर्न ओटले की टीम में वापसी हुई है । डाउरिच ने अपना एकमात्र वनडे मैच 2019 में खेला था जबकि ओटले ने जनवरी 2021 में दो वनडे मैच खेले थे । शाई होप की अगुवाई वाली टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन और छह दिसंबर को एंटीगा तथा नौ दिसंबर को बारबाडोस में वनडे मैच खेलेगी । इसके बाद दोनों टीम के बीच पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी ।

वनडे श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार है : शाई होप (कप्तान), एलिक अथानाज़े, यानिक कारिया, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज़, शेन डाउरिच, मैथ्यू फोर्डे, शिम्रोन हेटमायर, अल्ज़ारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, केजोर्न ओटले, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, ओशाने थॉमस ।

ऑस्ट्रेलियाई बैटर डेविड वॉर्नर ने मांगी माफी, शानदार मेजबानी के लिए किया थैंक्स

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने शानदार मेजबानी के लिए भारत को थैंक्स कहा है, साथ ही उन्होंने करोड़ों भारतीयों के दिलों को तोड़ने के लिए सोशल मीडिया पर माफी भी मांगी है । गौरतलब है कि डेविड वॉर्नर का भारत से प्यार किसी से छुपा नहीं है । क्रिकेट के मैदान और सोशल मीडिया पर अकसर उन्हें भारतीय फिल्मों के सांग पर डांस करते या इसके हीरो की स्टाइल को कॉपी करते हुए देखा जा सकता है । वॉर्नर की ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वर्ल्डकप 2023 के फाइनल में जीत हासिल कर करोड़ों भारतीय फैंस के दिल तोड़ने का काम किया है । वॉर्नर इस बात से भलीभांति वाकिफ हैं । इसी कारण उन्होंने फाइनल के बाद इसके लिए माफी मांगी है । वॉर्नर ने सोशल साइट एक्स पर अपने पोस्ट में यह किया है । एक यूजर ने शिकायती लहजे में वॉर्नर को लिखा कि उन्होंने तथा उनकी टीम ने करोड़ों दिलों को तोड़ा है, इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया के ओपनर ने लिखा, 'मैं माफ़ी चाहता हूं । यह बेहतरीन मैच था और माहौल अविश्वसनीय था । भारत ने वाकई शानदार आयोजन किया । आप सभी को थैंक्यू ।' गौरतलब है कि टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में हालांकि वॉर्नर बड़ा योगदान नहीं कर सके । वे केवल सात रन बनाने के बाद मोहम्मद शमी की गेंद पर स्लिप में विराट कोहली को कैच थमा बैठे । वैसे वर्ल्डकप 2023 में वे 500 से अधिक रन बनाने में सफल रहे । 11 मैचों में उन्होंने 48.63 के औसत से 535 रन बनाए जिसमें दो शतक और इतने ही अर्धशतक शामिल रहे । इस दौरान 163 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा । क्रिकेट करियर के आखिरी दौर से गुजर रहे बाएं हाथ के इस बैटर ने वर्ल्डकप के शानदार आयोजन के लिए भारत को धन्यवाद दिया ।

वर्ल्डकप 2023 के दौरान बयानबाजी भी खूब हुई, छाए रहे अनेक विवाद

-दुश्मन मुल्क से लेकर फिलिस्तीन समर्थक, फिर लगाया बॉल चेंज तक का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्डकप 2023 में ऑस्ट्रेलिया टीम छठी बार चैंपियन बनी है। इस दौरान जहां कई टीमों और प्लेयर्स ने बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए तो अनेक तरह के विवादों से भी यह टूर्नामेंट नहीं बच सका। फिलिस्तीन का सियासी मुद्दा भी क्रिकेट के मैदान पर छाया रहा। इसके अलावा एंजेलो मैथ्यूज के टाइम आउट विवाद और भारत-न्यूजीलैंड सेमीफाइनल के पहले कथित तौर पर पिच बदलने का मामले ने भी मीडिया की सुर्खिया बटोरीं। इतना ही नहीं बॉल चेंज तक का आरोप भी लगाया गया। पीसीबी चीफ ने तो भारत को 'दुश्मन मुल्क' भी बोल दिया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी के प्रमुख जका अशरफ भारत को 'दुश्मन मुल्क' कहकर विवादों में घिरे। इस कमेंट के कारण न केवल पीसीबी बल्कि अशरफ को भी फजीहत का सामना करना पड़ा। हालांकि खेद व्यक्त करने के बाद यह मामला ठंडा हुआ। एक समय वह था जब मैथ्यूज के टाइम आउट मुद्दे में शाकिब 'विलेन' बन गए। दरअसल बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज को 'टाइम आउट' घोषित किए गए। इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ जब किसी बैटर को इस तरह से आउट दिया गया।

अफगानिस्तान की जीत पर इरफान का डांस भी मुद्दा बन गया। वर्ल्डकप के लीग मैच में जब अफगानिस्तान ने इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को हराया तो कमेंटेटर के तौर पर टूर्नामेंट कवर कर रहे इरफान पठान भी खुश नजर आए। उन्होंने अफगान टीम के स्टार स्पिनर राशिद खान के साथ मैदान पर डांस किया। 'दो पठानों' के डांस का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। यह वीडियो लोगों को भले ही पसंद आया हो लेकिन पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों को यह नागवार गुजरा था। एक समय तो सेमीफाइनल की पिच को लेकर भी विवाद हुआ। भारत-न्यूजीलैंड के सेमीफाइनल से पहले कथित तौर पर पिच बदले जाने के आरोप को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। बताया गया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सेमीफाइनल के लिए 'यूज्ड पिच' के साथ जाने का फैसला किया जबकि पहले यह 'ताजा पिच' पर खेला जाना था।

पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान और बांग्लादेश जैसे मुस्लिम बहुत देशों ने भी भाग लिया लेकिन बाबर आजम की टीम के कुछ प्लेयर फिलिस्तीन मुद्दे पर पोस्ट को लेकर चर्चा में रहे। लीग मैच में पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने श्रीलंका के खिलाफ मैच जिताऊ शतक बनाया और बाद में यह पारी गाजा के लोगों को समर्पित कर दी। वर्ल्डकप के फाइनल पर भी उस समय फिलिस्तीन मुद्दे की 'छाया' पड़ती नजर आई जब फिलिस्तीन के समर्थन में एक शख्स सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में घुस गया। भारतीय पारी के दौरान यह घटना हुई। इस व्यक्ति ने विराट को गले लगाने की भी कोशिश की।

मैच में पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर के द्वारा भारतीय बॉलर्स पर बॉल बदलने के भी आरोप लगाए गए। वर्ल्डकप 2023 में भारत के शानदार प्रदर्शन पाकिस्तान के कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने मैच के दौरान भारत को अधिक स्विंग करने वाली गेंद दिए जाने जैसे अनर्गल आरोप लगाए। पाकिस्तान की ओर से क्रिकेट खेल चुके हसन रजा ने कहा था कि इस साल

कई सारी चीजें इंडिया के फेवर में गई है। चाहे वो रिव्यू हो या कुछ और। शमी और सिराज ये कैसी बॉलिंग कर रहे हैं। हम भी एक टाइम में खेला करते थे। तब बॉल रिवर्स स्विंग होता था लेकिन यहां क्या हो रहा है। मुझे लग रहा है कि बॉल चेंज हो जा रही है। इस पर आईसीसी को गौर करना चाहिए।

इन फिल्मों में एक साथ धमाल मचाएंगे साउथ और नॉर्थ के सितारे

नॉर्थ और साउथ फिल्म इंडस्ट्री का मतभेद लगातार खत्म होता नजर आ रहा है। एक तरफ जहां साउथ की फिल्मों और कलाकारों को नॉर्थ में काफी सराहा जाता है। वहीं, दूसरी ओर अब नॉर्थ की फिल्मों को भी साउथ में अच्छी प्रतिक्रिया मिलती है। आलम यह है कि अब दोनों ही इंडस्ट्री एकजुट होकर अपने फैंस को स्क्रीन पर कुछ नया देने का प्रयास कर रही है।

एटली

हाल ही में, जवान के निर्देशक एटली ने अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा की है। इस फिल्म में निर्देशक बॉलीवुड के किंग खान और दलपति विजय की जोड़ी को स्क्रीन पर एक साथ लेकर आएंगे। निर्देशक एक बार फिर एक जबर्दस्त हिट की तैयारी कर रहे हैं। साउथ और बॉलीवुड के दर्शक इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। एटली ने यह भी खुलासा किया है कि वह स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं।

वॉर 2

सलमान खान की टाइगर 3 के बाद अब जल्द ही ऋतिक रोशन की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म वार 2 दर्शकों का मनोरंजन करेगी। पिछले दिनों फिल्म का एलान करते हुए यह बताया गया कि इसमें ऋतिक रोशन के साथ साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। यह फिल्म जूनियर एनटीआर की डेब्यू फिल्म होगी। साइथ पट्टी के लोग जूनियर एनटीआर को बॉलीवुड फिल्म में देखने के लिए बेताब है।

केजीएफ चैप्टर 3

साउथ के दिग्गज अभिनेता यश अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ 2 के हिट होने के बाद इसके अगले सीक्वल की तैयारी कर रहे हैं। यह एक पैन इंडिया फिल्म होने वाली है। रिपोर्ट्स की मानें तो इसकी शूटिंग साल 2025 में शुरू की जाएगी। बता दें कि इस फिल्म में रवीना टंडन और संजय दत्त भी नजर आएंगे। इस फिल्म में भी दर्शकों को साउथ और नॉर्थ का कॉम्बो देखने को मिलेगा।

देवरा

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेताओं की लिस्ट में शुमार जूनियर एनटीआर अपनी आगामी फिल्म देवरा को लेकर खूब चर्चा में चल रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन कोराटाला शिवा कर रहे हैं। फिल्म में बोनी कपूर की बेटी जान्हवी कपूर भी हैं। इस फिल्म से अभिनेत्री जान्हवी कपूर अपना साउथ डेब्यू करने जा रही हैं।

कल्कि 2898 एडी

प्रभास की आगामी फिल्म कल्कि 2898 एडी भी एक पैन इंडिया फिल्म है। इस फिल्म को नाग अश्विन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में साउथ और नॉर्थ बेल्ट के दिग्गज कलाकार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। इस फिल्म में प्रभास के साथ अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी भी नजर आने वाली हैं। मूवी 12 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

कौशल ओझा की लिटिल थॉमस में अभिनय करेंगे गुलशन देवैया

अभिनेता गुलशन देवैया राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता कौशल ओझा के जरिए निर्देशित आगामी फिल्म लिटिल थॉमस में अभिनय का जलवा बिखेरेंगे। कौशल ओझा की फिल्म में गुलशन अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दिल छू लेने वाली कॉमेडी ड्रामा फिल्म दर्शकों को गोवा के एक परिवार के आकर्षक और सरल जीवन की यात्रा पर ले जाती है।

फिल्म में काम करने पर क्या बोले गुलशन

फिल्म के बारे में बात करते हुए गुलशन देवैया ने कहा, मैं लिटिल थॉमस का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं, जो नाटक और कॉमेडी का एक अनूठा मिश्रण है, जो पारिवारिक संबंधों के सार के साथ गूंजता है। यह एक साधारण परिवार की दिल छू लेने वाली कहानी है और इस फिल्म को करना बहुत संतुष्टिदायक रहा। प्रतिभाशाली कौशल ओझा के साथ काम करना और रसिका दुग्गल के साथ स्क्रीन साझा करना एक संतोषजनक अनुभव रहा है। यह वर्ष कुछ अद्भुत कार्यों के साथ अद्भुत रहा है। लिटिल थॉमस वास्तव में एक छोटा रत्न और दिल छू लेने वाली कहानी है। मैं ऐसी संपूर्ण कहानियों का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं।

फिल्म के कलाकार

मुंबई और गोवा के सुरम्य स्थानों में फिल्माई गई इस फिल्म ने हाल ही में अपने निर्माण चरण का समापन किया है, जो एक आकर्षक कहानी का वादा करती है। यह पारिवारिक रिश्तों की जटिलताओं की कहानी मजेदार अंदाज में बयां करेगी। इस फिल्म में गुलशन के साथ रसिका दुग्गल भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म गुड बैड फिल्म्स द्वारा निर्मित है।

गुलशन की आने वाली फिल्में

वहीं गुलशन देवैया की आने वाली फिल्मों के बारे में बात करें तो लिटिल थॉमस के अलावा उनके पर कई अन्य परियोजनाएं हैं। वह जल्द ही बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर और रोशन मैथ्यू के साथ उलझ फिल्म में भी नजर आएंगे।

पर्सनल लाइफ में मिस्ट्री गर्ल हैं सुष्मिता

एक्ट्रेस सुष्मिता सेन का आज 48वां बर्थ डे है। सुष अपनी फिल्मों में बहुत खूबसूरत और बोल्ड रही हैं, लेकिन पर्सनल लाइफ में मिस्ट्री गर्ल। अपने रिलेशनशिप्स को लेकर हमेशा चर्चाओं में रही सुष्मिता अभी अपनी वेब सीरीज आर्या के तीसरे सीजन के कारण भी चर्चाओं में हैं। इसी के सेट पर फरवरी में उन्हें हार्ट अटैक भी आया था, इसके बावजूद रिकवर होते ही उन्होंने फिर शूटिंग शुरू की और एक्शन सीन्स भी किए। इन दिनों वे फिर से अपने एक्स बॉयफ्रेंड रोहमन के साथ देखी जा रही हैं।

करीब 23 फिल्मों का हिस्सा रहीं सुष्मिता ने 5 साल के लंबे ब्रेक के बाद 2020 में फिर एक्टिंग में कमबैक किया था। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने 1994 में मिस इंडिया और मिस यूनिवर्स का खिताब हासिल किया था। लेकिन जब उन्हें पता था चला कि मिस इंडिया कॉम्पिटिशन में ऐश्वर्या राय ने भी पार्टिसिपेट किया है, तो वो अपना एंट्री फॉर्म वापस लेना चाहती थीं।

एयर फोर्स के पूर्व विंग कमांडर की बेटी हैं

सुष्मिता का जन्म 19 नवंबर 1975 को हैदराबाद में एक बंगाली परिवार में हुआ था। पिता इंडियन एयर फोर्स के पूर्व विंग कमांडर और मां शुभ्रा सेन ज्वेलरी डिजाइनर हैं। मां दुबई बेस्ट एक ज्वेलरी स्टोर की मालकिन भी हैं। 12वीं की पढ़ाई के बाद सुष्मिता ने दिल्ली के एयरफोर्स गोल्ड जुबली इंस्टीट्यूट से ग्रेजुएशन किया था। ग्रेजुएशन के दौरान ही उनका झुकाव मॉडलिंग की तरफ हुआ था।

सुष्मिता ने 1994 में 19 साल की उम्र में मिस इंडिया कॉम्पिटिशन में पार्टिसिपेट किया था। फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस कॉम्पिटिशन में ऐश्वर्या राय ने भी पार्टिसिपेट किया था। पहले तो ये बात किसी को पता नहीं थी, बाद में जब ये खबर बाकी कंटेस्टेंट्स को पता चली तो 25 लड़कियों ने अपना एंट्री फॉर्म वापस ले लिया था। ऐश्वर्या के नाम से सुष्मिता भी डर गई थीं। उन्होंने भी अपना एंट्री फॉर्म लेने का फैसला किया था। तब मां ने उन्हें ऐसा करने से रोका और कॉम्पिटिशन में टिके रहने के लिए कहा। कॉम्पिटिशन में ऐश्वर्या ने उनसे ज्यादा राउंड जीते थे। इस कारण उन्हें डर था कि वो ये कॉम्पिटिशन हार जाएंगी। जब फर्स्ट रनर-अप के तौर पर ऐश्वर्या के नाम की घोषणा की गई तो सुष्मिता यह सोचकर रोने लगीं कि वो तो रनर-अप तक भी नहीं पहुंच पाई। मगर जब विनर के तौर पर उनके नाम की घोषणा की गई तो उन्हें यकीन ही नहीं हुआ।

एक जवाब ने दिलाया मिस यूनिवर्स का टाइटल

फिर वो इसी साल मिस यूनिवर्स भी बनी थीं। मिस यूनिवर्स कॉम्पिटिशन में सुष्मिता से पहले किसी भी भारतीय महिला को यह खिताब नहीं मिला था। जबकि इससे पहले 41 बार यह कॉम्पिटिशन हो चुका था। सुष्मिता से मिस यूनिवर्स के दौरान पूछा गया था, अगर आप किसी ऐतिहासिक घटनाक्रम को बदलना चाहें तो वह क्या होगा? इस पर सुष्मिता का जवाब था- इंदिरा गांधी की मृत्यु। ये वही जवाब था जिसने उनको ये खिताब दिलाया।

महेश भट्ट की फिल्म से इंडस्ट्री में रखा कदम

जब सुष्मिता ने मिस यूनिवर्स का टैग अपने नाम कर लिया तो फिल्मों में भी उनके लिए रास्ता खुल गया था। हर बड़े प्रोड्यूसर और डायरेक्टर की तमन्ना थी कि सुष्मिता उनकी फिल्म से डेब्यू करें। आखिरकार इस रेस में डायरेक्टर महेश भट्ट बाजी मार गए। सुष्मिता ने उनकी फिल्म दस्तक से एक्टिंग डेब्यू किया। इसके बाद वो 1997 की तमिल फिल्म रत्नगन में नागार्जुन के अपोजिट दिखीं। वहीं उन्हें बड़ी पहचान फिल्म बीवी नंबर 1 से मिली। इस फिल्म में उन्होंने सलमान और करिश्मा कपूर के साथ स्क्रीन शेयर किया था। फिल्म में उन्हें सलमान के लव इंट्रेस्ट के रूप में देखा गया था।

बेटी गोद लेने पर लोगों के ताने सुनने पड़े

सुष्मिता सेन ने 24 साल की उम्र में पहली बेटी रिनी को गोद लिया था। हालांकि, ये काफी हिम्मत भरा फैसला था, क्योंकि तब वो बॉलीवुड में खुद को एस्टेब्लिश करने के जद्दोजहद में लगी हुई थीं। हिट फिल्मों के साथ फ्लॉप फिल्मों का टैग भी उनके पास था। इस कारण रिनी को गोद लेना उनके लिए बहुत बड़ा फैसला था।

मुझे एक्शन हीरो बनने पर बहुत गर्व है

दिवाली के मौके पर सलमान खान ने अपने फैंस को टाइगर 3 फिल्म के रूप में खास तोहफा दिया। यह टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त थी, जिसमें तीसरी बार सलमान अपनी भूमिका दोहरा रहे थे। सलमान और कटरीना कैफ के दोबारा साथ आने से फैंस को और भी उम्मीदें थीं। फिल्म को प्रशंसकों द्वारा पसंद किया गया और बॉक्स ऑफिस पर भी इसे शानदार प्रतिक्रिया मिली। वहीं अब फिल्म को मिल रहे दर्शकों के प्यार और फिल्म की सफलता पर सलमान खान ने प्रतिक्रिया दी है। सलमान ने कहा, मुझे एक एक्शन हीरो होने पर बहुत गर्व है और मैं भाग्यशाली हूं कि लोगों ने मुझे कई फिल्मों में इस अवतार में पसंद किया है। इसके साथ बार-बार सफलता का स्वाद चखना बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि लोगों को खुश करना सिनेमा की आसान शैली नहीं है। आपको लगातार नया आविष्कार करना होगा और दर्शकों को कुछ नया देना होगा, जो उन्होंने प्रत्येक एक्शन फिल्म के साथ नहीं देखा है। उन्होंने आगे कहा, यह सराहना मेरे लिए सफलता की हैट्रिक की तरह महसूस होती है। इन फिल्मों की सफलता भी मेरे लिए बहुत निजी है। वहीं इससे पहले अभिनेता ने कहा था कि टाइगर 3 मेरे दिल के काफी करीब है। फिल्म को इस तरह का प्यार मिलता देखना वाकई मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म दुनिया भर के दर्शकों का मनोरंजन करती रहेगी। दर्शकों ने फिल्म को शानदार शुरुआत दी और मुझे खुशी है कि टाइगर फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग भी सफल रहा। टाइगर 3 ने भारत में 188 करोड़ रुपये की कमाई की है और केवल पांच दिनों में दुनिया भर में 300 करोड़ की कमाई का आंकड़ा छू लिया है। फिल्म में इमरान खान भी हैं, जिन्हें फिल्म में नकारात्मक किरदार निभाने के लिए सराहना मिली। कुछ समय बाद उन्हें इतने अलग अवतार में स्क्रीन पर देखना उनके प्रशंसकों के लिए एक सौगात थी।

सलमान और मेरे बीच बहुत अच्छा तालमेल है

टाइगर 3 में आतिश का किरदार निभाने वाले इमरान हाशमी को लगता है कि वह नायक सलमान खान के साथ अच्छे लगते हैं, भले ही उन्होंने पहली बार मनीष शर्मा निर्देशित फिल्म में साथ काम किया हो। शुक्रवार रात मुंबई में टाइगर 3 की सक्सेस पार्टी के दौरान इमरान, कैटरीना कैफ और सलमान खान के साथ मीडिया और फैंस से बातचीत कर रहे थे।

सलमान के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करने के बारे में बात करते हुए इमरान ने कहा, सलमान खान को डिस्क्राइब करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप जो देखते हैं, वही आपको मिलता है, उनके आसपास कोई हवा नहीं है... वह आपको सहज महसूस कराते हैं। मेरा पहला सीन सलमान के साथ था, जो एक बड़ा मोनोलॉग था। उनके साथ काम करना आसान था, क्योंकि हम अच्छा महसूस करते थे। यह पूछे जाने पर कि क्या वह ऑन-स्क्रीन किसिंग करना मिस करते हैं, जो कि उनका सिग्नेचर मूव है, इमरान, जिन्होंने टाइगर 3 के साथ वाईआरएफ स्पाई-वर्स में प्रवेश किया, ने कहा, मैंने मनीष से कहा कि मुझे फिल्म में एक ट्रैक, एक किसिंग ट्रैक की जरूरत है और एक गाना भी, लेकिन वह नहीं माने। मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित और यशराज फिल्म्स के तहत आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित, यह फिल्म टाइगर जिंदा है (2017) का अगला स्कीवल है और वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में पांचवीं इस्टॉलमेंट है। टाइगर 3 ने दिवाली रिलीज के बाद से छह दिनों में बॉक्स-ऑफिस पर दुनिया भर में 322 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।